14वीं वार्षिक रिपोर्ट

FOURTEENTH ANNUAL REPORT

2009-2010

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
विंग–ए, विश्वकर्मा भवन
शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110016

GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
WING - A, VISHWAKARMA BHAWAN,
SHAHEED JEET SINGH MARG,
NEW DELHI - 110016

एक यादगार वर्ष

वर्ष 2009 - 10 के दौरान प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) ने विभिन्न औद्योगिक संगठनों और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्कों (एस टी ई पी एस)/ प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) के साथ वित्तीय सहायता हेतु 17 करारों को सम्पन्न किया और 215.33 करोड़ रूपये के कुल परियोजना परिव्यय में से 78.32 करोड़ रूपये की प्रतिबद्धता की। टी डी बी की सहायता में स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग, कृषि, ऊर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। यह परियोजनाएं 11 राज्यों/ केन्द्र शासित क्षेत्रों में फैली हैं।

चालू, नई परियोजनाओं और स्कीमों के लिए 55.04 करोड़ रूपए की राशि का संवितरण किया गया है। इस राशि में ऋण के रूप में 41.45 करोड़ रूपए, औद्योगिक संगठन और प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटरों को अनुदान के रूप में 9.80 करोड़ रूपए तथा निवेश के लिए वेन्चर कैपिटल फण्ड (वी सी एफ) हेतु 3.79 करोड़ रूपए शामिल हैं।

वेन्चर कैपिटल फण्ड में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण हेतु उद्योगों के लिए प्रत्यक्ष सहायता के अतिरिक्त, टी डी बी ने प्रौद्योगिकीय रूप से नवोन्मेष व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी केन्द्रित वेन्चर कैपिटल फण्ड में भागीदारी (वी सी एफ) के साथ नेटवर्किंग करना जारी रखा है। नवोन्मेष और नवोन्मेषी उत्पाद/ सेवाएं रखने वाले एस एम ई के लिए आरंभिक स्तर के उद्यमों को सहायता प्रदान करके स्वयं के कार्य क्षेत्र का विस्तार करना इस कार्य के पीछे मुख्य उद्देश्य रहा है। टी डी बी की इस पहल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की संवृद्धि को प्रेरित करने वाले क्षेत्रों में मुख्य बल के साथ प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं को व्यापक रूप से सहायता प्रदान करने हेतु आगे आने के लिए वेन्चर कैपिटलिस्ट/ निजी इक्विटी फंड्स को आत्मविश्वास दिया है। इस वर्ष, टी डी बी ने पिछले योगदान से प्रतिलाभ के रूप में 8.12 करोड़ रूपए प्राप्त किए हैं।

इन्क्यूबेटर्स में शुरूआतकर्त्ताओं के लिए सीड सर्पोट स्कीम

टी डी बी ने डी एस टी के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी भी) द्वारा प्रशासित इन्क्यूबेटरों (एस टी ई पी - टी बी आई) को आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरू करके भागीदारी करने के लिए एक संवृद्धि - उन्मुखी पहल अपनाई है और वर्ष 2007 - 08 तक टी डी बी की 1000 लाख रू. की प्रतिबद्धता सहित 10 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई से) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्क (एस टी ई पी एस) को सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है और विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से उद्यमियों को लाभान्वित किया है।

The Year That Was

During the year 2009-10, Technology Development Board (TDB) concluded 17 agreements for financial assistance with various industrial concerns and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) / Technology Business Incubators (TBIs) and committed ₹ 78.32 crore out of total project outlay of ₹ 215.33 crore. TDB's support covers various sectors such as Healthcare, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilization, Telecommunication and Information Technology etc. The projects are spread over 11 States/Union Territories.

An amount of ₹ 55.04 crore has been disbursed towards on-going, new projects and schemes. This included ₹ 41.45 crore as loan, ₹ 9.80 crore as grant to an industrial concern and Technology Business Incubators and ₹ 3.79 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Participation in Venture Capital Funds

In addition to the direct support to industries for commercialization of indigenous technologies, TDB continued networking with technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures. The objective behind this exercise is to spread itself by providing support to early stage ventures for SMEs having innovation and innovative products / services. This initiative of TDB has given confidence to Venture Capitalist/Private equity funds to come up in big way to support the technology based projects with a pronounced emphasis on sectors which are the growth drivers of Indian economy. This year, TDB has received ₹ 8.12 crore as return from previous contributions.

Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators

TDB has taken a growth-oriented initiative to participate by instituting Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to Incubators (STEP/ TBI) administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of DST and has supported 10 Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of ₹ 1000 lakhs till 2007-08. This scheme has progressed well and benefited a number of entrepreneurs in various fields.

टी डी बी ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान भी इस स्कीम को विस्तारित किया है और अन्य पांच एस टी ई पी एस/ टी बी आई एस की पहचान की गई है और अनुदान के रूप में उनमें से प्रत्येक को 100 लाख रू. का अनुमोदन प्रदान किया गया है। इन्क्यूबेटीज के लिए जारी की गई वित्तीय सहायता विकास, स्तरोन्नयन और संबंधित कार्य की आवश्यकता रखने वाली प्रौद्योगिकियों के लिए आरंभिक स्तर सहायता में मदद करेगी। यह इन्क्यूबेटर्स द्वारा एक इन्क्यूबेशन निधि का सृजन करने में भी सुविधा प्रदान करेगी।

विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

टी डी बी ने "सेंटर फार द डवेलपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलोजी" (सी. डी. टी. आई.), स्पेन के साथ पूर्व में हस्ताक्षरित अपने समझौता ज्ञापन के अनुसार अपना तकनीकी सहयोग जारी रखा। वर्ष 2009 - 10 के दौरान, रसायन प्रसंस्करण और इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में सी डी. टी. आई., स्पेन और टी. डी. बी. के बीच भारत स्पेन नवोन्मेषी कार्यक्रम (आई एस आई पी) के अन्तर्गत दो और द्विपक्षीय परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया।

प्रौद्योगिकी दिवस 2009

11 मई, 2009 को नई दिल्ली में प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। डा. एम. के भान, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। श्री किरण कार्निक ने मानद अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर अपना व्याख्यान दिया।

निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड ने वर्ष 2009 - 10 के लिए पुरस्कार समारोह को स्थगित कर दिया और अगले प्रौद्योगिकी दिवस अर्थात 11 मई, 2010 को निम्नलिखित पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पुरस्कार - 2009 और एस. एस. आई. इकाई हेतु पुरस्कार - 2009 प्रदान करने का निर्णय लिया।

राष्ट्रीय पुरस्कार - 2009

मैसर्स ए. पी, ऑर्गेनिक प्रा. लिमिटेड, संगरूर जिला, धुरी (पंजाब) ने प्रौद्योगिकी प्रदाता आई आई सी टी, हैदराबाद के साथ इन्जाइमेटिक डिगमिंग प्रक्रिया का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता राइस ब्रैन तेल उत्पादन के लिए 10 लाख रू. और एक ट्राफी सहित राष्ट्रीय पुरस्कार - 2009 प्राप्त किया।

एस एस आई इकाई हेतु पुरस्कार - 2009

(i) **मैसर्स कस्टमाइज्ड टेक्नोलोजिज (प्रा.) लिमिटेड बैंगलौर** ने सी एम ओ एस डिजिटल कैमरा और रैपिड सी ए डी सहित रैपिड I: एक उच्च रेजोल्यूशन नॉन - कान्टेक्ट विज़न

TDB has extended this scheme during the current year also and another five STEPs/ TBIs have been identified and sanctioned ₹ 100 lakhs each as grant. The financial assistance released to the incubatees would cater to early stage support for technologies requiring development, up-scaling and related work. It will also facilitate in the building up of an Incubation Fund by the Incubators.

MoUs with Foreign Institutions

TDB continued its technical collaboration with "Centre for the Development of Industrial Technology" (CDTI), Spain as per the MoU signed with it earlier. During 2009-10, two more bilateral projects have been approved under India Spain Innovating Program (ISIP) between CDTI, Spain and TDB in the field of chemical processing and engineering areas.

Technology Day 2009

Technology day was celebrated on 11th May, 2009 in New Delhi and the Former President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, was the Chief Guest on this occasion. The technology Day Lecture was delivered by Dr. M.K. Bhan, Secretary, Department of Biotechnology. Shri Kiran Karnik graced the occasion as the Guest of Honor and delivered a Lecture on 'Technology for Rural Development'.

In view of guidelines from the Election Commission, the Board postponed the Award Ceremony for the year 2009-10 and decided to present National Award-2009 & awards for SSI Unit- 2009 to the following award winners on next Technology Day i.e. 11th May, 2010.

National Award- 2009

M/s A.P. Organic Pvt. Ltd., District Sangrur, Dhuri (Punjab) for producing High Quality Rice Bran Oil by employing enzymatic degumming process alongwith technology provider IICT, Hyderabad, received National Award-2009 of ₹ 10 lakhs and a trophy each.

Awards for SSI Unit – 2009

(i) **M/s Customised Technologies (P) Ltd., Bangalore** for Developing & Commercializing Rapid I: a High Resolution Non-Contact Vision Inspection

इस्पैक्शन सिस्टम का विकास और वाणिज्यीकरण करने के लिए 2 लाख रू. और एक ट्राफी सहित वर्ष 2009 का एस एस आई इकाई हेतु पुरस्कार प्राप्त किया।

(ii) **मैसर्स सुरभी बायोमेडिकल इस्ट्रूमेन्टेशन (इंडिया) प्रा. लिमिटेड,** कोयम्बटूर (तमिलनाडु) ने "ऐथिरोली टाइनी 16 ए" ब्रॉंड नाम से केवल 2 लाख रू. में 16 पैनल आर्किटेक्चर में कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड स्कैनर का अभिकल्पन और विकास करने के लिए 2 लाख रू. और एक ट्राफी सहित वर्ष 2009 का एस एस आई यूनिट पुरस्कार प्राप्त किया।

पारस्परिक अन्तरक्रिया पद्धति

प्रदर्शनियां/ संगोष्ठियां

टी डी बी के पास उपलब्ध वित्तीय सहायता के बारे में उद्योग, उद्यमियों और आर एण्ड डी संस्थानों के बीच जागरूकता का सृजन करने के लिए अन्य संगठनों के सहयोग के साथ विचार - विमर्शी बैठकें/ प्रदर्शनियों में भागीदारी जैसे विभिन्न कार्यकलापों को संचालित किया गया। वर्ष के दौरान टी डी बी ने बैंगलौर, चंडीगढ़, कोयम्बटूर, देहरादून, हैदराबाद, जयपुर, झुनझूनू, नई दिल्ली, नोएडा, मुम्बई और तिरूवनंतपुरम में प्रदर्शनियों में भाग लेकर अपनी स्कीमों के बारे में जागरूकता पैदा की है। टी डी बी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन थेसालोंसिकी (ग्रीस) में एक विदेशी प्रदर्शनी मे भी भाग लिया।

तिरूवनंतपुरम, केरल में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 97 वां सत्र

टी डी बी ने तिवनंतपुरम, केरल में **3 - 7 जनवरी, 2010** के दौरान 97 वीं विज्ञान कांग्रेस तिरूवनंतपुरम, केरल प्रदर्शनी में भाग लिया। डा. मनमोहन सिंह, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने "21 वीं सदी की विज्ञान और प्रौद्योगिकी चुनौतियां - राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य" मुख्य विषय के साथ भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आई एस सी) का उद्घाटन किया। इस पांच दिवसीय समारोह में बहु - विषयी सम्मेलन, एक अन्तरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी, सी ई ओ कॉन्क्लेव, बायो आई पी जोन, जैव उत्कृष्टता पुरस्कार और बहुत से अन्य कार्यक्रम शामिल थे। यह विज्ञान कांग्रेस एक ही मंच पर अपने अनुभवों को आपस में बताने वाले विश्व भर के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, नोबेल पुरस्कार विजेताओं, नीति निर्माताओं, प्रशासकों, प्रोफेसरों और विद्यार्थियों की उपस्थिति की गवाह रही। टी डी बी ने अपने कार्यकलापों के बारे में जानकारियां दी और टी डी बी की स्कीमों के बारे में आगन्तुक को अवगत कराया। विज्ञान कांग्रेस में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

System with CMOS Digital Camera and Rapid CAD, received award for SSI Unit -2009 of ₹ 2 lakhs and a trophy.

(ii) **M/s Surabi Biomedical Instrumentation (India) Pvt. Ltd.**, Coimbatore (Tamilnadu) for Designing & Developing Color Doppler Ultrasound Scanner in16 Channel architecture, just in ₹ 2 lakh with the Brand name "Ethiroli Tiny 16a", received award for SSI Unit -2009 of ₹ 2 lakhs and a trophy.

Interactive Mode

Exhibitions/ Seminars

To create awareness in the industry, entrepreneurs and R&D institutions about the available financial support from TDB, various activities were undertaken such as interactive meetings / participation in exhibitions in collaboration with other organizations. During the year, TDB created awareness about its scheme by participating in exhibitions at Bangalore, Chandigarh, Coimbatore, Dehradun, Hyderabad, Jaipur, Jhunjhunu, New Delhi, Noida, Mumbai and Thiruvananthapuram. TDB also participated in an exhibition abroad under the Ministry of Science & Technology at Thessaloniki (Greece).

97th session of Indian Science Congress at Thiruvananthapuram, Kerala

TDB participated in the 97th Indian Science Congress of Thiruvananthapuram, Kerala exhibition during **January 3-7, 2010** at Thiruvananthapuram, Kerala. The ISC with the focal theme "Science and Technology Challenges of 21st Century-National Perspective", was inaugurated by Dr. Manmohan Singh, Hon'ble Prime Minister of India. The Five-day event consisted of a Multi-Track Conference, an International Trade Show, CEO Conclave, bio IP Zone, Bio Excellence Award and a host of other events. The Science Congress witnessed the presence of eminent scientists, Nobel laureates, policy makers, administrators, professors and students from across the nation sharing their experiences and views over a common platform. TDB displayed information about its activities and the visitors were appraised about the schemes of TDB. A large number of national and international delegates participated in the Science Congress.

वर्ष 2009 - 10 में नए उत्पाद और सेवाएं

वर्ष के दौरान, नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने हेतु टी डी बी ने नए करारों पर हस्ताक्षर किएः-

- मैसर्स शहजानंद लेजर टेक्नोलोजी लि., गांधीनगर द्वारा लेजर प्रौद्योगिकी पर आधारित फाइबर लेजर कटिंग सिस्टम।
- मैसर्स रोटोफिल्ट इंजीनियर्स लि., इलाहाबाद द्वारा ठोस/ तरल के पृथक्करण के लिए वर्टिकल प्रेशर फिल्टर (हॉरिजोन्टल प्लेट्स) ।
- मैसर्स सोनिक बायोकेम एक्सट्रेक्शन लि., इंदौर द्वारा तरल - तरल निष्कर्षण द्वारा सोया लेकीथिन पाउडर/ ग्रेन्यूल्स और फोस्फेटारडाइलकोलाइन - 35
- मैसर्स ओरोरा इंटीग्रेटिड सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलौर द्वारा सेन्य निगरानी (एस के वाई आई एम के आई) और राज्य क्षेत्र सुरक्षा (शहरी निगरानी प्रणाली के लिए छोटे मानव रहित वायु यान) (यू ए वी एस)
- मैसर्स सुकैम पावर सिस्टम लि. गुड़गांव द्वारा आनलाइन बाधा रहित विद्युत आपूर्ति (यू पी एस) पर आधारित फील्ड प्रोग्रामेबल गेट ऐरे (एफ पी जी ए)
- मैसर्स स्कैनरे टेक्नोलोजीज प्रा. लि. मैसूर द्वारा हाई फ्रिकुवेंसी एक्स - रे जनरेटर और वाइटल साइन मानीटर प्रौद्योगिकी
- मैसर्स सांख्या टेक्नोलोजीज प्राइवेट लि. चैन्नई द्वारा सांख्य टेरपटर टी एम का उपयोग करके आटोमोटिव इलैक्ट्रोनिक उपभोक्ता इलैक्ट्रोनिक्स एवं संचार सौर नेटवर्किंग उपकरणों के लिए सिस्टम डिजाइन समाधान।
- मैसर्स इंटच नैच्यूरल्स प्रा. लि., मणिपुर द्वारा स्टेविया निष्कर्षण सुविधा।
- मैसर्स निर्वाणा बायोसिस (प्रा.) लि., नई दिल्ली द्वारा अंगूर के रस के कन्सट्रेंशन से टेबल वाइन, स्पार्कलिंग वाइन और फोर्टिफाइड वाइन का उत्पादन।
- मैसर्स सोफ्टटेक इंजीनियर्स प्रा. लिमिटेड, पुणे द्वारा प्रोडक्ट ऑटो डी सी आर और आप्टिकॉन।
- मैसर्सओजीन सिस्टम (I) प्रा. लि. हैदराबाद द्वारा एक्टिव फार्मास्यूटिकल इग्रेडिएटस (ए पी आई एस) का उत्पादन
- मैसर्स एम. आई. सी. इलैक्ट्रोनिक्स लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा हरित ऊर्जा समाधानों के रूप में एल ई डी आधारित लाइटिंग उत्पाद।

New Products and Services in 2009-10

During the year, TDB signed new agreements for financial assistance to support the following projects for development and commercialization of innovative technologies:-

- Fiber Laser Cutting System based on Laser Technology by M/s Sahajanand Laser Technology Ltd., Gandhinagar.
- Vertical Pressure Filter (Horizontal Plates) for separation of solid / liquid by M/s Rotofilt Engineers Ltd., Ahmedabad.
- Soya Lecithin Powder/Granules and Phosphatidylcholine-35 by Liquid Liquid Extraction by M/s Sonic Biochem Extraction Ltd., Indore.
- Small Unmanned Aerial Vehicles (UAVs) for military surveillance (SKY I MK I) and homeland security (Urban Surveillance System) by M/s Aurora Integrated System Private Ltd., Bangalore.
- Field Programmable Gate Arrays (FPGA) based on online Uninterrupted Power Supply (UPS) Systems by M/s Su Kam Power Systems Ltd., Gurgaon.
- High Frequency X-Ray Generator and Vital Sign Monitor Technology by M/s Skanray Technologies Pvt. Ltd, Mysore.
- System Design Solution for Automotive Electronic Consumer Electronics & Communication and Networking Devices using Sankhya TeraptorTM by M/s Sankhya Technologies Private Ltd., Chennai.
- Facility for Stevia Extraction by M/s Intouch Naturals Pvt. Ltd., Manipur.
- Manufacturing of Table Wine, Sparkling Wine & Fortified Wine from Grape Juice Concentrates by M/s Nirvana Biosys (P) Ltd., New Delhi.
- Product AutoDCR and Opticon by M/s SoftTech Engineers Pvt. Ltd., Pune.
- Manufacture of Active Pharmaceutical Ingredients (APIs) by M/s Ogene Systems (I) Pvt. Ltd., Hyderabad.
- LED based Lighting Products as Green Energy Solutions by M/s MIC Electronics Ltd., Hyderabad

उपरोक्त के अतिरिक्त, सीड सपोर्ट स्कीम के अन्तर्गत प्रत्येक को 1.00 करोड़ रू. की अनुदान सहायता के साथ निम्नलिखित 5 नए (एस टी ई पी/ टी बी आई एस) को भी सहायता प्रदान की गई है।

1. एमिटी बिजनेस इन्क्यूबेटर, एमिटी यूनिवर्सिटी कैम्पस, नोएडा (उत्तर प्रदेश)
2. एन आई टी के - एस टी ई पी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सुरथकल (कर्नाटक)
3. ग्रामीण प्रौद्योगिकी और व्यवसाय इन्क्यूबेटर, आई आई टी मद्रास, चेन्नई
4. उद्यमिता विकास केन्द्र, एन सी एल, पुणे
5. अमृता टेक्नोलोजी बिजनेस इन्क्यूबेटर, अमृता विश्व विद्यापीठम, कोल्लम (केरल)

वर्ष 2009 - 10 में जारी उत्पाद/ पूरी की गई परियोजनाएं

वर्ष के दौरान टी डी बी की सहायता से जारी उत्पादों/ पूर्ण की गई परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैः-

- मैसर्स क्रिटिकल सेक्योर स्केन प्रा. लि., नई दिल्ली द्वारा स्वचालित विहीकल अंडरसाइड स्कैनिंग सिस्टम।
- मैसर्स सिकैम टेक्नोलोजीज प्रा. लि. चेन्नई द्वारा इलैक्ट्रोनिक बीम इयरेडिएशन प्रौद्योगिकी का विकास।
- मैसर्स मैक कन्ट्रोल्स एण्ड सिस्टम प्रा. लिमिटेड कोयम्बटूर, तमिलनाडू द्वारा एयरक्राफ्ट कार्गो लोडर, वातानुकूलन इकाई और सहायक ऊर्जा इकाई का विकास और वाणिज्यीकरण।
- मैसर्स गोल्ड स्टोन इंफ्राटेक प्रा. लि. सिकन्दराबाद द्वारा तेल/ गैस पाइप लाइनों में जंग लगने से बचाव के लिए रैपराउंड और अन्य एक्सेसरीज़ का विकास, उत्पादन।
- मैसर्स स्प्रेय इंजीनियरिंग डिवाइस लि., चंडीगढ़ द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित वर्टिकल कॉनटीन्यूअस वैक्यूम पैन का वाणिज्यीकरण।
- मैसर्स रियलटाइम लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा एक कुशल, सुरक्षित, बहु विशेषता युक्त और किफायती नेटवर्क के लिए एक आधार तैयार करने हेतु एंटरप्राइज रूटर सीरीज का वाणिज्यीकरण
- मैसर्स यूनाइटिड नेनोटेक प्रॉडक्ट्स लि. कोलकाता द्वारा लीथियम आयन बैटरियों में उपयोग के लिए कैथोड और नैनो सामग्रियों का वाणिज्यीकरण।

Besides above, the following 5 new STEP/TBIs are also supported with grant assistance of ₹ 1.00 crore each under Seed Support Scheme.

1. Amity Business Incubator, Amity University Campus, Noida (UP)
2. NITK- STEP, National Institute of Technology Surathkal, (Karnataka)
3. Rural Technology and Business Incubator, IIT Madras, Chennai
4. Entrepreneurship Development Centre, NCL, Pune
5. Amrita Technology Business Incubator, Amrita Vishwa Vidyapeetham, Kollam (Kerala)

Product Released/Projects completed in 2009-10

The products released / projects completed with assistance from TDB during the year include:-

- Automated Vehicle Underside Scanning System by M/s Kritikal Secure Scan Pvt. Ltd., New Delhi.
- Development of Electronic Beam Irradiation Technology by M/s Siechem Technologies Pvt. Ltd., Chennai.
- Development and Commercialization of Aircraft Cargo Loaders, Air – conditioning Units & Auxiliary Power Unit by M/s Mak Controls & System Pvt. Ltd., Coimbatore, Tamil Nadu.
- Development, Manufacturing of wraparound & other accessories for corrosion protection of joints in Oil/ Gas Pipelines by M/s Goldstone Infratech Pvt. Ltd., Secunderabad.
- Commercialization of Indigenously developed Vertical Continuous Vacuum Pan by M/s Spray Engineering Devices Ltd., Chandigarh.
- Commercialization of Enterprise Router series to build a foundation for an intelligent, secure, multi-feature and cost effective network by M/s Realtime Systems Limited, New Delhi.
- Commercialization of Cathode & Anode nano-material for use in Lithium ion Batteries by M/s United Nanotech Products Ltd., Kolkata.

- मैसर्स कावेरा सिस्टम इंडिया प्रा. लि. हैदराबाद द्वारा सिंगल मोड आप्टिकल फाइबर पर एक गीगा बाइट एथरनेट पैसिव आप्टिकल नेटवर्क पर सेटेलाइट टेलीविजन, केबल टेलीविजन, वॉयस डाटा और विडियो सुरक्षा सेवाओं के साथ वेरा पॉन प्रौद्योगिकी।

- मैसर्स यूनीक वेस्ट प्रोसेसिंग कम्पनी, नई दिल्ली द्वारा नगर निगम के ठोस अपशिष्ट (एम एस डब्ल्यू) का उपयोग।

ऋण चुकौती का निपटान

इस वर्ष टी डी बी द्वारा सहायित दस (10) कम्पनियों ने अपनी ऋण राशि का भुगतान कर दिया है और टी डी बी के सन्तोषप्रद पाए जाने पर करार के अनुसार अपनी ऋण लेखाओं का निपटान कर दिया है।

वर्ष 2009 - 10 में प्राप्त आवेदन

वर्ष के दौरान टी डी बी ने विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से वित्तीय सहायता के लिए कुल 41 आवेदन प्राप्त किए जिसमें 846.79 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत और टी डी बी की 226.06 लाख रूपये की सहायता शामिल है। इसमें से टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए 26 आवेदनों को उचित पाया गया। कई वेन्चर कैपिटल फंड ने भी टी डी बी द्वारा फंड में शामिल होने के लिए टी डी बी को संपर्क किया।

- Vera Pon Technology with integration of Satellite Television, Cable Television, Voice Data and Video Security Services over a Gigabit Ethernet Passive Optical Network on a single mode optical fibre by M/s Cavera Systems India Pvt. Ltd., Hyderabad.
- Utilization of Municipal Solid Waste (MSW) by M/s Unique Waste Processing Company, New Delhi.

Settlement of Repayment of Loan

This year, Ten (10) companies assisted by TDB have repaid their loan amount and settled their loan account as per the agreement to the satisfaction of TDB.

Applications received in 2009-10

During the year, TDB received total 41 applications for financial assistance from various industrial concerns with total project cost of ₹ 846.79 lakhs and TDB's assistance of ₹ 226.06 lakhs. Out of that, 26 applications were found suitable for further processing for financial assistance by TDB. Venture Capital Funds also approached TDB for participation in their fund.

पूर्वावलोकन

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया।

इस अधिनियम में टी डी बी द्वारा संचालित प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग के लिए फंड सृजन का प्रावधान हैं। इस फंड द्वारा सरकार से अनुसंधान तथा विकास अधिनियम, 1986 यथा संशोधित 1995 के प्रावधानों के तहत औद्योगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया जाता है। फंड की राशि के निवेश से प्राप्त आय और फंड द्वारा दिए गए अनुदानों की वसूली को फंड में जमा कर दिया जाता है। वित्त अधिनियम, 1999 द्वारा आयकर संबंधी उद्देश्यों के लिए फंड को दिए गए अनुदानों में पूर्ण कटौती करने हेतु सक्षम बनाया गया।

वर्ष 1997 - 2010 के दौरान आर एंड डी उपकर से सरकार द्वारा कुल 2261.80 करोड़ रूपये एकत्र किए गए टी डी बी को 14 वर्षों की अवधि में 501.42 करोड़ रूपये की संचित राशि उपलब्ध कराई गई। यह आर एंड डी उपकर से एकत्रित राशि का 22.17 प्रतिशत है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का दायित्व स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करना अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने वाली औद्योगिक इकाईयों तथा अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना हैं।

टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रूप में उपलब्ध है तथा आपवादिक मामलों में यह अनुदान भी हो सकता है। ऋण सहायता अनुमोदित परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक दी जाती है और इस पर प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत साधारण ब्याज लिया जाता है। ऋण के दौरान टी डी बी के तहत उत्पादों की ब्रिकी पर रायल्टी भी देय है। विकल्प के रूप में टी डी बी किसी कंपनी को इक्विटी पूंजी भी प्रदान कर सकता है बशर्ते यह अनुमोदित परियोजना लागत के अधिकतम 25 प्रतिशत तक हो। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई की शुरूआत, स्टार्ट अप अथवा विकास के चरणों में उपलब्ध कराई जा सकती है।

टी डी बी को वित्तीय सहायता हेतु आवेदन वर्ष भर प्राप्त होते रहते हैं। परियोजना सहायता हेतु आवेदनों को अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में परियोजनाएं कार्यान्वित करने के लिए स्वीकार किया जाता है। टी डी बी द्वारा कोई प्रशासनिक, प्रोसेसिंग अथवा वचनबद्धता शुल्क नहीं लिया जाता है। टी डी बी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु इच्छुक औद्योगिक इकाई को विहित प्रपत्र में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशानिर्देशों सहित आवेदन के प्रारूप की प्रति टी डी बी से निःशुल्क या टी डी बी वेबसाईट (www.tdb.gov.in) से प्राप्त की जा सकती है।

An Overview

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996, as per the provisions of the Technology Development Board Act, 1995.

The Act enabled the creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

During the years 1997-2010, a total amount of ₹ 2261.80 crore R&D cess has been collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of ₹ 501.42 crore over the period of 14 years. This works out to be 22.17 % of the R&D cess collections.

The mandate of the TDB is to provide financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic application.

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity and/or in exceptional cases, grant. The loan assistance is provided up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent simple rate of interest per annum. Royalty is also payable on sales of products under TDB's project during currency of loan. In exceptional cases, TDB may also subscribe by way of equity capital in a company, subject to maximum of 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of industrial concerns.

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of economy throughout the year. An industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB applies in a prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB or by accessing TDB website (www.tdb.gov.in).

टी डी बी ने अपनी योजनाओं को प्रौद्योगिकी अभिमुखी परियोजनाओं तक और अधिक विस्तारित करने के लिए उद्यम पूंजी निधि में भी भाग लिया है। इसके अतिरिक्त इनक्यूबेटर्स को सीड सपोर्ट स्कीम के माध्यम से सहायता भी प्रदान करती है और उसने अपनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए चयनित विदेशी संस्थानों के साथ पारस्परिक विचार - विमर्श भी किया है।

31 मार्च 2010 की स्थिति के अनुसार, टी डी बी द्वारा (1996 में इसके अस्तित्व में आने के बाद से) 3412.15 करोड़ रूपये की कुल परियोजना लागत युक्त 233 करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसमें से टी डी बी की वचनबद्धता 1052.02 करोड़ रूपये की है जिसके विरूद्ध टी डी बी ने सरकार द्वारा दिए गए फंड में से और आंतरिक प्राप्तियों में से 890.45 करोड़ रूपये का संवितरण किया है।

टी डी बी ने अन्य निवेशको से कुल 1203 करोड़ रू. निधियों तक पहुंच बनाते हुए 175 करोड़ रू. की प्रतिबद्धता/भागीदारी के साथ अभ तक 6 उद्यम पूंजी निधियों को सहायता प्रदान की है। टी डी बी ने सीड सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत 15 इंक्यूबेटर्स को 1-1 करोड़ रूपये की अनुदान सहायता अनुमोदित की है।

वित्तीय सहायता की प्रक्रिया

टी डी बी द्वारा 31 मार्च, 2010 तक दी गई वित्तीय सहायता की प्रक्रिया को निम्नलिखित तालिका में दिखाया गया है।

(करोड़ रू. में)

साधन	टीडीबी द्वारा स्वीकृत*	टीडीबी द्वारा वितरण
लोन	750.30	646.6
इक्विटी	25.57	24.36**
ग्रांट	101.01	85.66
वेन्चर फंड	175.00	133.76
कुल	**1052.02**	**890.45**

* ***31 मार्च, 2010 तक टी डी बी द्वारा वास्तविक रूप से अनुमोदित राशि वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, परिसमापन और निरसन के कारण पश्चातवर्ती वर्षों में परिवर्तित हो सकती है।***

** ***इसमें मार्च, 2004 में (मैसर्स निक्को कार्पोरेशन) को संवितरित 18.46 करोड़ रूपये (वर्ष 1999 - 2000 में 12.46 करोड़ रूपये और वर्ष 2001 - 02 में 06 करोड़ रू.) के लोन के ऋण का संचित मोचन योग्य वरीयता शेयरों में परिवर्तन शामिल है।***

TDB has also participated in Venture Capital Funds for spreading its support to technology oriented projects. Further, it also provides support to incubators through its Seed Support Scheme and has also interacted with select foreign institutions to promote its activities.

As on 31st March 2010, TDB has signed a total of 233 agreements (since its inception in 1996) with a total project cost of ₹ 3412.15 crore involving TDB's commitment of ₹ 1052.02 crore against which TDB has disbursed ₹ 890.45 crore from the grants provided by the government and through internal accruals.

TDB has so far supported 6 Venture Capital funds with a commitment / participation of ₹ 175 crores leveraging total funds aggregating to ₹ 1203 crores from other investors. TDB has approved grant assistance of ₹ 1 crore each to the fifteen Incubators under the Seed Support Scheme.

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB till 31st March 2010.

(₹ in crore)

Instruments	Sanctioned by TDB*	Disbursement by TDB
Loans	750.30	646.67
Equity	25.71	**24.36
Grant	101.01	85.66
Venture Funds	175.00	133.76
Total	**1052.02**	**890.45**

* *The actual sanctioned amount by TDB as on 31st March 2010 may vary in subsequent years due to revision in the quantum of financial assistance, foreclosure and cancellations.*

** *Includes conversion of loan of ₹18.46 crore (₹12.46 crore in 1999-2000 and ₹6 crore in 2001-2002) disbursed to NICCO Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan).*

क्षेत्रवार कवरेज

टी डी बी की वित्तीय सहायता ने अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को कवर कर लिया है। निम्नलिखित तालिका में टी डी बी द्वारा 1997 - 98 से इसके गठन से 31 मार्च, 2010 तक सेक्टरवार स्वीकृत किए गए परियोजनाओं को दिखाया गया है।

क्षेत्रवार कवरेज 1997 - 2010

(करोड़ रू. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
1.	हेल्थ एवं मेडिकल	62	852.08	269.03
2.	इंजिनियरिंग	49	453.35	156.45
3.	केमिकल्स	19	154.44	50.98
4.	कृषि	19	125.18	40.52
5.	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगिता	8	132.36	55.98
6.	दूरसंचार	10	79.79	29.35
7.	रक्षा एवं नागर विमानन	1	8.00	2.20
8.	सड़क यातायात	10	527.04	81.20
9.	हवाई यातायात	2	142.10	67.80
10.	सूचना प्रौद्योगिकी	31	263.98	108.01
11.	अन्य			
	(क) वेन्चर फंड सहित	6	658.00	175.00
	(ख) एसटीईपी–टीबीआई	15	15.00	15.00
	(ग) सीआईआई	1	0.83	0.50
	कुल	**233**	**3412.15**	**1052.02**

* ***(इसमें टी डी बी द्वारा बिना कोई राशि जारी किए गए 12 करार शामिल नहीं हैं।)***

अन्य क्षेत्रों की तुलना में हेल्थकेयर और इंजीनियरिंग सेक्टरों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टी डी बी द्वारा दी गई सहायता विस्तृत रूप से नए वेन्चरों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में बाजार संचालित और प्रौद्योगिकी उन्मुखी है।

Sector-wise Coverage

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The following table gives sector-wise projects sanctioned by TDB upto 31st March, 2010, since inception in 1997-98.

Sector-wise Coverage 1997-2010

(₹ in crore)

	Sector	Number of Agreements	Total Cost	Sanctioned by TDB
1	Health & Medical	62	852.08	269.03
2	Engineering	49	453.35	156.45
3	Chemicals	19	154.44	50.98
4	Agriculture	19	125.18	40.52
5	Energy & Waste Utilisation	8	132.36	55.98
6	Tele- communication	10	79.79	29.35
7	Defence and Civil Aviation	1	8.00	2.20
8	Road Transport	10	527.04	81.20
9	Air Transport	2	142.10	67.80
10	Information Technology	31	263.98	108.01
11	Others			
	a) Including Venture Funds	6	658.00	175.00
	b) STEP-TBI	15	15.00	15.00
	c) CII	1	0.83	0.50
	Total	**233**	**3412.15**	**1052.02**

* ***(Excludes 12 agreements cancelled by TDB without any release.)***

Healthcare and Engineering sectors have a significant share in comparison to other sectors. The support by TDB is largely market driven and technology oriented in new ventures and also in various industrial sectors.

वर्ष 1997-2010 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों पर राज्यवार वितरण

वर्ष 1997 - 2010 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों (कम्पनी के रजिस्टर्ड कार्यालय के आधार पर) राज्यवार वितरण

(करोड़ रू. में)

सं0	राज्य, केन्द्र शासित	करारों	इन्टर प्राइजेज की संख्या	कुल	टीडीबी द्वारा स्वीकृत की गई ऋणअनुदान/ इक्विटी
1.	आन्ध्र प्रदेश	63	49	909.42	298.23
2.	चंडीगढ़	4	4	42.75	16.50
3.	दिल्ली	15	14	142.98	54.51
4.	गुजरात	11	10	119.04	37.79
5.	हरियाणा	5	4	36.15	14.00
6.	हिमाचल प्रदेश	1	1	6.24	1.90
7.	कर्नाटक	24	22	346.85	144.64
8.	केरल	2	2	10.91	5.15
9.	मध्य प्रदेश	6	5	154.23	41.50
10.	महाराष्ट्र	30	27	517.44	89.35
11.	मणिपुर	1	1	7.94	2.70
12.	पाण्डीचेरी	1	1	5.83	1.90
13.	पंजाब	5	5	52.20	14.46
14.	राजस्थान	1	1	35.77	3.00
15.	तमिलनाडु	29	29	204.62	60.70
16.	उत्तर प्रदेश	5	4	40.61	28.92
17.	पश्चिम बंगाल	8	6	105.33	46.26
18.	दूसरे–सहित				
	वेन्चर फंड	6	6	658.00	175.00
	एसटीईपी–टीबीआई	15	15	15.00	15.00
	सीआईआई	1	1	0.83	0.50
	कुल योग	**233**	**207**	**3412.15**	**1052.02**

टी डी बी द्वारा वित्तीय भागीदार बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करती है और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। इसकी वित्तीय सहायता में स्वास्थ्य सहित इंजीनियरिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होती है।

State-wise Distribution of Agreements 1997-2010

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1997-2010 is given below:

(₹ in crore)

No.	State, Union Territory	Number of Agreements	Number of Enterprises	Total Cost	Loan/Grant /Equity Sanctioned by TDB
1	Andhra Pradesh	63	49	909.42	298.23
2	Chandigarh	4	4	42.75	16.50
3	Delhi	15	14	142.98	54.51
4	Gujarat	11	10	119.04	37.79
5	Haryana	5	4	36.15	14.00
6	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
7	Karnataka	24	22	346.85	144.64
8	Kerala	2	2	10.91	5.15
9	Madhya Pradesh	6	5	154.23	41.50
10	Maharashtra	30	27	517.44	89.35
11	Manipur	1	1	7.94	2.70
12	Pondicherry	1	1	5.83	1.90
13	Punjab	5	5	52.20	14.46
14	Rajasthan	1	1	35.77	3.00
15	Tamil Nadu	29	29	204.62	60.70
16	Uttar Pradesh	5	4	40.61	28.92
17	West Bengal	8	6	105.33	46.26
18	Others- Including				
	Venture Funds	6	6	658.00	175.00
	STEP-TBIs	15	15	15.00	15.00
	CII	1	1	0.83	0.50
	Grand Total	**233**	**207**	**3412.15**	**1052.02**

Financial participation by TDB depends largely on market driven conditions and varies considerably from one sector to another. Healthcare along with the engineering sector have a significant share in its financial assistance.

सकारात्मक सक्रिय भूमिका

पिछले कुछ समय से टी डी बी ने विभिन्न वेंचर कैपिटल फंड के साथ भागीदारी की है ताकि विभिन्न नवीन परियोजनाओं के उत्तोलन निवेश की संभावनाओं को विस्तृत किया जा सके और मूल सहायता प्रणाली फंड के माध्यम से इनक्यूबेटर्स द्वारा आर एंड डी पहलों को सहायता दी है। टी डी बी देश में प्रौद्योगिकी उन्मुख पहलों को एक प्लेटफार्म प्रदान करने के लिए विदेशी संस्थानों के साथ जुड़ी है।

वेंचर कैपिटल फंड में भागीदार रूपये

31 मार्च, 2010 तक, अन्य निवेशकों से 1203 करोड़ रूपए की कुल जमा निधियों के साथ 175 करोड़ रूपए की कुल प्रतिबद्धता/ भागीदारी सहित टी डी बी ने मुख्य रूप से यू टी आई, ए पी आई डी सी, वेन्चरईस्ट, जी वी एफ एल और आर सी वी एफ समूहों जैसे प्रतिष्ठित और बेहतर अनुभव रखने वाली वेंचर कैपिटल फंड में कम्पनियों के साथ 6 उद्यम निधियो में भागीदारी की है। नवोन्मेषी परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाने के अपने उद्देश्य के साथ इस निधि का उद्देश्य आई टी/ आई टी ई एस, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, दूरसंचार, नैनो प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी उन्मुख उद्यमों को सहायता प्रदान करने पर लक्षित है।

एस टी ई पी/ टी बी आईस के लिए सीड सहायता

टी डी बी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए युवा उद्यमियों हेतु प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता योजना शुरू की है। टी डी बी इस बात को मान्यता देता है कि इन्क्यूबेशन स्तर पर प्रौद्योगिकीय नवोन्मेष और विकास अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं जिसके फलस्वरूप प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण होता है। विगत वर्षों में इन्क्यूबेटर्स में शुरूआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता में भागीदारी करने का निर्णय लेकर टी डी बी ने एक संवृद्धि - उन्मुखी पहल की है।

वर्ष 2005 - 06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरूआत कर्ताओं के लिए सीड सहायता प्रणाली के अन्तर्गत टी डी बी ने पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है। टी डी बी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007 - 08 में दूसरे चरण में 100 लाख रू. प्रत्येक सहित पांच इन्क्यूबेटर्स और इसके पश्चात वर्तमान वर्ष 2009 - 10 में तीसरे चरण में 100 लाख रू. प्रत्येक के लिए देते हुए अन्य पांच इन्क्यूबेटरों को सहायता प्रदान की है। अतः टी डी बी ने अब तक 15 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) और एस टी ई पी एस को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने बहुत सी इन्क्यूबेटीज़ कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

Pro-active Role

In the recent past, TDB has partnered with various Venture Capital Funds to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects. TDB has also supported R&D initiatives by incubators through its Seed Support Scheme. TDB has also associated with select foreign institutions with the aim of providing a platform for developing technology oriented enterprises in the country.

Participation in Venture Capital Funds

As on 31st March, 2010, TDB has participated in 6 Venture Funds, with reputed and well experienced Venture Capital Fund companies mainly UTI, APIDC, Ventureast, GVFL and RCVF group with a total commitment/participation of ₹ 175 crore leveraging total funds aggregating to ₹ 1203 crore from other investors. The fund is targeted to support technology oriented ventures in various sectors such as IT / ITES, Biotechnology, Health, Telecommunications, Nano-technology etc. to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects.

Seed Support for STEP/TBIs

TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to young entrepreneurs for innovative technology venture ideas to fruition. TDB recognizes that technological innovation and development at incubation stage are critical components resulting in the commercialization of technology. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators in previous years.

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support System for Start-ups in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well. TDB extended the scheme and supported another five incubators for ₹ 100 lakh each in the second round in 2007-08 followed by another five incubators for ₹ 100 lakh each in the third round in the current financial year 2009-10. Thus, TDB has so far supported 15 Technology Business Incubators (TBIs) and STEPs. These Incubators have provided assistance to several Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग/ हस्तांतरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित, सहायित एवं वित्त पोषित करने तथा आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवोन्मेष के द्वारा एस एम ई संवृद्धि को सहायता प्रदान करने के लिए टी डी बी ने चुनिंदा विदेशी संस्थानों नामतः एजेंस नेशनल डी वेलोराइजेशन डी ला रेकरेक (ए एन वी ए आर), फ्रांस, सेंटर फॉर दी डवलपमेट ऑफ इन्डस्ट्रीयल टेक्नोलोजी (सी डी टी आई), स्पेन और कॉमनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सी बी सी), यू. के. के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

रोजगार के अवसर

टी डी बी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा मौजूदा उद्यमों द्वारा नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से रोजगार के नए अवसरों का सृजन करके मूल्य वर्धन किया है।

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2009 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह - 2009 मनाया गया। डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, भारत के पूर्व राष्ट्रपति ने मुख्य अतिथि के रूप में इस समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. एम. के. भान, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया गया। श्री किरण कार्निक ने मानद अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और "ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया।

निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड ने वर्ष 2009 - 10 के लिए पुरस्कार समारोह को स्थगित कर दिया और निम्नलिखित पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पुरस्कार और एस एस आई यूनिट के लिए पुरस्कार - 2009 को अगले प्रौद्योगिकी दिवस अर्थात 11 मई, 2010 को प्रदान करने का निर्णय लिया।

स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार - 2009

(i) **मैसर्स ए पी, आर्गेनिक प्रा. लिमिटेड** जिला संगरूर, धुरी (पंजाब) ने प्रौद्योगिकी प्रदाता आई आई सी टी, हैदराबाद के साथ इन्जाइमेटिक डिगमिंग प्रक्रिया का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता राइस ब्रैन तेल उत्पादन के लिए 10 लाख रू. और एक ट्राफी सहित राष्ट्रीय पुरस्कार - 2009 प्राप्त किया।

MoUs with Foreign Institutions

TDB has signed MoUs with select foreign institutions, namely, Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

Job Opportunity

TDB has added value by creating new job opportunities through implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by ongoing enterprises.

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2009 celebrated on 11th May 2009 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as the Chief Guest. The technology Day Lecture was delivered by Dr. M.K. Bhan, Secretary, Department of Biotechnology. Shri Kiran Karnik graced the occasion as the Guest of Honor and delivered a Lecture on 'Technology for Rural Development'.

In view of guidelines from the Election Commission, the Board postponed the Award Ceremony for the year 2009-10 and decided to present the National Award & awards for SSI Unit -2009 to the following award winners on next Technology Day i.e. 11th May, 2010.

National Award- 2009 for successful commercialization of Indigenous Technology

(i) **M/s A.P. Organic Pvt. Ltd.**, District Sangrur, Dhuri, (Punjab) for producing High Quality Rice Bran Oil by employing enzymatic degumming process developed by IICT, Hyderabad. The company along with their technology provider i.e. IICT received a cash Award of ₹ 10.00 lakh each and a Trophy.

स्वदेशी प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों के सफल वाणिज्यिकरण के लिए एस एस आई इकाई हेतु पुरस्कार - 2009 :

(i) **मैसर्स कस्टमाइज्ड टेक्नोलोजिज (प्रा.) लिमिटेड बैंगलौर** ने सी एम ओ एस डिजिटल कैमरा और रैपिड सी ए डी सहित रैपिड I: एक उच्च रेजोल्यूशन नॉन - कान्टेक्ट विज़न इस्पैक्शन सिस्टम का विकास और वाणिज्यीकरण करने के लिए 2 लाख रू. और एक ट्राफी सहित एस एस आई इकाई हेतु पुरस्कार प्राप्त किया।

(ii) **मैसर्स सुरभी बायोमेडिकल इस्ट्रूमेन्टेशन (इंडिया) प्रा. लिमिटेड** कोयम्बटूर (तमिलनाडु) ने "ऐथिरोली टाइनी 16 ए" ब्राँड के नाम से केवल 2 लाख रू. में 16 पैनल आर्किटेक्चर में कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड स्कैनर का अभिकल्पन और विकास करने के लिए 2 लाख रू. और एक ट्राफी सहित एस एस आई यूनिट पुरस्कार प्राप्त किया।

बोर्ड के सदस्य

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड पदेन सदस्यों के रूप में श्री एम. नटराजन, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एवं सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन विभाग (डी आर डी ओ) द्वारा 31.08.2009 तक और डा. अजय शंकर, सचिव, उद्योग नीति एवं प्रोन्नयन विभाग द्वारा 31.12.2009 तक तथा डॉ. रीता शर्मा, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा दिनांक 31.01.2010 तक दी गई उनकी मूल्यांकन सेवाओं के लिए आभार प्रकट करता है।

श्री वी. के. सारस्वत, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एवं सचिव रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन विभाग (डी आर डी ओ), श्री आर. पी. सिंह, सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग और श्री बी. के. सिन्हा, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग को क्रमशः 1 सितम्बर, 2009 : 1 जनवरी, 2010 और 3 फरवरी, 2010 से पदेन सदस्य के रूप में नामित किया गया।

श्री एन. श्रीनिवासन, भूतपूर्व महानिदेशक और वर्तमान में वरिष्ठ सलाहकार, मैसर्स भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई), नई दिल्ली; डॉ. किरण मजूमदार शॉ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स बायोकॉन लिमिटेड, बैंगलौर और श्री सतीश के कौरा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स सैमटेल कलर लि., नई दिल्ली ने भी वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009 - 10 में बोर्ड के सदस्यों के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया है।

डॉ. साइरस एस पूनावाला, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स सिरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड, पुणे ; श्री रवि पंडित, अध्यक्ष, मैसर्स के पी आई टी क्यूमिन्स इफोसिस्टम लि. पुणे और डॉ. वेणु

Awards for SSI Unit – 2009 for successful commercialization of indigenous technology based product to:

(i) **M/s Customised Technologies (P) Ltd., Bangalore** for Developing & Commercializing Rapid I: a High Resolution Non-Contact Vision Inspection System with CMOS Digital Camera and Rapid CAD, received a cash Award of ₹ 2.00 lakh and a trophy.

(ii) **M/s Surabi Biomedical Instrumentation (India) Pvt. Ltd.**, Coimbatore (Tamilnadu) for Designing & Developing Color Doppler Ultrasound Scanner in16 Channel architecture, just in ₹ 2 lakh with the Brand name "Ethiroli Tiny 16a" received a cash Award of ₹ 2.00 lakh and a trophy.

Board Members

The Board places on record the valuable services rendered by Sh. M. Natarajan, Scientific Advisor to Raksha Mantri and Secretary, Department of Defence Research and Development Organisation (DRDO) upto 31.08.2009, Dr. Ajay Shankar, Secretary, Department of Industry Policy & Promotion upto 31.12.2009 and Dr. Rita Sharma, Secretary, Department of Rural Development upto 31.01.2010 as Ex-officio Members of the Technology Development Board.

Sh. V.K. Saraswat, Scientific Advisor to Raksha Mantri and Secretary, Department of Defence Research and Development Organisation (DRDO), Sh. R.P. Singh, Secretary, Department of Industry Policy & Promotion and Sh. B.K. Sinha, Secretary, Department of Rural Development have been nominated as Ex- officio members of Board w.e.f. 1st September, 2009; 1st January, 2010 and 3rd February, 2010 respectively.

Sh. N. Srinivasan, Former Director General and currently Senior Advisor, M/s Confederation of Indian Industry (CII), New Delhi; Dr. Kiran Mazumdar-Shaw, Chairman and Managing Director, M/s Biocon Limited, Bangalore and Shri Satish K. Kaura, Chairman and Managing Director, M/s Samtel Color Limited, New Delhi had also completed their tenure as members of the Board in the current financial year 2009-10.

Dr. Cyrus S. Poonawalla, Chairman and Managing Director, M/s Serum Institute of India Ltd., Pune; Sh. Ravi Pandit, Chairman, M/s KPIT Cummins Infosystems

श्रीनिवासन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मैसर्स टी वी एस मोटर कम्पनी लि., चेन्नई को इनके स्थान पर बोर्ड के नए सदस्यों के रूप में नामित किया गया है।

आभार

बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को टी डी बी के लिए उनके अधिकारियों की सेवाएं प्रदान करने के लिए अपना आभार प्रकट करता है।

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः

Ltd, Pune and Dr. Venu Srinivasan, Chairman & Managing Director, M/s TVS Motor Company Ltd., Chennai have been appointed as members of the Board in their place.

Acknowledgement

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers for TDB.

(Dr. T. Ramasami)
Chairperson
Technology Development Board

Place: New Delhi
Date:

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन

(31 मार्च, 2010)

1.	डॉ. टी रामासामी सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. समीर ब्रह्मचारी सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (अतिरिक्त प्रबार)	पदेन सदस्य
3.	श्री वी.के. सारस्वत सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग	पदेन सदस्य
4.	श्रीमती सुषमा नाथ सचिव, व्यय विभाग	पदेन सदस्य
5.	श्री आर. पी. सिंह सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग	पदेन सदस्य
6.	श्री भी. के. सिन्हा सचिव, ग्रामीण विकास विभाग	पदेन सदस्य
7.	श्री सुभोध भार्गव अध्यक्ष, विदेश संचार निगम लिमिटेड (वीएसएनएल)	सदस्य
8.	डा. वेणु श्रीनिवासन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स टी वी एस मोटर कम्पनी लिमिटेड	सदस्य
9.	श्री रवि पंडित अध्यक्ष, मैसर्स के पी आई टी क्यूमिंस इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड	सदस्य
10.	डॉ. साइरस एस. पूनावाला अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स सिरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड	सदस्य
11.	श्री दिनेश चन्द्र शर्मा सचिव प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	पदेन सदस्य

Composition Of The Technology Development Board

(31st March 2010)

1. Dr. T. Ramasami — ex-officio Chairperson
   Secretary, Department of Science & Technology

2. Dr. Samir Brahmachari — ex-officio Member
   Secretary, Department of Scientific
   & Industrial Research (Additional Charge)

3. Shri V.K. Saraswat — ex-officio Member
   Secretary, Department of Defence Research & Development

4. Smt. Sushama Nath — ex-officio Member
   Secretary, Department of Expenditure

5. Shri R.P. Singh — ex-officio Member
   Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion

6. Sh. B.K. Sinha — ex-officio Member
   Secretary, Department of Rural Development

7. Shri Subodh Bhargava — Member
   Chairman, Videsh Sanchar Nigam Limited (VSNL)

8. Dr. Venu Srinivasan — Member
   Chairman & Managing Director, M/s TVS Motor Company Ltd.

9. Sh. Ravi Pandit — Member
   Chairman, M/s KPIT Cummins Infosystems Ltd.

10. Dr. Cyrus S. Poonawalla — Member
    Chairman & Managing Director, M/s Serum Institute of India Ltd.

11. Shri Harkesh Mittal — ex-officio Member
    Secretary, Technology Development Board

Photographs of the Board Members

बोर्ड सदस्यों की फोटोग्राफ

(as on 31st March 2010)

Dr. T. Ramasami, Chairperson
डॉ. टी. रामासामी, अध्यक्ष

Dr. Samir Brahmachari
डॉ. समीर ब्रह्मचारी

Dr. V.K. Saraswat
श्री वी. के. सारस्वत

Smt. Sushma Nath
श्रीमती सुषमा नाथ

Shri R. P. Singh
श्री आर. पी. सिंह

Shri B. K. Sinha
श्री बी. के. सिन्हा

Shri Subodh Bhargava
श्री सुबोध भार्गव

Dr. Venu Srinivasan
डॉ. वेनु श्रीनिवासन

Shri Ravi Pandit
श्री रवि पंण्डित

Dr. Cyrus S. Poonawalla
डॉ सायरस एस. पूनावाला

Shri Dinesh Chand Sharma
श्री दिनेश चन्द शर्मा

प्रस्तावना

व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए विकास को प्रोन्नत करने और सभी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का गठन किया।

टी डी बी प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के तहत सृजित प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोष को शासित करता है, कोष भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम भी टी डी बी को किसी अन्य स्त्रोत से टी डी बी द्वारा प्राप्त सभी धनराशियों को कोष के खाते में डालते हुए कोष से प्रदान धनराशियों से की गयी वसूलियों और कोष की धनराशि के निवेश से किसी आय द्वारा निधि बनाने का अधिकार देता है वित्त अधिनियम, 1999 आयकर के प्रयोजनार्थ कोष के लिए दिये गये दानों हेतु पूर्ण कटौतियों का अधिकार देता है।

भारत सरकार टी डी बी को अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 (1995 में यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत औद्योगिक कंपनियों से किये गये उपकर समाहरणों में से निधियां मुहैया कराती हैं वर्ष 1996 से 2010 के दौरान उपकर समाहरण 2261.80 करोड़ रूपए का हुआ था और इसी अवधि के दौरान टी डी बी ने उपकर समाहरणों में से अनुदान के रूप में 501.42 (22.17 %) करोड़ रूपए प्राप्त किए थे।

टी डी बी वित्तीय सहायता देने के लिए पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता रहता है। टी डी बी को औद्योगिक कंपनियों के लिए ऋण सहायता मुहैया कराने का अधिदेश प्राप्त है। ऋण के लिए 5 प्रतिशत प्रति वर्ष का सरल ब्याज होता है (13 मई, 2002 से प्रभावी)। ऋण के अनुमोदन होने के दौरान टी डी बी की परियोजनाओं के तहत उत्पादन की बिक्री होने पर रॉयल्टी का भी भुगतान करना होता है। टी डी बी आवेदकों से प्रशासनिक, संसाधन अथवा वचनबद्धता प्रबार वसूल नहीं करता। टी डी बी किश्तों में ऋण धनराशि मुहैया कराता है जो ऋण करार की शर्तों और निबन्धनों के अनुसार - सम्बद्ध मानकों से जुड़े होते हैं। कुछ मामलों में टी डी बी सहायता प्रदत्त औद्योगिक कंपनियों के निदेशक बोर्ड में निदेशक (कों) को नामित कर सकता है। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अवधि साधारणतया तीन वर्षों से अधिक नहीं होती है।

ऋण की मात्रा सामान्यतः स्वीकृत परियोजना लागत के 50 % तक सीमित है। ऋण और ब्याज को ऋणाधारों और गारंटियों के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है।

ऋण वापसी और ब्याज भुगतान परियोजना पूरी होने के एक वर्ष के पश्चात आरंभ होता है और तत्पश्चात पूरी ऋण धनराशि साढ़े चार वर्षों में वसूलीयोग्य होती है। पहली किस्त के पुनः भुगतान

Introduction

To promote development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to build up Fund by crediting all sums received by TDB from any other source, recoveries made of the amounts granted from the Fund, and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India provides funds to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986 (as amended in 1995). During the years 1996-2010, the Cess collections were ₹ 2261.80 crore and during the same period, TDB has received ₹ 501.42 crore (22.17 %) as grants out of the Cess collections.

TDB receives applications seeking financial assistance throughout the year. The TDB mandate provides for loan assistance to the industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum (w.e.f. 13th May 2002). Royalty would also be payable on sale of products under TDB project during the concurrency of loan. TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants. TDB provides the loan amount in instalments that are linked to implementation associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. The implementation period of a project should generally not exceed three years.

The quantum of loan is, normally, limited upto 50 percent of the approved project cost for the expenditure to be incurred for completion of project. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees.

Normally, the repayment of the loan and payment of interest commences after the project is completed and moratorium period not exceeding one year. The loan

(वापसी) तक ही संचयी ब्याज की धनराशि को तीन वर्ष की अवधि में बांट दिया जाना चाहिए।

टी डी बी स्वदेशी रूप से प्रौद्योगिकी को विकसित करने में लगे औद्योगिक कंपनियों और आर एण्ड डी संस्थानों को अनुदानों और/ अथवा ऋणों के रूप में भी वित्तीय सहायता मुहैया कराता है। अनुदानों की स्वीकृति का निर्णय टी डी बी बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे विशेष मामलों में ही मुहैया किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं को इनके द्वारा प्राप्त रॉयल्टी में से टी डी बी को (अनुदान के समतुल्य) अथवा सहभागी एजेंसियों द्वारा किये गये निवेशों के लाभांश में से आनुपातिक रूप में टी डी बी को भुगतान करना अपेक्षित होता है।

टी डी बी किसी औद्योगिक कंपनी (कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन) में इसके आरंभ होने, चलाने और/ अथवा टी डी बी द्वारा अपेक्षाओं के यथा मूल्यांकित किये गये अनुसार और संवृद्धि स्तरों पर ऋण - इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान कर सकता है। इक्विटी अंशदान टी डी बी के पूरे बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह स्वीकृत परियोजना का 25 प्रतिशत तक होता है बशर्ते यह प्रोत्साहकों द्वारा चुकता पूंजी से अधिक न हो। औद्योगिक कंपनी को टी डी बी द्वारा अंशदान की धनराशि के समतुल्य पर टी डी बी को अपने शेयर प्रमाण पत्र जारी करने होंगे। अंशदान पूर्व स्थितियों में यह शामिल होगा कि प्रोत्साहकों को अंशदान होना चाहिए और अपने हिस्से की शेयर पूंजी को पूर्ण रूप से चुकता किया जाना चाहिए। प्रोत्साहकों की यह वचनबद्धता होनी चाहिए कि वह अपने शेयरों को टी डी बी को ऐसी कंपनियों के निदेशक मंडल में अपने निदेशकों को नामित निदेशक के रूप में रखने का अधिकार हैं टी डी बी का यह विवेकाधिकार है कि वह (इक्विटी पूंजी) विनियमनों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परियोजना पूरी हो जाने के तीन वर्षों के पश्चात अथवा अंशदान की तिथि से पांच वर्षों के पश्चात कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंग्स को समाप्त कर सकती है। तथापि, शेयरों को वापस लेने का पहला विकल्प प्रोत्साहकों के पास रहेगा।

टी डी बी, औद्योगिक कंपनियों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी के प्रतिस्थापन पर विचार नहीं करता जिन्होंने इस प्रकार का ऋण अन्य संस्थानों से लिया है।

वर्ष 2009 - 10 के दौरान बोर्ड ने दो बैठकों अर्थात् 30 सितम्बर, 2009 को (43 वीं) तथा 17 मार्च, 2010 को (44 वीं) बैठक को सम्पन्न किया।

बोर्ड प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के पदेन सदस्यों के रूप में श्री एम नटराजन, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एवं सचिव, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी आर डी ओ) विभाग, डा. अजय शंकर, सचिव, उद्योग नीति एवं प्रोन्नयन विभाग तथा डा. रीता शर्मा, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के प्रति आभार प्रकट करता है।

amount is generally recoverable in nine, half yearly installments thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years.

TDB may also provide financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technologies. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is provided in exceptional cases having importance towards fulfilling national interest. The recipient may be required to pay TDB (equivalent to grant) royalty received by it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio. The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 percent of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern is to issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of such companies. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. However, the first option to buy back the shares is given to the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finances from other institutions.

During the year 2009-10, the Board held 2 meetings i.e. on 30th September, 2009 (43rd), and on 17th March, 2010 (44th).

The Board places on record the valuable services rendered by Sh. M. Natarajan, Scientific Advisor to Raksha Mantri and Secretary, Department of Defence Research and Development Organisation (DRDO), Dr. Ajay Shanka, Secretary, Department of Industry Policy & Promotion and Dr. Rita Sharma, Secretary, Department of Rural Development as Ex-officio Members of the Technology Development Board.

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2009 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह - 2009 मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे अब्दुल कलाम ने इस समारोह की अध्यक्षता की।

वैज्ञानिक समुदाय को सम्बोधित करते हुए डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा कि यह दिन हमें नवीनता को प्रोत्साहित करने और उद्योगों को उत्कृष्ट उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी प्रवाह को पोषित करने में जटिल प्रौद्योगिकियों में आत्म - स्वालम्बन प्राप्त करने के लिए निरंतर हमारे संघर्ष की याद दिलाता है ताकि हमारे देश को एक प्रतिस्पर्धात्मक आधार मिले और एक विकसित भारत का सपना साकार हो सके। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक इंडेक्स (जी सी आई) और नवोन्मेष इंडेक्स (II) दो ऐसे पैरामीटर है जो कि विश्व के देशों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में श्रेणीकृत करते हैं भारत का जी सी आई में 48 वां और नवोन्मेष इंडेक्स II में 23 वां रैंक है। भारत इन रैंकों में, आई. टी. उपभोक्ता मदों, स्वास्थ्य, चुनाव पद्धति, न्यूक्लियर विज्ञान और अन्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों, स्थानीय संसाधन प्रबंधन के माध्यम से ग्रामीण परिवर्तन, भारतीय उच्च शिक्षा - पद्धति इत्यादि क्षेत्रों में नवोन्मेष के वातावरण के सशक्तीकरण के द्वारा वृद्धि कर सकता हैं। इसे संयुक्त उद्यम आर एंड डी मिशन, इनोवेशन फंड - इनक्यूवेशन और इंटरप्रेनाशिप विकास द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

डा. एम. के भान, सचिव जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। श्री किरण कार्निक ने मानद अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकी पर अपना व्याख्यान दिया।

निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड ने वर्ष 2009 - 10 के लिए पुरस्कार समारोह को स्थगित कर दिया और अगले प्रौद्योगिकी दिवस अर्थात 11 मई, 2010 को पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पुरस्कार - 2009 और एस एस आई इकाई हेतु पुरस्कार - 2009 प्रदान करने का निर्णय लिया।

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने औद्योगिक संगठन के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार को शुरू किया है। इस पुरस्कार के दो घटक हैः (i) उन औद्योगिक संगठनों के लिए जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफल वाणिज्यीकरण किया है और (ii) इन प्रौद्योगिकी के विकासकर्ताओं/ प्रदाताओं के लिए। इसके प्रत्येक घटक में दस लाख रूपये का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी प्रदान की जाती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे।

Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2009 celebrated on 11th May 2009 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as the Chief Guest.

Addressing the Scientific community, Dr. A.P.J. Abdul Kalam said that this day reminds us of our constant strive to achieve self reliance in critical technologies, to encourage innovations and to nurture technology flow to the industry for product excellence, so that our nation gains a competitive edge, ultimately leading to the realization of our cherished vision of a developed India. He mentioned that the Global Competitiveness Index (GCI) and Innovation Index (II) are two parameters which rank the countries of the world in terms of Science & Technology. India ranks 48 in GCI and 23 in II. We can improve these ranks by empowering the innovation ecosystem in the areas of IT, consumer items, healthcare, election system, nuclear science and other science & technology fields, rural transformation through local resource management, Indian higher education system etc. This can be achieved by joint venture R&D Missions, innovation fund, incubation and entrepreneurship development.

The Technology Day Lecture was delivered by Dr. M.K. Bhan, Secretary, Department of Biotechnology. Shri Kiran Karnik graced the occasion as the Guest of Honor and delivered a Lecture on 'Technology for Rural Development'.

In view of guidelines from the Election Commission, the Board postponed the Award Ceremony for the year 2009-10 and decided to present the National Award & SSI awards for 2009 to the award winners on next Technology Day i.e. 11th May, 2010.

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/ provider of such technology. Each component carries a cash award of ten lakh rupees and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999.

एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टी डी बी ने प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद को सफलतापूर्वक वाणिज्यीकृत करने वाली लघु/ उद्योग इकाई के लिए एक ट्राफी और 2 लाख रूपये के नकद पुरस्कार को शुरू किया था।

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of ₹ 2 lakh and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001.

वर्ष 2009-10 में परियोजनाएं और उत्पाद

वर्ष 2009 - 10 में स्वीकृति

वर्ष 2009 - 10 के दौरान टी डी बी ने 78.32 करोड़ रूपये की प्रतिबद्धता और 215.33 करोड़ रू. के कुल परियोजना परिव्यय के साथ सीड सहायता हेतु प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स के साथ 5 करारों सहित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के साथ 17 अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए।

वर्ष 2009 - 10 में संवितरण

वर्ष 2009 - 10 के दौरान टी डी बी ने चालू और नई परियोजनाओं के लिए 55.04 करोड़ रू. संवितरित किए है। इसमें औद्योगिक इकाइयों के लिए ऋण के रूप में 41.45 करोड़ रूपए, औद्योगिक इकाई एवं प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स के लिए अनुदान के रूप में 9.80 करोड़ रूपए तथा निवेश हेतु उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) के लिए 3.79 करोड़ रूपए शामिल है।

क्षेत्रवार कवरेज

टी डी बी ने इस बात को पूरा अनुभव करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओ को सहायता दी है कि सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण दक्षता के विकास के लिए प्रौद्योगिकी अति अनिवार्य है। निम्नलिखित सारणी टी डी बी द्वारा 2009 - 10 के दौरान संपन्न करारों के क्षेत्रवार कवरेज को दर्शाती है:-

Projects And Products In 2009-10

Sanctions in 2009-10

During the year 2009-10, TDB signed 17 agreements with various industrial concerns including 5 agreements with Technology Business Incubators for Seed Support with a commitment of ₹ 78.32 crore and a total project outlay of ₹ 215.33 crore.

Disbursements in 2009-10

During the year 2009-10, TDB disbursed ₹ 55.04 crore towards on-going and new projects. This included ₹ 41.45 crore as loan to industrial concerns, ₹ 9.80 crore as grant to an industrial concern and Technology Business Incubators and ₹ 3.79 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

Sector-wise Coverage

TDB provides support to projects in various sectors fully recognizing that technology is the key to develop core competency in all sectors. The table below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2009-10.

क्षेत्रवार कवरेज

(करोड़ रू. में)

क्र. सं.	सैक्टर	करारों की संख्या	कुल कीमत	टीडीबी की बचनबद्धता
1.	स्वास्थ्य और चिकित्सा	2	40.96	18.20
2.	इंजीनियरिंग	5	109.76	36.30
3.	सूचना प्रौद्योगिकी	2	21.33	6.37
4.	रसायन	1	16.89	4.95
5.	कृषि	2	21.39	7.50
6.	अन्य एजेंसियां			
	क) एस टी ई पी/टी बी आई	5	5.00	5.00
	कुल	**17**	**215.33**	**78.32**

करारों का राज्य - वार वितरण

2009 - 10 के दौरान टी डी बी द्वारा सहायता का विस्तार ग्यारह राज्यों में हुआ।

वर्ष 2009 - 10 के दौरान टी डी बी द्वारा हस्ताक्षर किए गए 17 अनुबंधों का राज्यवार वितरण को दर्शाने वाली सारणी

Sector-wise Coverage

(₹ in crore)

	Sector	Number of Agreements	Total Cost	Sanctioned by TDB
1.	Health & Medical	2	40.96	18.20
2.	Engineering	5	109.76	36.30
3.	Information Technology	2	21.33	6.37
4.	Chemical	1	16.89	4.95
5.	Agriculture	2	21.39	7.50
6.	Other Agencies			
	a) STEP/TBIs	5	5.00	5.00
	Total	**17**	**215.33**	**78.32**

State-wise Distribution of Agreements

During 2009-10, the assistance by TDB is spread over eleven states.

The table below indicates State-wise distribution of the 17 agreements signed by TDB during 2009-10.

अनुबंधों का राज्य - वार वितरण

(करोड़ रू. में)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	करारों की संख्या	कुल कीमत	टीडीबी की बचनबद्धता
1.	आन्ध्र प्रदेश	2	87.92	28.50
2.	दिल्ली	1	13.45	4.80
3.	गुजरात	2	26.18	11.90
4.	हरियाणा	1	13.95	4.95
5.	कर्नाटक	3	23.67	10.15
6.	केरल	1	1.00	1.00
7.	मध्य प्रदेश	1	16.89	4.95
8.	महाराष्ट्र	2	14.79	4.99
9.	मणिपुर	1	7.94	2.70
10.	तमिलनाडू	2	8.54	3.38
11.	उत्तर प्रदेश	1	1.00	1.00
	कुल	**17**	**215.33**	**78.32**

प्रौद्यागिकी प्रदानकर्त्ता

टी डी बी औद्योगिक इकाइयों को प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण के लिए इस बात को नजरअंदाज करते हुए कि उद्योग की प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय संस्थान द्वारा अथवा स्वदेशी आर एंड डी यूनिट द्वारा विकसित की गई है, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। यदि परियोजना सूचना एवं प्रौद्योगिकी से सम्बंधित होती है तो प्रौद्योगिकी सामान्यतया सम्बंधित उद्योग द्वारा ही विकसित की गई होती है। वर्ष 2009 - 10 में प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ताओं द्वारा हस्ताक्षर किए गए अनुबंधों को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है:

State-wise Distribution of Agreements

(₹ in crore)

S. No.	State/Union Territory	Number of Agreements	Total Cost	TDB Commitment
1.	Andhra Pradesh	2	87.92	28.50
2.	Delhi	1	13.45	4.80
3.	Gujarat	2	26.18	11.90
4.	Haryana	1	13.95	4.95
5.	Karnataka	3	23.67	10.15
6.	Kerala	1	1.00	1.00
7.	Madhya Pradesh	1	16.89	4.95
8.	Maharashtra	2	14.79	4.99
9.	Manipur	1	7.94	2.70
10.	Tamil Nadu	2	8.54	3.38
11.	Uttar Pradesh	1	1.00	1.00
	Total	**17**	**215.33**	**78.32**

Technology Providers

TDB provides financial assistance to industrial concerns for commercialization of technologies irrespective of the fact whether the technology has been developed by the national institution or in-house R&D unit of the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology may generally be developed by the industrial concerns enterprises themselves. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2009-10 are indicated in the following table:

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ता

(करोड़ रू. में)

प्रौद्योगिक प्रदानकर्त्ता	संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिट	10	174.47	57.12
राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं	2	35.86	16.20
अन्य	5	5.00	5.00
कुल		**215.33**	**78.32**

वर्ष 2009 - 10 में पूरे किए गए समझौते

वर्ष 2009 - 10 के दौरान टी डी बी ने मूल सहायता के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति पार्क (एस टी ई पी)/ टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) के साथ 5 समझौतों सहित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के साथ 17 समझौतों पर हस्तार किए। इनका ब्यौरा इस प्रकार हैः-

1. शाहजानंद लेजर टेक्नोलॉजी लिमिटेड, गांधी नगर, गुजरात

मैसर्स शाहजानंद लेजर टेक्नोलॉजी लिमिटेड (एस एल टी एल), गांधी नगर, गुजरात को प्रौद्योगिकी विकास पर आधारित "फाइबर लेजर कटिंग प्रणाली के वाणिज्यीकरण" के लिए एक सुविधा स्थापित करने तथा समूह कंपनी के नाम पर पेटेन्ट दायर करने के लिए टी डी बी द्वारा सहायता दी गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य मुख्य प्रमोटर द्वारा काटने की उच्च गति, बेहतर कुशलता (उसी लेजर शक्ति से अधिक मोटाई काटना) तथा सी ओ 2 एल ए एस ई आर की तुलना में किसी भी धातु द्वारा बेहतर अवचूषण की तिगुनी प्रभावशीलता के लिए स्वदेशी रूप से विकसित नवोन्मेषक प्रक्रिया पर आधारित धातु प्रसंस्करण के लिए 1, 2 तथा 3 (के डब्ल्यू) की फाइबर लेजर कटिंग प्रणाली के उत्पादन हेतु एक विनिर्माण सुविधा स्थापित करना है। अतः इसका प्रयोग लागत प्रभावी तरीके से प्रतिस्पर्धात्मक माप के साथ गुणवत्ता वाली कटिंग के लिए किया जा सकता है। कंपनी की सात प्रदर्शन इकाइयों के निर्माण एवं शुरूआत करने की योजना है। ये इकाइयां मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद में स्थित होंगी। इस

Technology Providers

providers in respect of agreements signed during the year 2008-09 are indicated in the following table:

(₹ in crore)

Technology Providers	Number	Total Cost	Sanctioned by TDB
In-house R&D units	10	174.47	57.12
National Laboratories	2	35.86	16.20
Others	5	5.00	5.00
Total		**215.33**	**78.32**

Agreements concluded in 2009-10

During the year 2009-10, TDB signed 17 agreements with various industrial concerns including 5 agreements with Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) / Technology Business Incubators (TBIs) for Seed Support; the details are given below:-

1. Sahajanand LASER Technology Limited, Gandhi Nagar, Gujarat

M/s Sahajanand LASER Technology Limited (SLTL), Gandhinagar, Gujarat, was provided loan assistance by TDB for setting up a facility for "Commercialization of Fiber LASER Cutting System" based on technology development and protected by filing a patent in the name of the group company. The project aims at setting up a manufacturing facility for the production of Fiber LASER Cutting System of 1, 2 and 3 KW power for metal processing based on an innovative process developed indigenously by the main promoter for higher cutting speed, better efficiency (higher thickness cutting at same LASER power)and three times more efficiency resulting in better absorption by any metal compared to CO_2 LASER. Thus, it can be used for quality cutting in a cost effective manner with competitive specifications. The Company is planning to build and commission seven demonstration units

प्रणाली का विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग किया जा सकता है जिसमें आटोमोबाइल, इलैक्ट्रोनिक्स, इंजीनियरिंग, पोत निर्माण रक्षा तथा विमानन, पोट्रोरसायन उपस्कर, भस तथा रेल कोच निर्माण आदि।

श्री दिनेशभाई एल पटेल, निदेशक, मेसर्स शाहजानंद लेजर टेक्नोलॉजी लिमिटेड, गांधीनगर, गुजरात के साथ ऋण समझौते का आदान - प्रदान ।

टी डी बी ने 2314 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत में से 1 मई, 2009 को हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत 1040 लाख रूपये की ऋण सहायता स्वीकृत की। यह परियोजना 30 जून, 2010 को पूर्ण होगी।

2. रोटोफिल्ट इंजीनियर्स लिमिटेड, अहमदाबाद

मैसर्स रोटोफिल्ट इंजीनियर्स लिमिटेड, अहमदाबाद ने प्रोडक्शन ऑफ वर्टिकल प्रेशर फिल्टर (होरीजोन्टल प्लेट्स) पर एक परियोजना के लिए ऋण सहायता का आग्रह किया। प्रेशर फिल्टर का ठोस/ द्रव के पृथक करने के लिए किया जाता है। जिनका उपयोग खनिज प्रसंस्करण, खनन, विशेष रसायनों, भेषज रासायनिक उद्योगों, खाद्य प्रसंस्करण, रिफाइनरी आदि में किया जाता है। परियोजना की अवधि 12 माह है।

कंपनी का विचार प्रत्येक वर्ष 10 वर्टिकल प्रेशर फिल्टर का उत्पादन करने हेतु सुविधा स्थापित करने का है। इस परियोजना का कार्यान्वयन अहमदाबाद में कंपनी के विद्यमान परिसर में किया

one each in Mumbai, Delhi, Kolkata, Chennai, Ahmedabad, Pune and Hyderabad. The system can be used in variety of applications including automobiles, electronics, engineering, ship building, Defence & aviation, petrochemical equipments, bus & rail coach making etc.

Exchanging the Loan Agreement with Shri Dineshbhai L. Patel, Director, M/s Sahajanand Laser Technology Limited, Gandhinagar, Gujarat.

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 1040.00 lakh under an agreement signed on 1st May, 2009 out of a total project cost of ₹ 2314.00 lakh. The project is due for completion by 30th June, 2010.

2. Rotofilt Engineers Limited, Ahmedabad

M/s Rotofilt Engineers Limited, Ahmedabad approached TDB for loan assistance for a project on 'Production of Vertical Pressure Filter (Horizontal Plates)'. The Pressure Filter is used for separation of solid/ liquid for use in Mineral Processing, Mining, Specialty Chemicals, Pharmaceutical, Chemical Industries, Food Processing, Refineries, etc. The duration of the project is 12 months.

The company proposes to set up a facility to manufacture 10 vertical pressure filters per year. The project will be implemented at the existing premises of

जाएगा। वर्टिकल प्रेशर फिल्टर के उत्पादन में प्रयोग किए जाने वाले घटक/ कच्चा माल स्वदेशी है। कंपनी में प्रेशर फिल्टर के नमूने का विकास अपनी अनुसंधान एवं विकास इकाई में किया है। यह प्रेशर फिल्टर लैरोक्स कॉपर्क (फिनलैण्ड); प्रोग्रेस (यूक्रेन) तथा बैथलेहम (यू एस ए) जैसी कंपनियों के उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा।

कुल परियोजना लागत 303.50 लाख रूपये है। टी डी बी ने 26 जून, 2009 के हुए समझौते के अंतर्गत 150 लाख रू. की ऋण सहायता मंजूर की है। यह परियोजना 31 दिसम्बर, 2009 को पूरी होनी है।

3. सोनिक बॉयोकैम एक्सट्रैक्शन लिमिटेड, इंदौर

मेसर्स सोनिक बॉयोकैम एक्सट्रैक्शन लिमिटेड, इंदौर के टी डी बी द्वारा "सोया लैसियिन पॉउडर/ ग्रेन्यूल के विकास एवं वाणिज्यिकरण तथा लिक्विड टेक्सट्रैक्शन द्वारा फास्टफेटडाई - क्लोलाईन - 35 के विकास एवं वाणिज्यीकरण" हेतु एक सुविधा स्थापित करने के लिए ऋण सहायता दी गई है।

इस परियोजना का लक्ष्य यू आई सी टी, मुम्बई के साथ सहयोग में कंपनी द्वारा विकसित एक स्वदेशी प्रक्रिया प्रयोग करते हुए सोयालेसिथिन पॉउडर/ ग्रेन्यूल तथा फोस्फेट डाईक्लोलिन - 35 का उत्पादन करने के लिए एक उत्पाद सुविधा स्थापित करना है। इस प्रक्रिया में 38 प्रतिशत तेल तथा 62 प्रतिशत एसीटोन गैर घुलनशील वाले द्रव्य लेसिथिन को तेल रहित किया जाता है जिससे 97 प्रतिशत एंसिटोन गैर घुलनशील के साथ सेसिथिन पाउडर का उत्पादन होता है और 14 - 16 प्रतिशत वी सी वाले दृश्य लेसीथिन का फ्रैक्शनेशन करके 35 प्रतिशत फॉस्फेट डाईक्लोलाईन वाले लेसीथीन फ्रैंक्शन का उत्पाद किया जाता है। कंपनी ने पिछले 8 सालों में अन्य उत्पादों के साथ - साथ सोयालेसिथिन द्रव्यों, सोया स्टिरोल्स का विकास और वाणिज्यिकरण किया है।

मैसर्स सोनिक बॉयोकैम एक्सट्रेक्शन लिमिटेड, इंदौर (एम पी) के मेनैजिंग डायरेक्टर श्री गिरीश मतलानी के साथ ऋण समझौते का आदान - प्रदान।

the company at Ahmedabad. The components/ raw materials used in the production of the vertical pressure filter are indigenous. The company developed a prototype of the pressure filter at its in-house R&D unit. The pressure filter would compete with the products of companies like, Larox Corp. (Finland), Progress (Ukraine) and Bethlehem (USA).

The total project cost is ₹ 303.50 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 150 lakh under an agreement signed on 26th June 2009. The project is due for completion by 31st December 2009.

3. Sonic Biochem Extraction Limited, Indore

M/s Sonic Biochem Extraction Limited, Indore has been provided loan assistance by TDB for setting up a facility for "Development & Commercialization of Soya Lecithin Powder/Granules and Phosphatidylcholine-35 by Liquid Liquid Extraction".

The project aims at setting up a manufacturing facility for the production of Soya Lecithin Powder/Granules and Phophatidylcholine-35 using an indigenous process developed by the company in association with UICT, Mumbai for deoiling of liquid Lecithin having 38% oil and 62% acetone insoluble, to produce Lecithin powder with 97% acetone insoluble and fractionation of liquid Lecithin having 14-16% PC to produce Lecithin Fraction having 35% Phosphatidylcholine. The company has developed and commercialized soya lecithin liquids, soya sterols along with other products during the last 8 years.

Exchanging the Loan Agreement with Shri Girish Matlani , Managing Director, M/s Sonic Biochem Extraction Limited, Indore (MP)

टी डी बी ने 24 अगस्त, 2009 को 1689.00 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत में से एक समझौते के अंतर्गत 495.00 लाख रूपये की मंजूरी दी है। इस परियोजना के 31 जुलाई, 2010 तक पूरे होने की आशा है।

4. ओरोरा इंटिग्रेटिड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

मैसर्स ओरोरा इंटिग्रेटिड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड ने "इन - लीज़ विकास के आधार पर सैन्य निगरानी के लिए (स्थाई - 1, एम के - 1) छोटे मानवरहित वायुयान (यू ए वी) का विकास एवं वाणिज्यीकरण" पर अपनी परियोजना के लिए ऋण सहायता का अनुरोध किया। इस कंपनी का संवर्धन आई आई टी, कानपुर के तकनीकीविद समूह द्वारा किया जाता है।

इस कंपनी का विचार एयरशिप यू ए वी के 5 प्रोटोटाइप, अर्बन वियू हिन्दी शब्द प्रयोग के 5 प्रोटोटाइप तथा स्काई - 1 एम के - 1 के 5 हिन्दी शब्द का विकास करने तथा परियोजना कार्यान्वयन अवधि के दौरान वाणिज्यिक उत्पादन की प्रक्रिया को मानकीकृत करने का है। कंपनी का प्रस्ताव प्रथम वर्ष (2010 - 11) में 20 अर्बन व्यू तथा 30 स्काई - 1 एम के - 1 उत्पादित करने का है। कंपनी को अपने उपयोक्ताओं अर्थात ट्रैफिक पुलिस से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। टाटा इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कंपनी की 41.67 % इक्विटी प्राप्त करने के लिए 500 लाख रूपये का निवेश किया है।

मैसर्स ओरोरा इंटिग्रेटिड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर के
सी ई ओ श्री रमन पुरी के साथ ऋण समझौता का आदान - प्रदान।

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 495.00 lakh under an agreement signed on 24th August, 2009 out of a total project cost of ₹ 1689.00 lakh. The project is expected to be completed on 31st July, 2010.

4. Aurora Integrated Systems Private Limited, Bangalore

M/s Aurora Integrated Systems Private Limited, Bangalore approached TDB for loan assistance for their project on 'Development and commercialization of small Unmanned Aerial Vehicles (UAVs) for military surveillance (Sky-I Mk-I) and homeland security (Urban Surveillance System - Urban View and Airship)' based on in-lease development. The company is promoted by a group of technocrats from IIT, Kanpur.

The company has proposed to develop 5 prototypes of Urban View UAV, 2 prototypes of Airship UAV and 5 prototypes of Sky-I Mk-I and standardize the production process for commercial production during the project implementation period. The company proposes to produce 20 Nos. of Urban View, 4 Nos. of Airship and 30 Nos. of Sky-I Mk-1 in the first year (2010-11). The company has received positive response from its customers i.e. the traffic police. Tata Industries Ltd. has invested Rs. 500 lakh to acquire 41.67% equity in the company.

Exchanging the Loan Agreement with Shri Raman Puri, CEO,
M/s Aurora Integrated Systems Private Limited, Bangalore

इस परियोजना की कुल लागत 962.77 लाख रूपये है। टी डी बी ने 24 अगस्त, 2009 को हस्ताक्षरित एक समझौते के अंतर्गत 445 लाख रूपये की ऋण सहायता मंजूर की है। इस परियोजना के 30 जून, 2010 तक पूर होने की संभावना है।

5. सूकैम पावर सिस्टम्स लिमिटेड, गुड़गांव

मैसर्स सू कैम पावर सिस्टम लिमिटेड, गुडगांव को "ऑन - लाईन यू पी एस (अनइंटरप्टेड पावर सप्लाई) सिस्टम्स पर आधारित एफ पी सी ए (फील्ड प्रोग्रामेबल गेट एरेज) के वाणिज्यीकरण" पर इसकी परियोजना के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता प्रदान की गई थी।

सू कैम पॉवर इन्वरटरों का भारत में अग्रणी उत्पादक तथा आपूर्तिकर्ता है जिसका इस क्षेत्र में बाजार में सबसे बड़ा हिस्सा है और यह अपनी इन्वरटरों में मॉस फैक्ट और सिग्नल प्रोसेसिंग (डी एस पी) साईन वेव प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करने वाली प्रथम भारतीय कंपनी है। इस कंपनी के उत्पादों को सी ई मार्क तथा यू एल प्रमाण पत्र प्राप्त है जो कि ई यू तथा यू एस में उत्पादों के निर्यात करने के लिए आवश्यक होता है।

कंपनी का प्रस्ताव ऐलिवेटर, एअर कंडिशनर, रेफ्रिज़रेटर, ऑपरेशन थियेटर आदि जैसी अधिक लोड लेने वाले उपकरणों के लिए पहले से ही विकसित 3 - फेज़ आनलाईन यू पी एस सिस्टम (के वी ए - 100 के वी ए) को उन्नत बनाकर देश में पहली बार एफ पी जी ए आधारित ऑन लाईन यू वी एस सिस्टम बनाने के लिए एक सुविधा स्थापित करने का है। विद्यमान 3 - फेज़ आनलाईन यू पी एस सिस्टम में कंपनी द्वारा विकसित फील्ड प्रोग्रामेबल गेट ऐरे (एफ पी सी ए) प्रौद्योगिकी लगाने से उत्पादों के लिए एक पूर्ण डिजिटल नियंत्रण समाधान, नियंत्रण प्रचालनों की क्षमता के साथ तथा सिस्टम में बहु पल्स विड्य मोड्यूलेटिड संकेतों के सृजन से संबंधित निगरानी समय कम हो सकेगी। एफ पी जी ए से ऊर्जा की अलग - अलग अवस्थाओं वाली स्विचिंग डिवाइसों का नियंत्रण भी हो पाएगा। ऐसी प्रणालियां भारतीय बाज़ार में किसी दूसरे प्रति स्पर्धात्मक कंपनी द्वारा उपलब्ध नहीं है और कंपनी इसे उपलब्ध करवाकर उद्योग क्षेत्र में आगे बढ़ जाएगी। इस कंपनी ने एफ पी जी ए संबंधित प्रौद्योगिक विकासों के लिए कई पेटेंट दायर किए हैं।

टी डी बी ने 21.10.2009 के हस्ताक्षरित एक करार के अंतर्गत 1395 लाख रू. के कुल परियोजना लागत में से 495 लाख रू. की ऋण सहायता की मंजूरी दी है। इसके पूर्ण होने की अनुमानित तिथि 31 मई, 2010 है।

6. स्कैनरे टेक्नोलॉजी प्रा. लि., मैसूर

मैसर्स स्कैनरे टैक्नोलॉजी प्रा. लि., मैसूर को "अधिक फ्रीकवैंसी वाले एक्स रे जनरेटर तथा वाइरल

The project cost is ₹ 962.77 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 445 lakh under an agreement signed on 24th August 2009. The project is due for completion by 30th June 2010.

5. Su Kam Power Systems Ltd., Gurgaon

M/s Su-Kam Power Systems Limited, Gurgaon was provided loan assistance by TDB for its project on " Commercialization of FPCA (Field Programmable Gate Arrays) Based on-Line UPS (Uninterrupted Power Supply) Systems".

Su-Kam is India's leading producer and supplier of power inverters with the largest market share in the sector and the first Indian company to use MOSFET and Digital Signal Processing (DSP) Sine Wave Technologies in their inverters. The company's products have the CE Mark & are UL Certified which are required to export the products to EU and US.

The company proposes to set up a facility to produced FPGA based on line UPS systems for the first time in the country by way of upgrading 3-Phase On-Line UPS systems (5KVA-100 KVA) already developed for heavy load applications like elevators, air-conditioners, refrigerators, operation theaters etc. Incorporation of Field Programmable Gate Arrays (FPGA) technology developed by the company in its existing 3-Phase On-Line UPS systems will shorten the monitoring time involved in providing a complete digital control solution for products, together with the capacity to handle control operations and generation of multiple Pulse Width Modulated signals in systems. FPGA will also enable handling of switching devices of multiple power stages. Such systems are currently not available in the Indian market from any competitors and by providing the same the company will gain a technological edge. The company has filed number of patents for FPGA related technology developments.

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 495 lakh out of the total project cost of Rs.1395 lakh under an agreement signed on 21.10.2009. The expected date of completion is 31st May, 2010.

6. Skanray Technologies Pvt. Ltd., Mysore

M/s Skanray Technologies Private Limited, Mysore has been provided loan assistance by TDB for setting up a facility for "Commercialization of High

साइन मानीटर टैक्नोलॉजी के वाणिज्यिकरण" के लिए एक सुविधा स्थापित करने हेतु टी डी बी द्वारा ऋण सहायता दी गई है।

इस परियोजना में एक उच्च फ्रीकवैंसी एक्स रे जनरेटर तथा अधुनातन ई सी जी प्रापण प्रौद्योगिकी, जो कि स्वदेशी रूप से विकसित की गई है और प्रौद्योगिकीकरण शामिल है। कंपनी ने इस प्रौद्योगिकी का विकास अधुनातन सैमी कंडक्टरों के प्रयोग से किया है जिससे एच एफ जनरेटरों की लागत में 60 % की कमी आएगी। कंपनी जन - जन तक सस्ती स्वास्थ्य परिचर्या उपलब्ध कराने के लिए अन्य उत्पादों (ई सी जी, वायरल साईन मानीटर, डी फाईबरी लेर्टस अल्ट्रा साउंड) पर भी कार्य कर रही है। कंपनी का विचार 2 प्लेटफॉर्म से 700 वॉट से 50 के डब्ल्यू के एक्सरे जरनेटरों की पूरी श्रृंखला का विकास करने का है। कंपनी ने एक नवोन्मेषक एक्स - रे शिल्डिंग प्रौद्योगिकी का विकास किया है जोकि शिल्डिंग के अतिशय लीड के प्रयोग के बिना रेडिऐशन के काफी कम स्तर तक कम कर देती है। कंपनी द्वारा विकसित उच्च फ्रीक्वैंसी वाले जनरेटर अत्यंत स्थिर एक्स - रे बनाने में सक्षम है जिसे स्टीकता से नियंत्रित किया जा सकता है और जिससे रोगी को कम डोज़ देने की आवश्यकता होगी। उच्च फ्रीकवेंसी वाले जनरेटरों के मुख्य रूप से भारत में आयात किया जाता है जोकि काफी मंहगा है और प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के लिए पहुंच से बाहर है।

मैसर्स स्कैनरे टैक्नोलॉजी प्रा. लि. मैसूर के
मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विश्व प्रसाद अल्वा ऋण करार का आदान - प्रदान करते हुए

टी डी बी ने 1303.91 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 10 नवम्बर, 2009 को हस्ताक्षरित एक करार के अंतर्गत 470.00 लाख रू. की ऋण सहायता के मंजूरी दी है। इस परियोजना के 31 जुलाई, 2010 के पूरी होने की आशा है।

Frequency X-Ray Generator and Vital Sign Monitor Technology".

The project involves industrialization of a high frequency (HF) X-ray generator and state of the art ECG acquisition technology developed indigenously. The company has developed this technology using state of the art semiconductors which will enable 60 % cost reduction of HF Generators. The company is also working on other products (ECG, Vital sign monitor, defibrillators and Ultrasound) for healthcare with the aim of making health care affordable for the masses. The company is planning to develop the full range of X-ray generators from 700 Watts to 50kW from two platforms. The company has developed an innovative x-ray shielding technology which reduces the radiation to extremely low level without use of excessive lead for shielding. High frequency generators developed by the company are capable of generating very stable X-rays which can be precisely controlled and pulsed for reducing patient dose. High frequency X-ray generators are mostly imported in India which are very expensive and are not affordable for primary health care.

Exchanging the Loan Agreement with Shri Vishwaprasad Alva, Managing Director, M/s Skanray Technologies Pvt. Ltd, Mysore

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 470.00 lakh under an agreement signed on 10th November, 2009 out of a total project cost of ₹ 1303.91 lakh. The project is due for completion by 31st July, 2010.

7. सांख्या टैक्नोलॉजी प्रा. लि. चैन्नई

मैसर्स सांख्या टैक्नोलॉजी प्रा. लि. चेन्नई ने "संख्या टिरेपटर टी एम का प्रयोग करके ऑटोमोटिव इलैक्ट्रानिक्स, कंप्यूटर इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार तथा नैटवर्किंग, कंज्यूमर इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार तथा नेटवर्किंग डिवाइसों के लिए सिस्टम डिजाईन समाधान के विकास एवं वाणिज्यिकरण" पर परियोजना के लिए वित्तीय सहायता हेतु टी डी बी से बात की। इस उत्पाद का उद्देश्य ऑटोमोटिव, कंज्यूमर इलैक्ट्रानिक्स, डिफैंस इलैक्ट्रॉनिक एवं संचार तथा नेटवर्किंग क्षेत्रों के लिए पूर्णतः कार्यात्मक, नान ट्रिवियल उपयोग के लिए तैयार ऐमबेडिड डिजाईन बनाना है। टैरेप्टर की मुख्य विशेषता यह है कि यह यूनिफाईड मॉडल ट्रिवन प्रोसेसर प्रौद्यागिकी पर आधारित है जिसमें डिजाईन के सभी स्वचालित कार्यकलापों के लिए मॉडल को एक डी सैट का प्रयोग करना पड़ता है। जिससे प्रोसेसर के विद्यमान मॉडल की तुलना में प्रतिलिपिकरण और कार्य का दोहरीकरण समाप्त हो जाता है।

टैरेप्टर उपकरणों (टेरेप्टर डिजाईनर, टैरेप्टर, प्लेयर और टैरेप्टर चैनल) में प्रोसेसर के एक ही डिक्लरेटिव आरकिटैक्चर मॉडल का प्रयोग होता है, जिससे आज उद्योग में प्रचलित बहुत अभिकल्पन फ्लो की तुलना में सिंथेसिस के लिए हार्डवेयर (आर टी एल) मॉडलों के सृजन के साथ - साथ व्यवहारिक सिम्लेशन हेतु ऑरकिटैक्चरल मॉडल दोनों के सर्जन के लिए एक ही डिजाईन फ्लो की आवश्यकता पड़ती है। सभी उपकरण सांख्या द्वारा पेटेंट कि गई डायनैमिकली टॉरगेटेबल टूल्स फ्रेमवर्क (डी टी टी एफ) प्रौद्योगिकी पर आधारित है। यह प्रणाली समय बचाती है और प्रणाली के अभिकल्पन की लागत को कम करती है। उपभोक्ता इलैक्ट्रॉनिक्स, रक्षा इलैक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव तथा ऐमबेडिड सिस्टम का प्रयोग करने वाली अन्य उद्योगों को टैरेप्टर की इस खास विशेषता से लाभ मिलेगा।

मैसर्स सांख्या टैक्नोलोजीज़ प्राइवेट लिमिटेड, चैन्नई के
प्रबंध निदेशक, श्री गोपीकुमार बुलूसू के साथ ऋण करार का आदान - प्रदान

7. Sankhya Technologies Private Ltd., Chennai

M/s. Sankhya Technologies Private Ltd., Chennai approached TDB for financial assistance for the project on "Development and Commercialization of System Design Solution for Automotive Electronics, Consumer Electronics and Communication and Networking Devices using Sankhya TeraptorTM". The product is intended to create fully functional, non-trivial, ready to use embedded designs for automotive, consumer electronics, defence electronics & communication and networking sectors. The specific feature of Teraptor is that it is based on Unified Model Driven processor technology in which a single set of models is used for all the design automation activities eliminating redundancy and duplication of work as compared to the existing model of a processor.

The Teraptor tools (Teraptor Designer, Teraptor Player and Teraptor Channels) share a single declarative architectural model of the processor, allowing a single design flow to create both an architectural model for behavioral simulation as well as the creation of hardware (RTL) models for synthesis, as compared to the multiple design flows common in the industry today. All the tools are based on Sankhya's patented Dynamically Targetable Tools Framework (DTTF) technology. The system saves time and reduces the cost of designing the system. The user industries, such as consumer electronics, defence electronics, automotive and others, using embedded systems will be benefited from the unique feature of Teraptor.

Exchanging the Loan Agreement with Shri Gopikumar Bulusu, Managing Director, M/s. Sankhya Technologies Private Ltd., Chennai

टी डी बी ने 27 नवम्बर, 2009 को हस्ताक्षित करार के अंतर्गत 754.00 लाख रूपये की कुल परियोजना लागत में से 238.00 लाख रूपये की ऋण सहायता की मंजूरी दी।

8. इनटच नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड, मणिपुर

मैसर्स इनटच नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड मणिपुर ने माओ, मणिपुर में स्टीविया एक्सट्रेक्शन संयंत्र की स्थापना परियोजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय सहायता की मांग करने हेतु टी डी बी से बात की। स्टेवियोसाइड स्टीविया पत्ते के तत्व होते हैं ओर एक प्राकृतिक स्वीटनिंग एजेंट/ चीनी का विकल्प है।

कंपनी का विचार क्षेत्र में उगाए जा रहे स्टीविया पौधे के पत्तों से स्टीवियो साइड क्रिस्टल/ टेबलेट उत्पादित करने हेतु एक सुविधा स्थापित करने का है। इस सुविधा की प्रति दिन 70 कि. ग्रा. सूखा स्टेवियोसाइड पाऊडर/ क्रिस्टल/ टेबलेट का उत्पादन करने के लिए स्टेविया रिभाऊडिएना पौधे के पत्तों के लिए प्राथमिक हैंडलिंग इकाई तथा उपज उपरांत प्रसस्करण संयंत्र शामिल होगा। इस परियोजना का कार्यान्वयन मेसर्स संजीवनी फाइटोफार्मा प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई की तकनीकी सहायता के साथ किया जाएगा।

कुल परियोजना लागत 794 लाख रूपये है। इस परियोजना के कार्यान्वयन हेतु टी डी बी ने 16 दिसम्बर, 2009 को हस्ताक्षरित दो अलग अलग करारों के अंतर्गत 135 लाख रूपये की अनुदान सहायता तथा 135 लाख रूपये इक्विटी भागीदारी का अंशदान संस्वीकृत किया। यह परियोजना 31 मार्च, 2011 को पूरी होगी। यह देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में टी डी बी द्वारा सहायता प्राप्त करने वाली पहली परियोजना है।

9. निर्वाणा बायोसिस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली

मैसर्स निर्वाणा बायोसिस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली को "बावल (हरियाणा) में ग्रेप जूस कन्सन्ट्रेट से टेबल वाइन, स्पार्कलिंग वाइन तथा फोर्टिफाइड वाइन के उत्पादन" पर उनकी परियोजना के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता दी गई है।

इस परियोजना का उद्देश्य ग्रेप जूस कन्सन्ट्रेट से विभिन्न श्रेणियों की वाइन का प्रति वर्ष 1 मिलियन लीटर उत्पादन करने वाली एक उत्पादन सुविधा स्थापित करना है। यह परियोजना वाइन बनाने के लिए देश में अपनी तरह की पहली परियोजना होगी क्योंकि किसी भी अन्य वाणिज्यिक संयंत्र में ग्रेप कन्सन्ट्रेट का प्रयोग करके वाइन का उत्पादन नहीं किया जाता है। वाईन के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी का विकास प्रमोटर द्वारा किया गया है तथा इसमें ग्रेप जूस कन्सन्ट्रेट के फर्मेन्टेशन के लिए खमीर (सीस्ट) के स्ट्रेन की पहचान और प्रयोग किया जाता है। प्रयोगशाला स्केल पर विकसित प्रौद्योगिकी का पायलट संयंत्र पर तथा मेसर्स आई डी एल, मारीशस के 1 मिलियन

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 238.00 lakh out of the total project cost of ₹ 754.00 lakh under an agreement signed on 27th November 2009. The project is due for completion on 31st March, 2011.

8. Intouch Naturals Private Limited, Manipur

M/s Intouch Naturals Private Limited, Mao, Manipur, approached TDB seeking financial assistance for implementation of the project 'Setting up of Stevia Extraction plant at Mao, Manipur'. The steviosides are the extract of the stevia leaves and are a natural sweetening agent / sugar substitute.

The company proposed to set-up a facility to produce stevioside crystals/ tablets from the leaves of stevia plant grown in the region. The facility will have a production capacity of 70 kg per day of dry Stevioside powder/ crystals/ tablets. The project activity will consist of setting up of a Primary Handling unit and a Post Harvest Processing plant for the Stevia rebaudiana plant leaves to manufacture the product- stevioside powder/ tablet. The project will be implemented with technical support of M/s Sanjivani Phytopharma Private Limited, Mumbai.

The total project cost is ₹ 794 lakh. TDB sanctioned a grant assistance of ₹ 135 lakh and subscription of equity participation of ₹ 135 lakh, under two separate agreements signed on 16th December 2009, for implementation of the project. The project is due for completion by 31st March 2011. This is the first project supported by TDB in the North-Eastern region of the country.

9. Nirvana Biosys Pvt. Ltd., New Delhi

M/s Nirvana Biosys Private Limited, New Delhi has been provided loan assistance by TDB for its project on 'Manufacture of Table Wine, Sparkling Wine & Fortified Wine from Grape Juice Concentrate' at Bawal (Haryana).

The project aims at setting up a production facility for 1 million liters per year of various categories of wines from the grape juice concentrate. The project will be first of its kind in the country for making wines as no other commercial plant produces wine using grape concentrate. The Technology for the manufacture of wines has been developed by the promoter and involves identification and use of yeast strains for fermentation of grape juice concentrate. The technology developed at Lab scale has been tested at the

लीटर क्षमता वाले वाणिज्यिक संयंत्र पर परीक्षण किया गया है। कंपनी के अनुसार वाइन के लिए ग्रेप जूस कन्सन्ट्रेड का प्रयोग करने वाली प्रौद्योगिकी की निकटता से देखरेख की जाती है क्योंकि इटली, रूस और कनाडा में ग्रेप, जूस, कन्सन्ट्रेट से वाइन का उत्पादन करने वाले कुछ उत्पादक हैं। इसलिए इस प्रौद्योगिकी को आसानी से दूसरो को बताया नहीं जाता। इस प्रक्रिया में खाना बनाने के लिए ऊर्जा की किसी तरह की आवश्यकता ना पड़ने के कारण फ्रमेंटेशन के कम समय तथा उच्च तापमान पर फरमेंटेशन होने से ऊर्जा संरक्षण का लाभ प्राप्त होता है।

मैसर्स निर्वाणा बायोसिस प्रा. लि., नई दिल्ली के
प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. गुप्ता के साथ ऋण समझौते का आदान - प्रदान

टी डी बी ने 5 मार्च, 2010 के हस्ताक्षरित अनुबंध के अंतर्गत 1345 लाख रूपए की कुल परियोजना लागत में से 480 लाख रू. की ऋण सहायता को मंजूरी दी। इस परियोजना की 30 जून, 2010 तक पूरे होने की संभावना है।

10. सॉफ्टटेक इंजीनियर्स प्रा. लि., पुणे

मैसर्स सॉफ्टटेक इंजीनियर्स प्रा. लि. पुणे ने "ऑटो डी. सी. आर तथा आप्टिकोन उत्पादों के विकास और वाणिज्यिकरण" की अपनी परियोजना के लिए ऋण सहायता के लिए टी डी बी से बात की। आटो डी सी आर कैड रेखाचित्र पढ़ते, अनुमोदित बिल्डिंग प्लान के आटोमेशन तथा विकास नियंत्रण नियमों के अनुसार उनका मानचित्रण करने हेतु एक सॉफ्टवेयर उत्पाद है। ऑप्टिकोन निर्माण और अवसंरचना उद्योग में विद्यमान सभी समस्याओं का समाधान करने हेतु एक वैब आधारित उपकरण है।

pilot plant and the commercial plant of 1 million liters capacity of M/s IDL, Mauritius. The technology using grape juice concentrate for wine, according to the Company, is closely guarded and though there are some manufacturers of wines from grape juice concentrate in Italy, Russia and Canada, the technology is not shared easily. The process has the advantages of lower fermentation time and fermentation at higher temperature resulting in energy conservation due to no requirement of energy for cooking.

Exchanging the Loan Agreement with Shri J.P. Gupta, Managing Director, M/s Nirvana Biosys Private Limited, New Delhi

TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 480 lakh out of the total project cost of ₹ 1345 lakh under an agreement signed on 5th March, 2010. The project is due for completion on 30th June 2010.

10. SoftTech Engineers Private Limited, Pune

M/s SoftTech Engineers Private Limited, Pune, approached TDB seeking loan assistance for its project 'Development and commercialization of products AutoDCR and Opticon'. AutoDCR is a software product for the automation of building plan approval reading CAD drawing and mapping them to development control rules. Opticon is a web based tool for solving the end-to-end problems that exist in the construction and infrastructure industry.

कंपनी का विचार "ऑटो डी सी आर" में कस्टमाईज़ेशन विशेषताओं को जोड़कर और इसे मल्टीपल सी. ए. डी. प्लेटफार्म के साथ प्रयोग करने में सक्षम बनाने के लिए इसका जैनेरिक/ उन्नत वर्ज़न का विकास करने का है। उत्पाद" ऑप्टीकोन " निर्माण उद्योग की विशेष आवश्यकताओं अर्थात, अनुमान, योजना और कार्यसूची, खरीद, इन्वेंटरी, हिसाब - किताब, विक्रय एवं विघटन तैयार करने, उपभोक्ता संबंध तथा मरम्मत प्रबंधन को पूरा करेगा।

इस परियोजना की लागत 1379 लाख रू. है और टी डी बी ने 11.3.2010 को हस्ताक्षरित एक करार के अंतर्गत 399 लाख रू. के ऋण सहायता की मंजूरी दी है। इस परियोजना की 31 मार्च, 2011 को पूरे होने की आशा है।

11. एम आई सी इलैक्ट्रॉनिक्स लि. हैदराबाद

मैसर्स एम आई सी इलैक्ट्रॉनिक्स लि. हैदराबाद को "एल ई डी आधारित लाईटिंग उत्पादों के हरित ऊर्जा समाधानों के रूप में विकास और वाणिज्यिकरण" नामक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता प्रदान की गई थी।

कंपनी का विचार एल ई डी लाईट का इल्यूमिनेशन उत्पाद के रूप में विकास और वाणिज्यिकरण करने का है। ये उत्पाद है ग्रिड आधारित स्ट्रीट लाईट, बिल बोर्ड लाईट, रेलवे के लिए ऑफ ग्रिड उत्पाद तथा वाणिज्यिक/ औद्योगिक लाईटिंग के लिए अन्य उत्पाद। कंपनी द्वारा यह विकास अपनी इन हाऊस आर एण्ड डी इकाई की सहायता के साथ किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य देश में स्वच्छ और हरित ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देना है। इस परियोजना का कार्यान्वयन हैदराबाद में कंपनी की विद्यमान इकाईयां में किया जाएगा।

परियोजना लागत 6000 लाख रूपए की है। टी डी बी ने 31 मार्च, 2010 को हस्ताक्षरित एक अन्य अनुबंध के अंतर्गत 1500 लाख रू. की ऋण सहायता को मंजूरी दी है। यह परियोजना 31 दिसम्बर, 2010 तक पूरे होने की आशा है।

12. ओज़ीन सिस्टमस (आई) प्रा. लि., हैदराबाद

मैसर्स ओज़ीन सिस्टम (आई) प्रा. लि. (ओ एस आई पी एल) हैदराबाद ने "एक्टिव फारमोस्यूटिकल इंग्रिडियंट (ए पी आई) सैट्रिजिन डिहाइड्रोक्लोराईड, डी - मैप्रोक्सिन सूमाट्रिप्टन सक्सिनेट, रेस कैडोरटिल तथा एम्लोडिफिन। बीसाईलेट का विकास और उत्पादन "उत्पादन के लिए सुविधाएं स्थापित करने हेतु टी डी बी से बातचीत की। कंपनी ए पी आई के लिए संयंत्र में एक जी एम पी कंप्लाऐंट उत्पादन सुविधा की स्थापना करेगी।

The company envisages development of generic/ advanced version of the product 'AutoDCR' by adding customization features and enabling the product to be used with multiple CAD platforms. The product 'Opticon' would service the specific needs of the construction industry, i.e preparation of estimates, planning and scheduling, purchase, inventory, accounts, sales and marketing, customer relationship and maintenance management.

The project cost is ₹ 1379 lakh and TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 399 lakh under an agreement signed on 11.03.2010. The project is due for completion by 31st March 2011.

11. MIC Electronics Limited, Hyderabad

M/s MIC Electronics Limited, Hyderabad was provided loan assistance by TDB for implementation of the project titled 'Development and commercialization of LED Based Lighting Products as Green Energy Solutions'.

The company proposed development and commercialization of LED lights, as an illumination product. The products are grid based street lights, billboard lights and indoor lights; Off- grid based (solar powered) lantern, home lights and street lights; Off-grid products for railways; and other products for commercial/ industrial lighting. The developments are being done by the company with the support of its in-house R&D unit. The project aims at promoting clean and green energy solutions in the country. The project shall be implemented at existing units of the company at Hyderabad.

The project cost is ₹ 6000 lakh. TDB has sanctioned a loan assistance of ₹ 1500 lakh under an agreement signed on 31st March 2010. The project is expected to be completed by 31st December 2010.

12. Ogene Systems (I) Private Limited Hyderabad.

M/s Ogene Systems (I) Private Limited (OSIPL), Hyderabad approached TDB for setting up facilities for "Development and Manufacturing of Active Pharmaceutical Ingredients (APIs)" namely Cetrizine Dihydrochloride, D-Naproxin, Sumatriptan Succinate, Racecadortil and Amlodipine Besylate. The company would set up a GMP compliant manufacturing facility in the plant for APIs.

मैसर्स ओज़ीन सिस्टम्स (आई) प्रा. लि., हैदराबाद के प्रबंध निदेशक डॉक्टर भी एम. चौधरी के साथ ऋण समझौता

पहले तीन उत्पादों नामतः (i) सैट्रिजिन डिहाड्रोक्लोराईड (ii) डी - नैप्रोक्सीन (iii) सूमाट्रिप्टन सक्सीनेट के लिए प्रौद्योगिकी का विकास आई आई सी टी द्वारा प्रयोगशाला स्केल पर करके वाणिज्यिक उत्पादन हेतु कंपनी को लाईसेंस दिया गया। जबकि अंत के दोनों नामतः (iv) रेस कैडोरटिल (v) एम्लोडिपिन बिलाईलेट का विकास मुख्य प्रोमोटर द्वारा उनके इनहाऊस आर एण्ड डी सेंटर में किया गया था। स्वदेशी प्रौद्योगिकी एक हरित रसायन का प्रयोग करके अधिक उपज प्राप्त करने, चक्रण समय कम करने और चरणो की संख्या कम करने के मद्दे नज़र उत्पादन प्रक्रिया के अनुकुल बनाती है जिससे आई आई सी टी के सहयोग से कंपनी अपस्केल्ड प्रक्रिया द्वारा उत्पादन लागत कम होती है।

परियोजना लागत 2792.30 लाख रू. है। टी डी बी ने 31 मार्च, 2010 के हस्ताक्षरित एक अनुबंध के अंतर्गत 1350 लाख रू. के ऋण के मंजूरी दी है। इस परियोजना के 30 सितम्बर, 2010 में पूरे होने की संभावना है।

इन्क्यूबेटर सेंटर - पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटरों को सीड सहायता

बोर्ड ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति विकास बोर्ड "एन एस टी ई डी बी" द्वारा प्रचालित प्रौद्योगिकी बिजनेस इन्क्यूबेटर/ एस टी ई पी में स्टार्ट - अप्स के लिए मुख्य सहायता योजना में टी डी बी की भागीदारी को मंजूरी दी थी।

Signing the Loan Agreement with Dr. B.M. Choudary, Managing Director, M/S Ogene Systems (I) Private Limited, Hyderabad.

The technology for the first three products viz. i) Cetirizine Dihydrochloride, ii) D-Naproxin, iii) Sumatriptan Succinate, was developed at lab scale by IICT and licensed to the company for commercial production, where as the last two viz. iv) Racecadortil and v) Amlodipine Besylate was developed by the main promoter in their in-house R&D centre. The indigenous technology enables optimizing the manufacturing process in terms of higher yields, reducing cycle times and number of stages, using a greener chemistry and thereby reducing the cost of production by an up scaled process by the company in association with IICT.

The project cost is ₹ 2792.30 lakhs. TDB has sanctioned a loan of ₹ 1350 lakhs under an agreement signed on 31st March, 2010. The project is due for completion 30th September, 2010.

Incubator Centres - Seed Support to Five Technology Business Incubators

The Board had approved TDB's participation in the Seed Support Scheme for start-ups in Technology Business Incubators/ STEPs administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of Department of Science &Technology.

एस टी ई पी/ टी बी आई व्यक्तियों के बाजार तक पहुंच बनाने में सक्षम करने के लिए उनके विचारों का विकास करके प्रौद्योगिकी उद्यम वृत्ति को बढ़ावा देने और इसका विकास करने के लिए एक सुविधा है। एस टी ई पी/ टी बी आई आरंभिक अवस्थाओं में सर्वाधिक आवश्यक वित्तीय सहायता टैक्नो - उद्यमियों द्वारा योग्य विचारों (प्रौद्योगिकियों को देने के लिए तैयार नहीं है) इसका समाधान करने के लिए टी डी बी ने युवा उद्यमियो को उनकी नवोन्मेष प्रौद्योगिकी विचारों को फलीभूत करने के लिए आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु सीड सपोर्ट स्कीम शुरू की है। टी डी बी ने पिछले वर्षों में इन्क्यूटरों में स्टार्टअप हेतु सीड सपोर्ट स्कीम में भाग लेने का निर्णय लेकर एक विकास उन्मुख पहल की है।

टी डी बी ने 10 प्रौद्योगिकी बिजनेस इन्क्यूबेटरों (टी बी आई) तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति पार्क (एस टी ई पी) को सहायता दी, जिसमें दो चरणों में टी डी बी की वचनबद्धता 1000 लाख रूपये है।

बोर्ड ने 23.02.2009 को हुई अपनी 42 वीं बैठक में डी एस टी के एन एस टी ई डी बी द्वारा सहायता प्राप्त एस टी ई पी/ टी बी आई की सूची में से 5 और एस टी ई पी/ टी बी आई को 5 करोड़ की सहायता देने का निर्णय लिया। निम्नलिखित इन्क्यूबेट्स को सीड स्पोर्ट दी गई है।

13. उद्यमवृत्ति विकास केन्द्र, एन सी एल इनोवेशन पार्क, पुणे

उद्यमवृत्ति विकास केन्द्र, एन सी एल इनोवेशन पार्क, पुणे ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की सीड सहायता प्राप्त करने हेतु 17 दिसम्बर, 2009 को टी डी बी के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

14. एमिटी इनोवेशन इन्क्यूबेटर, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

एमिटी इनोवेशन इन्क्यूबेटर, एमिटी विश्वविद्यालय ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की सहायता प्राप्त करने के लिए 11 जनवरी, 2010 को टी डी बी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

15. एन आई टी के - एस टी ई पी, सूरतकल, कर्नाटक

नेशनल इन्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कर्नाटक - विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमवृत्ति पार्क (एन आई टी के - एस टी ई पी) सूरतकल, डी. के. जिला (कर्नाटक) ने 11 जनवरी, 2010 को टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए इस करार पर हस्ताक्षर किए।

The STEPs/TBIs are a facility to encourage and foster technological entrepreneurship by individuals by incubating their ideas to enable them to reach the market. However, STEPs /TBIs are not equipped with the most needed early stage financial assistance to deserving ideas / technologies by techno-entrepreneurs. In order to address this, TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators in previous years.

TDB supported 10 Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) involving TDB's commitment of ₹ 1000 lakh in two phases. The Seed Support Scheme has benefited to a total of 33 entrepreneurs in various fields.

The Board in its 42nd meeting held on 23.02.2009 decided to support 5 more STEPs/ TBIs 5 crore from the list of STEPs/ TBIs supported by NSTEBD of DST. The following incubates have been provided seed support.

13. Entrepreneurship Development Centre, NCL Innovation Park, Pune

Entrepreneurship Development Centre, NCL Innovation Park, Pune, signed an agreement with TDB on 17th December 2009 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

14. Amity Innovation Incubator, Amity University, Noida (UP)

Amity Innovation Incubator, Amity University, Noida (UP), signed an agreement with TDB on 11th January, 2010 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

15. NITK-STEP, Surathkal Karnataka

National Institute of Technology Karnataka - Science & Technology Entrepreneurs Park (NITK-STEP), Surathkal, D. K. District (Karnataka) signed an agreement with TDB on 11th January, 2010 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

16. अमृता टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर, कोल्लम (केरल)

अमृता टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर, कोल्लम (केरल) ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की सीड सहायता प्राप्त करने हेतु 25 जनवरी, 2010 को टी डी बी के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

17. रूरल टेक्नोलॉजी एण्ड बिजनेस इन्क्यूबेटर, आई आई टी मद्रास, चेन्नई

रूरल टेक्नोलॉजी एण्ड बिजनेस इन्क्यूबेटर, आई आई टी मद्रास, चेन्नई ने टी डी बी से अनुदान के रूप में 100 लाख रूपये की सीड सहायता प्राप्त करने के लिए 10 फरवरी, 2010 को टी डी बी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए।

16. Amrita Technology Business Incubator, Kollam (Kerala)

Amrita Technology Business Incubator, Kollam (Kerala) signed an agreement with TDB on 25th January, 2010 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

17. Rural Technology and Business Incubator, IIT Madras, Chennai

Rural Technology and Business Incubator, IIT Madras, Chennai signed an agreement with TDB on 10th February, 2010 for availing of seed support of ₹ 100 lakh as grant from TDB.

वर्ष 2009 - 10 के दौरान जारी उत्पाद/ पूरी की गई परियोजनाएं

टी डी बी की वित्तीय सहायता के साथ वर्ष 2009 - 10 के दौरान जारी उत्पादों/ पूरी की गई परियोजनाओं का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे दिया गया है:

आटोमेटिड विहिकल अन्डर साइड स्कैनिंग सिस्टम

मैसर्स क्रिटिकल सिक्योर स्कैन प्राइवेट लिमिटेड (के एस एस), नई दिल्ली को हिमाचल प्रदेश में उना में गाग्रेट में आटोमेटिड वैहिकल अन्डरसाइड स्कैनिंग सिस्टम के विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु एक सुविधा स्थापित करने के लिए टी डी बी द्वारा ऋण सहायता प्रदान की गई थी। इस कंपनी ने अवैध पदार्थो जैसे बम, विस्फोटक तथा नकली चीजों आदि की जांच करने तथा पता लगाने के लिए एक इन्फ्रारैड सेंसर एवं ऑप्टिकल्स प्रौद्योगिकी के साथ कंप्यूटर विज़न तथा इमेज़ प्रोसेसिंग एल्बोरिदम के आधुनिक इंटर प्ले वाली प्रणाली का सफलतापूर्वक वाणिज्यिकरण किया है। इस पूरी प्रणाली को आधुनिक सॉफ्टवेयर माड्यूल के साथ एकीकृत किया गया है ताकि यह वैश्विक स्तर पर उपलब्ध उत्पादों के 50 - 60 प्रतिशत दाम पर उपलब्ध हो सके। यह भारत में ऐसी पहली कंपनी है जिसने उच्च स्टीकता तथा विश्वसनियता के साथ एक विज़न आधारित स्कैनिंग सिस्टम का विकास किया है। टी डी बी ने 20 अगस्त, 2007 को हस्ताक्षरित एक अनुबंध के अंतर्गत 256.78 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 100 लाख रू. की ऋण सहायता प्रदान की है यह परियोजना **मार्च, 2009** में सफलतापूर्वक पूरी हो गई थी।

Products Released / Projects Completed During 2009-10

The brief profile of products released / projects completed during the year 2009-10 with the financial assistance from TDB is indicated below.

Automated Vehicle underside Scanning System

M/s KritiKal Secure Scan Pvt. Ltd. (KSS), New Delhi were provided loan assistance by TDB for setting up a facility at Gagret, Una in Himachal Pradesh for "Development and Commercialization of Automated Vehicle Underside Scanning System". The company has successfully commercialized the system having sophisticated interplay of Computer-vision & Image processing algorithms with an Infra-red sensor and optics based technology for thorough inspection and detection of unwanted substances like bombs, explosives and contraband things etc. The whole system is integrated with a state-of-the-art software module to be made available at a price of 50 - 60% of globally available products. This is the first company in India which has developed a vision based scanning system with high accuracy and reliability. TDB provided a loan assistance of ₹ 100 lakh against the total project cost of ₹ 256.78 lakh under an agreement signed on 20th August, 2007. The project was successfully completed in **March, 2009**.

इलैक्ट्रॉनिक बीम इरेडिऐशन प्रौद्योगिकी

मैसर्स सीकैम टैक्नोलॉजीज प्रा. लि. चैन्नई ने हीट सिरींकेबल ट्यूब,प्रोफाईल एवं शीट, ई बी क्रोस लिंक्ड पोलिमैरिक वायर्स एण्ड केबलस उत्पादित करने के लिए इलैक्ट्रॉन बीम इरेडिऐंशन टैक्नोलॉजी के विकास और वाणिज्यिकरण करने तथा जैम कलरेशन, पोलिमेरिक उत्पाद सुधार एवं मेडिकल स्टरलाईज़ेशन के लिए संविदात्मक सेवाएं प्रदान करने की परियोजना को कार्यान्वित किया।

क्रॉस लिंकिग के लिए अनुप्रयुक्त प्रौद्योगिकी इलैक्ट्रान इरेडिएशन प्रौद्योगिकी है जिसमें चारो तरफ से इलैक्ट्रान बीम इरेडिएशन करने के लिए पहली बार ई एल वी - आठ एक्सीलरेशन का प्रयोग किया जाता है। इससे अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने के लिए क्रॉस लिंकिग के लिए समानता - समानता आती है। इस पूरी प्रक्रिया में सामान्यताः दो तरफ से इलैक्ट्रॉन बीम इरेडिऐशन बीम की तुलना में अलग - अलग पोलिमरों की क्रॉस लिंकिग हेतु अनुप्रयोगों में विविधता और ऊर्जा दक्षता मिलती है। टी डी बी ने 9 फरवरी, 2009 को हस्ताक्षरित एक करार के अंतर्गत 1993.87 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 400 लाख रू. की ऋण सहायता को मंजूरी दी है। यह परियोजना **अप्रैल, 2009** में पूरी कर ली गई थी।

सिविल एवं रक्षा विमानन क्षेत्र के लिए उत्पाद

सिविल एवं रक्षा विमानन क्षेत्रों के लिए उत्पाद मैसर्स मार्क कंट्रोल सिस्टम प्रा. लि., कोयम्बटूर को सिविल एवं रक्षा विमानन क्षेत्रों में प्रयोग होने वाले आगफिलैरी पॉवर यूनिट्स (ए पी यू) एयर क्राफ्ट कारगो लोडर्ज़ (ए सी एल) तथा एयर कंडिश्नर यूनिट्स (ए सी यू) के अभिकल्पन, विकास और वाणिज्यिकरण हेतु टी डी बी से ऋण सहायता प्रदान की गई थी। इस कंपनी द्वारा विकसित ए पी यू, ए सी एल, ए सी यू के रक्षा मंत्रालय तथा निजी विमान कंपनियों द्वारा मंजूरी दे दी गई है।

युद्ध कार्यों के लिए अभिकल्पित आग्जीलैरी पॉवर यूनिट्स का प्रयोग ट्रक प्रचालन के लिए भी किया जा सकता है जिसकी अच्छी मांग है। कंपनी द्वारा विकसित एयर कारगो लोडर्स विमान के अंदर तक पैलेट लोड करने के लिए अलग - अलग रखकर/ आकार के विमानों की आवश्यकता को पूरा करते है। वातानुकुलन इकाईयों का अभिकल्पन विमानों सहित स्टेशनरी वाहनों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए किया गया है।

Auxiliary power units

Cargo loaders

Air conditioning unit

Electronic Beam Irradiation Technology

M/s. Siechem Technologies Pvt. Ltd., Chennai have implemented the project for development and commercialization of Electron Beam Irradiation Technology to produce Heat Shrinkable Tubes, Profiles & Sheets, EB Cross linked Polymeric Wires & Cables and to provide contractual services for Gem Coloration, Polymeric products modification & Medical Sterilization.

The technology applied for cross linking is 'electron irradiation technology' using ELV-8 acceleration for the first time to produce 4 sided electron beam irradiations. This enables homogeneity in cross linking to produce quality products. The whole process is energy efficient and versatile in applications for cross linking of different polymers compared to the generally used 2 sided electron beam irradiations. TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 400 lakh under an agreement signed on 9th February 2009 out of a total project cost of ₹ 1993.87 lakh. The project was completed in **April, 2009**.

Products for civil and defence aviation sectors

M/s Mak Control Systems Private Limited, Coimbatore were provided loan assistance from TDB for "design, development and commercialisation of Auxiliary Power Units (APU), Aircraft Cargo Loaders (ACL) and Air Conditioner Units (ACU)" used in civil and defence aviation sectors. The APU, ACL, ACU units developed by the company are approved by the Ministry of Defence and private airlines.

The Auxiliary Power Unit, designed for battle tasks can also be used for truck operation which has good demand. The air cargo loaders developed by the company meet the requirement of various types / sizes of airplanes for loading pellets deep inside the plane. The air conditioner units are designed to meet the requirements of stationary vehicles including airplanes.

Auxiliary power units

Cargo loaders

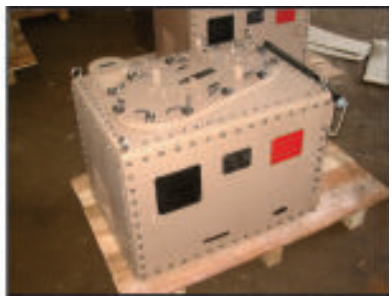

Air conditioning unit

टी डी बी द्वारा 28 जून, 2006 को हस्ताक्षरित एक करार के अंतर्गत 800.10 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 220 लाख रू. की ऋण सहायता दी गई। यह परियोजना **जुलाई, 2009** में सफलतापूर्वक पूरी हुई।

जाइंट कोटिंग प्रणाली

मैसर्स गोल्ड स्टोन टेली सर्विसज़ लि. "जी टी एस एल" सिकंदराबाद के तेल एवं गैस पाईप लाईन हेतु पोलियोलोफिनिक कंपाउड स्लीप्स पर आधारित एक जाईट कोटिंग प्रणाली का उत्पादन करने के लिए टी डी बी से सहायता दी गई थी। हीट सिरींकेबल शाट के उत्पादन कार्य में कंपाउड सिथेंसिस, एक्सट्रूजन क्रॉस लिंकिग, शीट स्ट्रेचिंग तथा हॉट मेल्ट एडहेसिव कोटिंग शामिल है। इस प्रौद्योगिकी का विकास कंपनी द्वारा अपनी इनहाऊस आर एण्ड डी कार्रवाई में किया गया था जो कि वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त है।

इस प्रौद्योगिकी की विशेषता पोलियोलेफिन कंपाउड और हीट ऐक्टिवेटिड एडसेसिव के उत्पादन में है। कंपनी ने अपनी स्वंय की सुविधा में रैप अराउंड स्लीव्य के उत्पादन में महत्वपूर्ण घटक पोलियोलेफिन बनाया है और शीट बनाने के लिए उसे चीन भेजा। टी डी बी ने 8 फरवरी, 2006 को हस्ताक्षरित एक समझौतें के अंतर्गत 696.36 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 350 लाख रू. की ऋण सहायता को मंजूरी दी थी। यह परियोजना **सितम्बर, 2009** में पूरी हो गई थी।

वर्टिकल कॉनटिन्यूअल वैक्यूम पैन

टी डी बी द्वारा मैसर्स स्प्रै इंजीनियरिंग डिवाइसेस लिमिटेड, चंडीगढ़ को स्प्रे कॉनटिन्यूअस पैन (एस सी पी टी एम) के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए ऋण सहायता प्रदान की गई यह शुगर शोल्यूशन के इवैपोरेटिव क्रिस्टेलाइजेशन के लिए एक वर्टिकल कॉन्टिन्यूअस वैक्यूम पैन है। कम ऊजा खपत के साथ गुणवत्ता युक्त चीनी उत्पादन के लिए इस्टतम दशाओं को पूरा करने हेतु आन्तरिक अनुसंधान और विकास प्रयासों के माध्यम से इस उत्पाद को विकसित किया गया है और यह चीनी के क्रिस्टल आकार के विवरण को भी बेहतर बनाता है। विश्व भर में पेटेंट दर्ज किए गए और भारत और पाकिस्तान में डिजाइन पंजीकरण दर्ज किए गए। टी डी बी ने 18 दिसम्बर, 2008 को हस्ताक्षरित एक अनुबंध के अधीन 1281 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 430 लाख रू. की ऋण सहायता अनुमोदित की। यह परियोजना **अक्तूबर, 2009** में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गई।

TDB provided a loan assistance of ₹ 220 lakh against the total project cost of ₹ 800.10 lakh under an agreement signed on 28th June 2006. The project was successfully completed in **July, 2009**.

Joint coating system

M/s Goldstone Teleservices Limited (GTSL), Secunderabad, were supported by TDB to manufacture a joint coating system based on polyolefinic compound sleeves for oil and gas pipelines. The operations involved in the manufacture of heat shrinkable sheet are compound synthesis, extrusion, cross linking, sheet stretching and hot melt adhesive coating. The technology was developed by the company at its in-house R&D unit which is recognized by the Department of Scientific and Industrial Research..

The uniqueness of the technology lies in the manufacturing of the polyolefin compound and heat activated adhesive. The company has made the polyolefinic compound which is the key component in manufacture of wrap around sleeves at its own facility and sent it to China for making sheets. TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 350 lakh under an agreement signed on 8th February 2006 out of project cost of ₹ 696.36 lakh. The project was completed in **September, 2009**.

Vertical Continuous Vacuum Pan

M/s. Spray Engineering Devices Limited, Chandigarh were provided loan assistance by TDB for 'Development & Commercialization of Spray Continuous Pan (SCP™)', a vertical continuous vacuum pan for evaporative crystallization of sugar solutions. The product has been developed through in-house R&D efforts to meet the optimum conditions for quality sugar production with decreased energy inputs and also improves crystal size distribution of sugar. Patents have been filed world-wide and design registrations in India & Pakistan have been granted. TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 430 lakh under an agreement signed on 18th December 2008 out of a total project cost of ₹ 1281 lakh. The project was completed successfully in **October, 2009**.

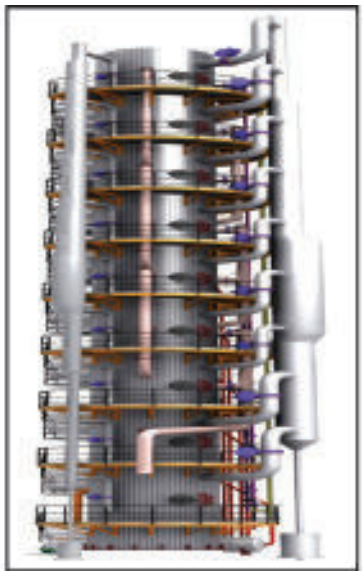
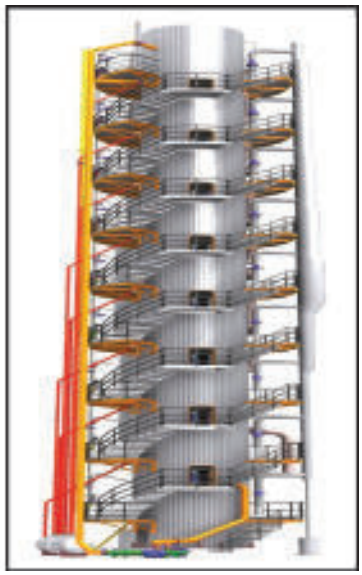

उद्यमों के लिए एल ए एन/ डब्ल्यू ए एन राउटर्स

मैसर्स रीयल टाइम सिस्टम लिमिटेड, नई दिल्ली को टी डी बी द्वारा नए राउटर्स की एक ऐसी श्रेणी का अभिकल्पन और विकास करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है जो लघु एवं मध्यम स्तर के व्यवसायों के लिए उत्पादों को शामिल करते हो। कम्पनी ने उद्यम और एस ओ एच ओ सेगमेंट के लिए एल ए एन/ डब्ल्यू ए एन राउटर्स को अभिकल्पित और वाणिज्यीकृत्त किया है। माड्यूलर इंटीग्रेटिड राउटर्स बड़े उद्योगों के बड़े कार्यालयों और एस एन वी उद्यमों को उच्च निष्पादक समाधान उपलब्ध करा सकते हैं ताकि वे अन्तर प्रचालनीयता तथा इष्टतम प्रवाह पर वॉयस और डाटा का आदान - प्रदान करने की अपनी आवश्यकता को पूरा कर सके। राउटर्स की यह नई श्रेणी 120 के भी पी एस से अधिक की रूटिंग गति पर कार्य करेगी और उन्नत क्यू ओ एस, सुरक्षा तथा उन्नत समेकित विशेषताओं को उपलब्ध कराएगी जिसकी एस एम ई क्षेत्र के लिए विशिष्ट रूप से आवश्यकता होती है। यह एक स्वदेशी उत्पाद है और यह सेवाओं से प्रचुर कनवेयड नेटवर्क वातावरण जोकि पूंजीगत एवं प्रचालनात्मक खर्चों को घटाता हो के लिए अबाध ट्रांजिशन करने हेतु कैरियर्स की सहायता करने के लिए हार्डवेयर क्षमताओं में अच्छा विकल्प प्रदान करता है।

टी डी बी ने 26 जुलाई, 2007 को हस्ताक्षरित एक करार के अधीन 1385 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 494 लाख रू. की राशि प्रदान की है। इस परियोजना को **दिसम्बर, 2009** में सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया।

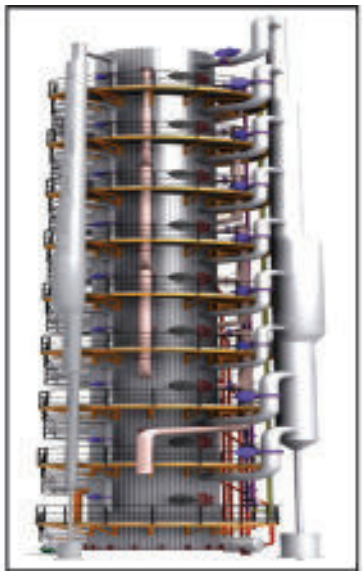
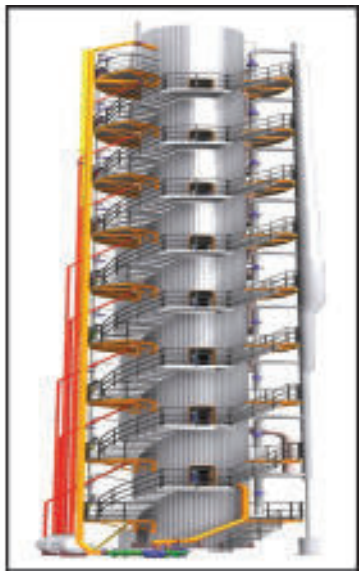

LAN/WAN Routers for Enterprises

M/s Realtime Systems Limited, New Delhi were provided financial assistance by TDB for designing and manufacturing a new router family that includes products for small and medium businesses. The Company has developed and commercialized LAN/WAN routers for the Enterprise & SOHO segment. The modular integrated routers can provide SMB enterprises and branch offices of larger enterprises with high performance solutions so as to meet their requirement of inter operability and deliver voice and data at optimal throughputs. The new series of routers will support a routing speed of more than 120Kbps providing advanced QoS, Security and advanced integration features that would be specifically required for SME sector. The Product is indigenous and offers a good scope in hardware capabilities to help carriers make the smooth transition to a service rich, conveyed network environment that reduces capital and operational expenses.

TDB provided a sum of ₹ 494 lakh out of the total project cost of ₹ 1385 lakh under an agreement signed on 26th July, 2007. The project was completed successfully in **December, 2009.**

लिथियम आयन बैटरियों के लिए कैथोड सामग्री

मैसर्स यूनाइटेड नैनोटेक प्रॉडक्ट्स लिमिटेड (यू एन टी पी एल), कोलकाता, पश्चिम बंगाल ने लिथियम आयन बैटरियों के लिए कैथोड सामग्री के 115 टन प्रति वर्ष उत्पादन करने की क्षमता के साथ 40,000 वर्ग फीट में बनने वाली अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा को स्थापित किया है। यह कंपनी कोलकाता के एक 50 वर्ष पुराने वित्तीय रूप से सुदृढ़ व्यवसाय समूह यूनाइटेड ग्रुप तथा नई सामग्रियों के क्षेत्रों में नैनो प्रौद्योगिकी के विकास और उन्नयन में कार्यरत अमरीका स्थित एक तकनीकी रूप से सुदृढ़ कम्पनी एन ई आई कोर्पोरेशन का एक संयुक्त उद्यम है।

इस सुविधा ने भारत में उन्न ऊर्जा संग्रहण उद्योग का सृजन करने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया है और यह भारत से नैनो सामग्री उत्पादन के लिए एक विक्रेता आधार का सृजन करेगी। टी डी बी ने 25 मार्च, 2008 को हस्ताक्षरित एक करार के अधीन 1250.00 लाख रू. की कुल परियोजना लागत में से 495.00 लाख रू. की ऋण सहायता का अनुमोदन किया है। इस परियोजना को **जनवरी, 2010** में सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया।

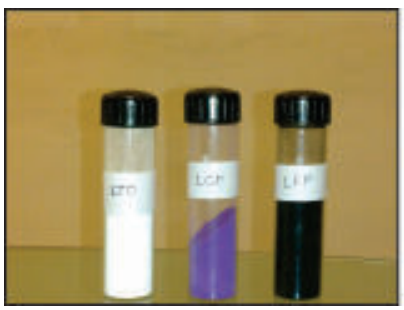

वी ई आर ए पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क (पी ओ एन) प्रौद्योगिकी

मैसर्स कावेरा सिस्टम (इंडिया) प्रा. लि. हैदराबाद को टी डी बी द्वारा आई ई ई ई मानकों पर आधारित फाइबर टू द होम (एफ टी टी एच) आप्टिकल एक्सेस सिस्टम, जिसे वी ई आर ए पैसिव आप्टिकल नेटवर्क (पी ओ एन) सिस्टम के रूप में चिन्हित किया गया है, को विकसित और वाणिज्यीकृत करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई। कम्पनी ने (1) ऑप्टिकल लाइन टर्मिनल (ओ एल टी) (2) ऑप्टिकल नेटवर्किंग यूनिट्स (ओ एन यू एस) और (3) वी ई आर ए पी ओ एन (ट्रेड नाम) का सफलतापूर्वक निर्माण किया है। एफ टी टी एच ऑप्टिकल एक्सेस सिस्टम केबल सेवा प्रदाताओं तथा टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं (बी एस एन एल/ एम टी एन एल) को उद्योग तथा रिहायशी दोनों तरह के प्रयोक्ताओं के लिए विंगल मोड फाइबर पर एनालॉग वीडियो, वी ओ आई पी, डाटा और आई पी टी वी को उपलब्ध कराने में समर्थ बनाती है। भारत में इस प्रौद्योगिकी को आवासीय परिसरों, कॉलेज परिसरों और आई टी पार्कों आदि में अनुप्रयोगों के लिए व्यापारिक तौर पर शुरू किया जा रहा है। यह प्रौद्योगिकी प्रयोक्ताओं को सुखदायक स्थिति प्रदान करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि वे 21 वीं सदी के अल्ट्राहाइ बैंडविड्थ जरूरतों के लिए पूरी तरह से तैयार हों।

Cathode Material for Lithium Ion Batteries

M/s United Nanotech Products Limited (UNTPL), Kolkata, West Bengal, have established a 40,000 sq. ft., state of the art, manufacturing facility with a capacity to produce 115 tonnes per annum of Cathode Material for Lithium Ion Batteries. The company is a joint venture of 'United Group', a 50 year old financially sound business group of Kolkata, with NEI Corporation; a technically sound research based US Company engaged in development and advancement of the nanotechnology in the areas of new materials.

The facility has acted as a catalyst for creating Advanced Energy Storage industry in India and will create a vendor base for nanomaterial production from India, TDB sanctioned a loan assistance of ₹ 495.00 lakh out of a total project cost of ₹ 1250.00 lakh under an agreement signed on 25th March, 2008. The project was completed successfully in January, 2010.

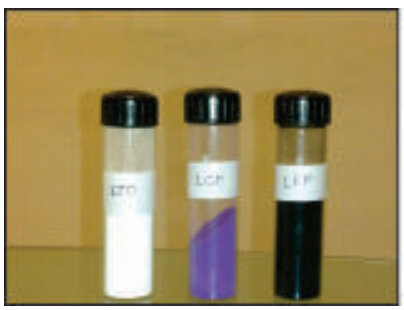

VERA Passive Optical Network (PON) Technology

M/s Cavera Systems (India) Pvt. Ltd., Hyderabad, were provided financial assistance by TDB for development and commercialization of Fibre To The Home (FTTH) optical access system based on IEEE standards, termed as VERA Passive Optical Network (PON) system. The company successfully manufactured the VERA PON (trade name) system consisting of: (1) Optical Line Terminal (OLT), (2) Optical Networking Units (ONUs) and (3) VERA Operating System. The FTTH optical access system enables Cable Service Providers and Telecom Service Providers (BSNL/MTNL) to provide Analogue Video, VoIP, Data and IPTV over a single mode fibre to customers both, corporate as well as residential. The technology, in India, is being commercially launched for applications to Residential Complexes, College Campuses and IT Parks etc. The technology will make users comfortable and ensure they are ready for 21st Century Ultra High Bandwidth requirements.

इस परियोजना की कुल लागत 1800 लाख रू. थी और टी डी बी द्वारा 7 नवम्बर, 2007 को हस्ताक्षरित करार के अधीन 450 लाख रू. की ऋण सहायता को अनुमोदित किया गया। इस परियोजना को जनवरी, 2010 में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

नगर निगम के ठोस अपशिष्ट के उपयोग हेतु प्रौद्योगिकी

मैसर्स यूनिक वेस्ट प्रोसेसिंग कम्पनी (यू डब्ल्यू पी सी), नई दिल्ली को टी डी बी द्वारा "देश में 14 विभिन्न स्थानों पर नगर निगम ठोस अपशिष्ट (एम एस डब्ल्यू) के उपयोग हेतु स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण के लिए पी डी एफ का सृजन" करने के लिए ऋण सहायता प्रदान की गई।

आई एल एण्ड एफ एस लिमिटेड और ए पी टी डी सी का एक संयुक्त उद्यम यह कम्पनी आर एण्ड डी आधारित अपशिष्ट उपयोग के कार्य में लगी है। इसने एकीकृत्त म्यूनिसिपल अपशिष्ट प्रसंस्करण परिसर की एक अनूठी संकल्पना विकसित की है और इस एकीकरण का मुख्य रूप से यह अर्थ है कि - (i) ठोस एवं तरल अपशिष्ट को एक ही परिसर में संसाधित किया जा सकेगा। (ii) आगत और निर्गत के लिए संसाधन प्रक्रिया सुएकीकृत रूप से होगी (iii) कचरे के भाग को आवश्यकता अनुसार सबसे प्रभावी प्रौद्योगिकी द्वारा संशोधित किया जाएगा। ऐसा परिसर बायो - मिथेनेशन प्रक्रिया से कम्पोस्ट और मीथेन, आर डी एफ प्लांट से ईंधन और आर डी एफ फ्लफ और मीथेन से ऊर्जा को तैयार करेगा।

इस परियोजना की कुल लागत 700 लाख रू. थी। टी डी बी ने 8 जून, 2007 को हस्ताक्षरित करार के अधीन 200 लाख रूपये की ऋण सहायता प्रदान की है।

The total project cost was ₹ 1800 lakh and loan assistance sanctioned by TDB under an agreement signed on 7th November 2007 was ₹ 450 lakh. The project was completed successfully in **January, 2010**.

Technology for Utilization of Municipal Solid Waste

M/s Unique Waste Processing Company (UWPC), New Delhi were provided loan assistance by TDB for "Creation of PDF for Commercialization of Indigenous Technology for Utilization of Municipal Solid Waste (MSW) at 14 different locations in the country".

The company, a joint venture of IL& FS Ltd. and APTDC, is engaged in waste utilization based R&D. It has developed a unique concept of an integrated municipal waste processing complex and the integration essentially means – (i) solid and liquid waste could be treated in the same complex, (ii) the treatment process would be well integrated in terms of input and output and (iii) the most efficient technology will treat the part of the garbage, which it requires. Thus such a complex would make compost and methane from Bio-methanation process, fuel from RDF plant and power from RDF fluff and methane.

The total project cost was ₹ 700 lakh. TDB provided a loan assistance of ₹ 200 lakh under an agreement signed on 8th June 2007.

परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना

टी डी बी से ऋण की अपेक्षा रखने वाली औद्योगिक इकाई को एक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करना होता है। टी डी बी वर्ष भर आवेदन प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित और अन्य विवरण"परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश" पुस्तिका में उपलब्ध कराया गया है जो कि टी डी बी द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। संबंधित उद्योग अथवा उद्यमी/ प्रोत्साहक आवेदन का प्रपत्र टी डी बी की वैबसाइट www.tdb.gov.in से प्राप्त कर सकता है।

वर्ष 2009 - 10 में प्राप्त आवेदन

टी डी बी ने वर्ष 2009 - 10 के दौरान औद्योगिक संस्थानों से और वेंचर कैपिटल फंड से 41 आवेदन प्राप्त किए गए।

राज्य - वार प्राप्त आवेदन

वर्ष 2009 - 10 के दौरान प्राप्त किए गए 41 आवेदनों राज्यवार वितरण निम्निलिखित हैं :-

(करोड़ रू. में)

सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टी डी बी द्वारा दी गई सहायता
1.	आन्ध्र प्रदेश	5	28.43	13.60
2.	बिहार	1	0.00	0.50
3.	दिल्ली	1	13.26	4.80
4.	कर्नाटक	12	159.63	67.79
5.	केरल	3	15.28	6.00
6.	महाराष्ट्र	8	259.88	83.11
7.	पंजाब	1	1.00	1.00

Processing of Project Proposals

An industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. TDB receives the applications throughout the year. The industrial concern or the entrepreneur / promoter can also obtain the format of application from the website of TDB i.e. www.tdb.gov.in.

Applications Received in 2009-10

TDB received 41 applications during 2009-10 from industrial concerns.

Application Received State-wise

The state-wise distribution of 41 applications received during 2009-10 is as under:

(₹ in crore)

S. No.	State/Union Territory	Number of Applications	Total Cost	Assistant Sought From TDB
1	Andhra Pradesh	5	28.43	13.60
2	Bihar	1	0.00	0.50
3	Delhi	1	13.26	4.80
4	Karnataka	12	159.63	67.79
5	Kerala	3	15.28	6.00
6	Maharashtra	8	259.88	83.11
7	Punjab	1	1.00	1.00

8.	राजस्थान	1	1.00	1.00
9.	तमिलनाडू	5	355.78	41.48
10.	उत्तर प्रदेश	4	12.53	6.78
	कुल	**41**	**846.79**	**226.06**

क्षेत्र - वार प्राप्त आवेदन

टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त किए जाने के लिए सभी आर्थिक क्षेत्रों से आवेदन प्राप्त होते हैं। क्षेत्रवार प्राप्त आवेदनों का वितरण नीचे दिया गया है।

2009 - 10 में प्राप्त क्षेत्रवार आवेदन

(करोड़ रू. में)

		आवेदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टी डी बी से प्राप्त सहायता
1.	कृषि	3	46.54	15.75
2.	रसायन	3	15.83	7.75
3.	ऊर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता	4	26.33	14.49
4.	इंजीनियरिंग	6	476.18	8674
5.	स्वास्थय और चिकित्सा	2	87.07	28.02
6.	दूरसंचार	2	17.87	8.30
7.	इलेक्ट्रोनिक	1	14.40	5.00
8.	सूचना प्रौद्योगिकी	7	111.41	36.00
9.	एस टी ई पी – टी बी आई	10	10.00	10.00
10.	अन्य	3	41.16	14.01
	कुल	**41**	**846.79**	**226.06**

8	Rajashtan	1	1.00	1.00
9	Tamil Nadu	5	355.78	41.48
10	Uttar Pradesh	4	12.53	6.78
	Total	**41**	**846.79**	**226.06**

Applications Received Sector-wise

TDB receives applications seeking financial assistance in all the sectors of the economy. The sector-wise details of receipt of applications are given in the table below:-

Applications Received Sector-wise in 2009-10

(₹ in crore)

		Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
1	Agriculature	3	46.54	15.75
2	Chemical	3	15.83	7.75
3	Energy & Waste Utilisation	4	26.33	14.49
4	Engineering	6	476.18	86.74
5	Health & Pharma	2	87.07	28.02
6	Telecommunication	2	17.87	8.30
7	Electronic	1	14.40	5.00
8	Information Technology	7	111.41	36.00
9	STEP-TBI	10	10.00	10.00
10	Others	3	41.16	14.01
	Total	**41**	**846.79**	**226.06**

आवेदनों का वितरण

वर्ष 2009 - 10 के दौरान टी डी बी के प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों और पब्लिक लिमिटेड कंपनियों इत्यादि से प्राप्त हुए आवेदनों को नीचे दी गई तालिका में देखा जा सकता है।

2009 - 10 में आवेदनों का वितरण

(करोड़ रू. में)

श्रेणी	आवदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टी डी बी से मांगी गई सहायता
प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां	18	285.37	100.51
पब्लिक लिमिटेड कंपनियां	10	517.98	105.26
निजी	1	0.01	0.01
अन्य	12	43.43	20.28
कुल	**41**	**846.79**	**226.06**

आवेदनों की प्रारंभिक जांच

प्रारंभिक जांच समिति (आई एस सी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को उनकी आवेदन पूर्णता परियोजना का उद्देश्य और प्रौद्योगिकी की स्थिति आदि दृष्टि से जांच करती है। ऐसी जांच में आवेदक और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता के साथ विचार विमर्श के साथ - साथ अतिरिक्त जानकारी/ विस्तृत विवरण अथवा परियोजना के बारे में संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण शमिल होता है। यदि आवेदन, टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित मानदण्डों को पूरा नहीं करता है तो उसे तदनुसार सलाह दी जाती है।

आवेदनों की प्रारंभिक जांच में सहयोग देने वाले वैज्ञानिकों की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टी डी बी उनके प्रति अपना आभार प्रकट करता है।

Profile of Applicants

TDB mainly received applications from private limited companies and public limited companies etc., during the year 2009-10, as may be seen from the table given below.

Profile of Applicants 2009-10

(₹ in crore)

Category	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Private Limited Companies	18	285.37	100.51
Public Limited Companies	10	517.98	105.26
Individual	1	0.01	0.01
Others	12	43.43	20.28
Total	**41**	**846.79**	**226.06**

Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project and status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling for additional information/details or a brief presentation covering the project. If the application does not meet the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

A list of scientists, who assisted in the initial screening of applications, is appended to this report. TDB is thankful to them.

परियोजना मूल्यांकन

आई एस सी की सिफारिशों के आधार पर आवेदनों को परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए परियोजना की प्रकृति और उत्पादन को ध्यान में रखते हुए पी ई सी का गठन किया जाता है और परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए टी डी बी के बाहर से संबंधित क्षेत्रों (विज्ञान, तकनीकी और वित्तीय) के विशेषज्ञों को इस समिति में शामिल किया जाता है।

विशेषज्ञ (सेवारत अथवा सेवानिवृत्त) सरकारी विभागों, आर एंड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों और व्यावसायिक बैकों के हो सकते है। पी ई सी परियोजना स्थल का दौरा करती है। आवेदन को प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता सहित वैज्ञानिकी, तकनीक, मार्किटिंग, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रस्तुतीकरण की विस्तृत जानकारी देने का पूरा अवसर दिया जाता है।

मूल्यांकन मानदण्ड

आवेदनों को वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, वाणिज्यिक और वित्तीय प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकित किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल हैः-

- प्रस्ताव के विषयों का अनूठा और नवीनात्मक होना।
- सुदृढ़ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय प्राथमिकता।
- वृहत रूप से लागू करने के लिए और वाणिज्यिकरण से लाभप्रद संभावना।
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता।
- प्रस्तावित कार्रवाई नेटवर्क में आर एंड डी संस्थानो की क्षमता
- आंतरिक प्राप्ति सहित एंटरप्राइज की संगठनात्मक एवं वाणिज्यिक योग्यता।
- प्रस्तावित लागत की औचित्यपूर्णता और वित्त पोषण पैटर्न
- मापयोग्य उद्देश्य, लक्ष्य और निर्धारित लक्ष्य
- उद्यमी का पिछला रिकार्ड

Project Evaluation

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project and the product. PEC consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant fields from outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant along with the technology provider is given full opportunity to give a detailed brief on the scientific, technical, marketing, commercial and financial aspects and to provide in-depth information on various issues related to the project & the company.

Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- The uniqueness and innovative content of the proposal
- Soundness, scientific quality and technological merit
- Potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialization
- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organisational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur

गोपनीयता और पारदर्शिता

टी डी बी की यह मान्यता है कि गोपनीयता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव है जिसमें एक नया उत्पादन अथवा प्रक्रिया शामिल है। आवेदक द्वारा यह बताया जाता है कि टी डी बी को उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारी को सख्ती से गोपनीय रखा जाएगा और इसे परियोजना मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नहीं किया जाएगा। पी ई सी प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों का खुलासा न करने में आवेदकों की आशंकाओं की संवेदनशीलता को ध्यान में रखा जाता है।

आवेदकों के साथ पूर्ण रूप से विचार विमर्श करने के पश्चात पी ई सी के विशेषज्ञों द्वारा टिप्पणियां और सिफारिशों को अंतिम रूप दिया जाता है। बैठक समाप्ति पर पी ई सी की टिप्पणियों और सुझावों को आवेदकों को मौखिक रूप से बताया जाता है। यदि परियोजना प्रस्ताव की पी ई सी द्वारा सिफारिश नहीं की जाती तब आवेदन को टी डी बी द्वारा समाप्त कर दिया जाता है और आवेदक को सूचित किया जाता है।

वर्ष 2009 - 10 में परियोजना प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी) की 9 बैठकें आयोजित की गई।

वित्तीय सहायता का अनुमोदन

पी ई सी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए प्रस्तावित परियोजना को बोर्ड की उप समिति अथवा स्वयं बोर्ड द्वारा आगे और विचार किया जाता है। बोर्ड की मार्गदर्शिका के अनुसार प्रस्ताव को बोर्ड में भेजे जाने से पहले सम्पत्ति प्रबंधकों की सहायता से कुछेक विशिष्ट प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार किया गया।

मॉनीटरिंग एवं समीक्षा

टी डी बी ने जोखिम सम्बंधित लक्ष्यों के आधार पर लाभअर्जको को किस्तों से सहायता देने को अनुमोदन किया। दूसरी एवं अगली किस्तों को प्रत्येक अनुमोदित परियोजना के लिए गठित की गई परियोजना मॉनीटरिंग समिति की सिफारिशों के आधार पर जारी किया जाता है। परियोजना के मूल्यांकन के समय परियोजना मॉनीटरिंग समिति में वैज्ञानिक/ तकनीकी विशेषज्ञ शामिल किए जाते है। जो कि पी ई सी के सदस्य होते है।

टी डी बी ने वर्ष 2009 - 10 के दौरान परियोजना मॉनीटरिंग समिति, परियोजना मूल्यांकन एवं मॉनीटरिंग समिति, समीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के माध्यम से 26 बैठकें आयोजित की।

Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee. The PEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a comprehensive discussion with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC. The observations and suggestions of the PEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC, the application is closed by TDB under intimation to the applicant.

During the year 2009-10, nine (9) meetings of the Project Evaluation Committee (PEC) were held to evaluate the project proposals.

Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by PEC for financial assistance are further considered by a Sub-committee of the Board or by the Board itself. In accordance with the guidelines of the Board, due diligence is conducted on certain specific proposals with the help of asset managers before the proposal is referred to the Board for its consideration.

Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in installments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of installments depend on the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved projects. The PMC invariably consists of a scientific/technical expert who was a member of the PEC at the time of evaluation of the project.

TDB conducted twenty six (26) meetings through Project Monitoring Committees / Project Evaluation & Monitoring Committees, review meetings and inspections during 2009-10.

पी ई सी और पी एम सी को सहयोग देने वाले विशेषज्ञों की सूची

वर्ष 2009 - 10 के दौरान परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन, मॉनीटरिंग और समीक्षा से संबंधित क्षेत्रों से 63 विशेषज्ञों ने टी डी बी को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। विशेषज्ञों की सूची को इस रिपोर्ट के साथ लगाया गया है। टी डी बी उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनका आभार प्रकट करता है।

आवेदनों का सारांश

वर्ष 2009 - 10 के दौरान टी डी बी को प्राप्त हुए आवेदनों की जानकारी और 31 मार्च, 2010 तक आवेदनों की स्थिति को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है।

वर्ष 2009 - 10 में प्राप्त आवेदनों के सारांश की स्थिति

(करोड़ रू. में)

स्थिति	संख्या	अनुमानित कुल लागत	टी डी बी से मांगी गई सहायता
प्राप्त आवेदन	**41**	**846.79**	**226.06**
31.03.2009 को बंद	15	338.49	68.60
2009–10 में हस्ताक्षरित करार	7	26.23	13.70
पी ई सी को भेजे गए अथवा पी ई सी के पश्चात् की गई कार्रवाई	7	104.83	33.19
विचार/प्रारंभिक जांच के अधीन आवेदन	12	327.24	110.57

List of Experts who assisted the PEC and PMC

Sixty Three (63) experts from the relevant fields have provided their expertise to TDB in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing the projects during 2009-10. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2009-10 and the status of applications as on 31st March 2010 are indicated in the table given below:

Summary Status of Applications Received in 2009-10

(₹ in crore)

Status	Number	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Applications received	**41**	**846.79**	**226.06**
Closed as on 31-3-2010	15	388.49	68.60
Agreements signed in 2009-10	7	26.23	13.70
Referred to PEC or processed after PEC	7	104.83	33.19
Applications under consideration / under initial screening	12	327.24	110.57

सकारात्मक - सक्रिया भूमिका

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड औद्योगिक इकाइयों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के अलावा प्रो - एक्टिव भूमिका अदा करता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टी डी बी की सहायता व्यापक होनी चाहिए। प्रो - एक्टिव भूमिका के तौर पर टी डी बी ने नवीनता और नवीन उत्पाद/ सेवाओं वाले एस एस ई के माध्यम से शुरूआती चरण वाले वेन्चर को सहायता देकर अपना विस्तार करने के लिए वेन्चर केपिटल फंड में भी भागीदारी की है। टी डी बी की प्रेरणा और भागीदारी के परिणामस्वरूप वेन्चर लाने वाले पूंजीपतियों ने टी डी बी मिशन को अपना सहयोग दिया है। पूर्ववर्ती वर्षों में इन्क्यूबेटर में शुरूआत के लिए सीड सहायता प्रणाली (सीड सपोर्ट सिस्टम) में भागीदारी का निर्माण करके टी डी बी ने विकासोन्मुख पहल की है। टी डी बी ने युवा उद्यमियों द्वारा लाये जाने वाले नवीन प्रौद्योगिकी वेन्चर विचारों को फलदायी बनाने के लिए उन्हें प्रथम चरण वित्तीय सहायता देने के लिए सीड सपोर्ट फंड बनाया है। टी डी बी ने आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देने, सहयोग देने और विकास को सहयोग देने के लिए कई विदेशी संस्थानों नामतः एजेन्सी नेशनल डी वेलोराइजेशन डी ला रिर्सज (ए एन वी ए आर), फ्रांस, सेंटर फॉर द डवलेपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलोजी (सी डी टी आई), स्पेन और कामनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सी बी सी), यू के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए है।

टी डी बी ने दायित्व के निवर्हन के लिए उपरोक्त पहल के माध्यम से देशीय प्रौद्योगिकीय के विकास और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित किया है। बोर्ड ने वर्ष 2009 - 10 के दौरान निम्नलिखित पहलों का अनुमोदन किया है।

क. वैश्विक नवप्रर्वतन और प्रौद्योगिकी संबंध (जी आई टी ए) योजना में प्रतिभागिता

प्रौद्योगिकी सूचना प्रदान करने, विदेशी संगठनों के साथ नैटवर्किंग, विदेशी उद्योगों और अनुसंधान निकायों के साथ संयुक्त अनुसंधान के सुग्मीकरण, प्रौद्योगिकी सम्मेलनों और प्रौद्योगिकी मंचों के माध्यम से अंतक्रियाओं के आयोजन तथा द्विपक्षीय औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास के कार्यान्वयन के रूप में उद्योगों के लिए डी एस टी के अंर्तराष्ट्रीय संबंधों के लाभों को पहुचाने हेतु डी एस टी और सी आई आई द्वारा संयुक्त रूप से चलाई जाने वाली स्कीम वैश्विक नवप्रवर्तन और प्रौद्योगिकी संबंध हेतु एक स्कीम है।

इस स्कीम को भारत सरकत्र की ओर से राष्ट्र के लाभ के लिए एक अन्तरराष्ट्रीय औद्योगिक आर एण्ड डी कार्यक्रम के प्रोन्नयन एवं प्रबंधन के लिए तैयार किया गया है जिसे 11 वीं पंचवर्षीय योजना के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा गठित अन्तरराष्ट्रीय सहयोग संबंधी विशेषज्ञ समिति द्वारा संस्तुत किया गया था। नवम्बर, 2006 में 10 वें एशियाई प्रौद्योगिकी सम्मेलन के दौरान एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यतंत्र की आवश्यकता को औपचारिक रूप से महसूस किया गया और

PRO-ACTIVE ROLE

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialization should be comprehensive. In a proactive role, TDB has also participated in Venture Capital Funds to spread itself by providing support to early stage ventures through SMEs having innovation and innovative products / services. TDB's motivation and participation has resulted in the venture capitalists contouring their assistance to TDB's mission. TDB took a growth-oriented initiative by instituting the Seed Support Scheme for start-ups in Incubators in previous years to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition. TDB has signed Memoranda of Understanding (MoUs) with select foreign institutions, namely, Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation for technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies through the above initiatives. The Board approved the following initiatives during the year 2009-10.

(a) Participation in the scheme "Global Innovation & Technology Alliance" (GITA)

A scheme for Global Innovation & Technology Alliance popularly known as GITA which is being promoted jointly by DST & CII to extend the benefits of international linkages of DST to the industry in terms of providing technology information, networking with overseas organization, facilitating joint research with foreign industry and research entities, organizing interaction through technology summits and technology platform and implementing bilateral industrial R&D programme.

The scheme is designed for the promotion and management of an international industrial R&D programme for national benefits on behalf of the Government of India which was recommended by the Expert committees for international

इस कमी को पूरा करने के लिए इसके परिणामस्वरूप परियोजना मोड में जी आई टी ए को शुरू करने के लिए डी एस टी और सी आई आई के बीच एक समझौता ज्ञापन सम्पन्न हुआ। डी एस टी और सी आई आई के संयुक्त कार्यकलापों का सांस्थानिकरण करने और इसे आगे और अधिक सुदृढ़ बनाने और व्यापक आधार प्रदान करने तथा भारत-कनाडा औद्योगिक अनुसंधान और विकास (आई सी आर डी) कार्यक्रम तथा (क) भारत-आसिमान एस एण्ड टी विकास निधि और (ख) संस्तुत परियोजना के अन्तर्गत वैज्ञानिकों के आदान-प्रदान के भारत-ताइवान विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के प्रबंधन के पश्चात भारत-ईजरायल औद्योगिक अनुसंधान और विकास पहल (आई 4 आर डी) जैसे संयुक्त अन्तरराष्ट्रीय औद्योगिक अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों के लिए पेशेवर प्रबंधन प्रदान करने के लिए भी जी आई टी ए के गठन की योजना बनाई गई है।

परियोजना और निदर्शन पद्धति में जी आई टी ए द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका तथा भारत के साथ द्विपक्षीय औद्योगिक अनुसंधान और विकास सहयोग करने के लिए विभिन्न देशों की बढ़ती प्रतिक्रिया को देखते हुए डी एस टी के विभिन्न मंत्रालयों द्वारा संचालित किए जा रहे सभी संयुक्त अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों को पेशेवर प्रबंधन उपलब्ध कराने के लिए एक स्वायत्तशासी सोसाइटी के रूप में जी आई टी ए के सांस्थानिकरण करने हेतु कार्य करना आरंभ कर दिया है। ऐसी योजना बनाई गई है कि अगले कुछ वर्षों में जी आई टी ए और बढ़ी भूमिका निभाएगा तथा इसे राष्ट्रीय निकाय (एटटीज़) के रूप में स्थापित किया जाएगा और यह स्वयं को एक लाभ रहित सोसाइटी के रूप में सी आई आई और भारत सरकार के प्रासंगिक ऊर्ध्वाधर मंत्रालयों के बीच भागीदारी मोड में स्थापित करेगा और राष्ट्र तथा आर्थिक संवृद्धि के लिए नवोन्मेष परिवेश, औद्योगिक अनुसंधान और विकास तथा प्रौद्योगिकी उपयोग के विकास और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में संयुक्त औद्योगिक अनुसंधान और विकास अवसरों की तलाश करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा पारस्परिक अन्तर क्रिया करने के लिए एक एकल पटल के रूप में कार्य करेगा और ऐसी समस्त परियोजनाओं के सभी प्रकार के व्यावसायिक प्रबंधन उपलब्ध कराएगा।

टी डी बी को इस बात का आभास है कि जी आई टी ए के अन्तर्गत द्विपक्षीय कार्यक्रमों का कार्यान्वयन डी एस टी में उपर्याप्त वित्तपोषण कार्यतत्र के कारण प्रभावित हो रहा है। अतः टी डी बी ने जी आई टी ए के कार्यान्वयन के उपयुक्त वित्तपोषण प्रवाह तंत्र का विस्तार करने के लिए डी एस टी और सी आई आई के साथ पहल कर एक साथ कार्य करने के लिए हाथ मिलाया है। प्रस्तावित कार्यकलाप इस अन्तराल को भरने में मदद करेगा और स्थापित वैज्ञानिक विचारों को परिपक्व नवोन्मेषों में परिवर्तित करने में एक उत्प्रेरक का कार्य करेगा जिससे इनका वाणिज्यीकरण हो सकेगा।

(ख) भारत - स्पेन नवोन्मेष कार्यक्रम (आई एस आई पी) के अन्तर्गत अनुमोदित परियोजनाएं

वर्ष 2009 - 10 के दौरान, संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग/ हस्तांतरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित,

cooperation set up by the Ministry of Science & Technology for the 11th Five Year Plan. In November 2006, during the 10th ASEAN Technology Summit, the need of an institutional mechanism was formally recognized and to bridge the gap fructified into an MoU between the DST and CII for starting GITA in project mode. Formation of GITA was planned to institutionalize and further strengthen and broad-base the joint activities of DST and CII and also provide professional management to the joint International Industrial R&D programmes such as the India-Canada Industrial R&D (ICRD) Programme and the Indo-Israel Initiative for Industrial R&D (i4RD) followed by management of (a) Indo-ASEAN S&T Development Fund and (b) Indo-Taiwan S&T Programme of scientist exchange under the recommended project.

Looking at the successful role played by GITA in a project and demonstration mode and growing response from various countries for entering into bilateral industrial R&D collaboration with India, DST initiated action for institutionalization of GITA as an autonomous Society to provide professional management of all joint industrial R&D programmes being conducted by various ministries. It has been planned that over the next few year, GITA will play a bigger role and will be set up as a national entity and establish itself in a partnership mode between CII and relevant vertical Ministries of Government of India, as a not-for-profit Society and play an important role in the development and growth of the innovation ecosystem, industrial R&D and technology exploitations for national and economic growth. It will act as a single window for interaction by all global players looking at joint industrial R&D opportunities in India, and also provide end to end professional management of all such projects.

TDB realized that implementation of the bilateral program under GITA is being affected due to inadequate funding mechanism in DST. Therefore, TDB took initiative and joined hands with DST & CII, extending suitable fund flow mechanism for the operation of GITA. The proposed activity will help to bridge the gap and act as a catalyst to convert the proven scientific ideas into mature innovations resulting in their commercialization.

(b) Projects Approved under India Spain Innovating Program (ISIP)

During the year 2009-10, TDB has approved two bilateral projects under ISIP between CDTI, Spain and TDB to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME

सहायित एवं वित्त पोषित करने तथा आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवोन्मेष के द्वारा एस एम ई संवृद्धि को सहायता प्रदान करने के लिए टी डी बी ने सी डी टी आई स्पेन और टी डी बी के मध्य आई एस आई पी के अन्तर्गत दो द्विपक्षीय परियोजनाओं को अनुमोदित किया है। अनुमोदित परियोजनाएं निम्नानुसार हैः

1. **बीटेंशन** - नई निम्न वोल्टेज प्रौद्योगिकियों को विकास करने के लिए दो स्पेनिश भागीदारों (मैसर्स प्रोन्यूटेक, एस ए और मैसर्स टेलीग्रोन एस ए) तथा दो भारतीय भागीदारों (मैसर्स जैम टेलीग्रोन स्विचगियर्स प्रा. लि. और गोर्लेन टेक्नोलोजिज प्रा. लि.) के साथ 36 महीनो की अवधि वाली एक सहयोगी परियोजना।

2. **बेंगाला** - सुपरक्रिटिकल कार्बन डाइऑक्साइड सहित भारतीय मूल के एरोमेटिक अवयवों के निष्कर्षण हेतु समेकित औद्योगिक प्रक्रियाओं के विकास के लिए एक मुख्य प्रतिभागी के रूप में स्पेन से एक भागीदार (मैसर्स सोल्यूकायन्स एक्सट्रेक्टिव एलीमेन्टेरियाज़, स्पेन) और एक अन्य प्रतिभागी के रूप में भारत से एक भागीदार (मैसर्स कनोरिया कैमीकल्स एण्ड इडस्ट्रीज लिमिटेड, भारत) के साथ एक 22 महीनो की अवधि वाली एक सहयोगी परियोजना।

(ग) इक्यूबेटर्स में शुरूआत कर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

टी डी बी ने युवा उद्यमियों का संवर्धन करने तथा अपने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम संबंधी विचारों को फलदायक स्थिति तक लाने और अंततः बाजार तक उन्हें पहुचाने के लिए अत्यंत आवश्यक शुरूआती/ आरंभिक स्तर की पूंजी प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा। इससे कुछ नवोन्मेषी विचारों/ प्रौद्योगिकीयों को उस स्तर तक ले जाने में सहायता करेंगे जहां ये सफल वाणिज्यीकरण के अपने मार्ग पर टी डी बी/ एफ आई एस माध्यमों के द्वारा सामान्य ऋण प्राप्त करने के लिए उपयुक्त होंगे। अतः प्रस्तावित सहायता को प्रौद्योगिकीयों के विकास एवं वाणिज्यकरण के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया है।

टी डी बी ने वर्ष 2005 - 06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर में शुरूआत करने वालों के लिए सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत पांच प्रौद्योगिकीय व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है और टी डी बी ने इस स्कीम का विस्तार किया है और वर्ष 2007 - 08 में दूसरे चरण में प्रत्येक को 100 लाख रूपये सहित अन्य पांच इन्क्यूबेटर्स को सहायत प्रदान की है।

वर्ष 2009 - 10 के दौरान सीड सहायता स्कीम के अन्तर्गत प्रत्येक को 100 करोड़ रू. की अनुदान सहायता के साथ निम्नलिखित 5 नए एस टी ई पी/ टी बी आई एस को भी सहायता प्रदान की गई है।

growth via technology transfer and innovation for the purpose of generating economic benefits to both the countries. The projects approved are as follows:-

1. **BTENSION**- A collaborative 36 months duration project with two Spanish partners (M/s Pronutec, S.A. and M/s Telergon, S.A.) and two Indian partners (M/s Gem Telergon Switchgears Pvt. Ltd. and Gorlan Technologies Pvt. Ltd.), for development of new low voltage technologies.

2. **BENGALA**- A collaborative 22 months duration project with one Spanish partner (M/s Soluciones Extractivas Alimentarias, Spain) as the main participant and one Indian partner (M/s Kanoria Chemicals & Industries Ltd., India) as the other participant for development of integrated industrial processes for the extraction of aromatic ingredients of Indian origin with supercritical carbon dioxides

(c) Seed Support Scheme for Start-Up in Incubators

TDB continued to provide financial support to Technology Business Incubators (TBIs) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) to extend much needed early stage /start-up capital to young entrepreneurs to incubate and to bring their innovative technology venture ideas under development to fruition and finally to reach the market place. This would enable some of these innovative ideas/ technologies to graduate to a level where they can then be fit for seeking normal lending through TDB/ FI's route on their way to successful commercialization. Thus the proposed assistance is positioned to act as a bridge between development & commercialization of the technologies.

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support Scheme for Start-up in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well and TDB extended the scheme and supported another five incubators for ₹ 100 lakh each in the second round in 2007-08.

During 2009-10, the following five STEP/ TBI's have been provided Seed Support fund of ₹ 100 lakh in the third round of the scheme.

1. एमिटी बिजनेस इन्क्यूबेटर, एमिटी यूनिवर्सिटी कैम्पस, नोएडा (उत्तर प्रदेश)
2. एन आई टी के - एस टी ई पी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सुरथकल (कर्नाटक)
3. ग्रामीण प्रौद्योगिकी और व्यवसाय इन्क्यूबेटर, आई आई टी मद्रास, चेन्नई
4. उद्यमिता विकास केन्द्र, एन सी एल, पुणे
5. अमृता टेक्नोलोजी बिजनेस इन्क्यूबेटर, अमृता विश्व विद्यापीठन, कोल्लम (केरल)

प्रौद्योगिकीय विचारों, प्रयोगशाला स्तर की प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकीय उद्यमिता के संवर्धन का पोषण करने के लिए टी डी बी ने 15 प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) और एस टी ई पी को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने 62 इन्क्यूबेटीज़ कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

1. Amity Business Incubator, Amity University Campus, Noida (UP)
2. NITK- STEP, National Institute of Technology Surathkal, (Karnataka)
3. Rural Technology and Business Incubator, IIT Madras, Chennai
4. Entrepreneurship Development Centre, NCL, Pune
5. Amrita Technology Business Incubator, Amrita Vishwa Vidyapeetham, Kollam (Kerala)

To nurture the incubation of technological ideas, lab scale technologies and technological entrepreneurship, TDB has extended support to 15 Technology Business Incubators (TBIs) and STEPs. These Incubators have provided assistance to 62 Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

प्रोन्नति/ प्रचारक गतिविधियां

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किसी औद्योगिक कंपनी द्वारा स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार स्थापित करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय पुरस्कार में दो प्रकार के घटक शामिल है। (i) वे औद्योगिक इकाइयाँ जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक वाणिज्यिकरण किया जाता है। (ii) ऐसी प्रौद्योगिकियों के विकास/ प्रदानकर्ता। प्रत्येक में 10 लाख रूपए का नगद पुरस्कार और ट्राफी होती है। 11 मई 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रथम बार राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया और इसके पश्चात प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर अर्थात 11 मई को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

एस एस आई इकाईयों के लिए पुरस्कार

टी डी बी ने अगस्त, 2000 में उन एस एस आई इकाई को जिन्होंने सफलतापूर्वक प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का वाणिज्यिकरण किया, के लिए 2 लाख रूपए नकद और एक ट्राफी का पुरस्कार आरंभ किया। पहला एस एस आई पुरस्कार 11 मई, 2001 को दिया गया और इसके पश्चात प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर अर्थात 11 मई को प्रत्येक वर्ष एस एस आई यूनिट के लिए पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2009

वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होंने अप्रैल, 2004 के बाद स्वदेशी प्रौद्योगिकी का वाणिज्यिकरण किया वे पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र होते हैं। विज्ञापन के प्रति उत्तर में टी डी बी को 123 आवेदन प्राप्त हुए - 57 आवेदन 10 लाख रूपए के पुरस्कार के लिए और 27 आवेदन 2 लाख रूपए और 35 आवेदन दोनों पुरस्कारों के लिए प्राप्त हुए। 4 आवेदन अन्तिम तिथि पश्चात प्राप्त होने के कारण पुरस्कार के लिए पात्र नहीं पाए गए।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2009 के लिए गठित की गई चयन समिति में श्री जी माधवन नायर, सचिव, अंतरीक्ष विभाग एवं अध्यक्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), बंगलौर को समिति के अध्यक्ष के रूप में; डॉ. ए वी रामाराव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मैसर्स ए वी आर ए लैबोरेट्रीज़ प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद; श्री विजय टोपा, फिक्की के महासचिव के सलाहकार, नई दिल्ली और श्री सोमनाथ घोष, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन आर डी सी, नई दिल्ली को सदस्यों के रूप में शामिल किया गया।

Promotional Activities

National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/ provider of such technology. Each component carries a cash award of ten lakh rupees and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999 and thereafter, it has been decided to give the National Awards every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11th May.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of ₹ 2 lakh and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001 and thereafter it has been decided to give the Award for SSI Unit every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11th May.

National Award 2009

The industrial concerns that have commercialized indigenous technologies after April 2004 were eligible to apply for the National Award 2009. In response to the advertisements, TDB received 123 applications – 57 applications for the award of ₹ 10 lakh and 27applications for the award of ₹ 2 lakh and 35 applications for both awards. 4 applications received after the last dates were not considered eligible for the award.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2009, consisted of Shri G. Madhavan Nair, Secretary, Department of Space & Chairman, Indian Space Research Organization (ISRO), Bangalore as Chairman of the committee; Dr. A.V. Rama Rao, Chairman & Managing Director, M/s AVRA Laboratories Pvt. Ltd., Hyderabad; Shri Vijay Topa, Advisor to Secretary General, FICCI, New Delhi and Shri Somenath Ghosh, Chairman & Managing Director NRDC, New Delhi as members.

चयन समिति ने आई आई सी टी, हैदराबाद द्वारा विकसित एनजाईमेटिक डीगमिंग प्रक्रियाओं का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता राईस ब्रैन तेल का उत्पादन करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण हेतु वर्ष 2009 के राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए मैसर्स ए पी ऑरगैनिक प्रा. लि. जिला संगरूर, धुरी (पंजाब) का चयन किया। राइस ब्रैन तेल के फैटीएसिड संगठन को परिवर्तित किए बिना और खाद्य तेल के रूप में राइस ब्रैन तेल के व्यापक महत्व को बनाते वाली इसकी उत्कृष्ट ऑक्सीडेटीव स्थिरता के साथ एनजाईमेटिक डीगमिंग के दौरान गामा ओरिजेनोल, टोको ट्रियोनोल्स, टोकोफेरोल फाइटोस्ट्रेरोल्स स्ट्राइल ईस्टर और सिक्यूलेंस यथा स्थिति में भने रहने जैसे इसके स्थापित पोषणात्मक लाभों के साथ बहुत सारे लघु तत्वों सहित राईसेला ब्रांड नाम से खाना बनाने वाले तेल के उद्देश्य से कंपनी ने ब्रांडिड रिफाइंड राइस ब्रैन तेल का उत्पादन किया है।

एस एस आई यूनिट के लिए पुरस्कार - 2009

चयन समिति ने एस एस आई श्रेणी में पुरस्कार के लिए निम्नलिखित दो कंपनियों का चयन किया है।

मैसर्स कस्टमाईज्ड टैक्नोलोजिज़ (प्रा.) लि. बंगलौर को रैपीड - I ब्रांड नाम से सी एम ओ एस डीजीटल कैमरा और रैपीड सी ए डी के साथ उच्च रेजोल्यूशन नॉन कांटेक्ट विजन इंस्पेकशन सिस्टम को विकसित और वाणिज्यीकृत करने के लिए चुना गया। यह मशीन अत्यधिक सटिकता एवं पुनर्रावृत्ति योग्यता के साथ पार्ट डाईमेंशन्स का मापन करती है और मापन को आसान बनाने के लिए रैपीड सी ए डी की अत्याधुनिकता और आप्टीकल रैज्योलूशन को एक साथ लाते हुए जांच प्रक्रिया में तेजी लाती है।

मैसर्स सुरभि बायो मेडिकल इंस्ट्रूमेटेशन (इंडिया) प्रा. लि. कोयम्बटूर (तमिलनाडू) को एथिरोली टाइनी 16 ए ब्रांड नाम से 6 घंटे के बैटरी बैक - अप के साथ 16 चैनल आर्किटेक्चर में अल्ट्रापोर्टेभल कलर डॉप्लर अल्ट्रासाउंड स्कैनर का अभिकल्पन और विकास करने के लिए चुना गया है। इस उत्पाद को मल्टीडोक्यूमेंट इंटरफेस वींडो के साथ उद्योग के सबसे पहले निम्न लागत कलर डाप्लर के रूप में लाया गया है और 200 से अधिक यूनिटों में इस कलर डाप्लर को लगाया गया है जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हुई है।

बोर्ड पुरस्कार विजेताओं का चयन करने के लिए चयन समिति के सदस्यों के प्रति अपना आभार प्रकट करता है।

पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2009 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह - 2009 मनाया गया डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, भारत के पूर्व राष्ट्रपति ने मुख्य अतिथि के रूप में इस समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. एम. के. भान, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया गया। श्री किरण कार्निक ने मानद अतिथि

The Selection Committee selected **M/s A.P. Organic Pvt. Ltd., District Sangrur, Dhuri, (Punjab)** for National Award 2009 for commercializing Indigenous Technology to produce High Quality Rice Bran Oil by employing enzymatic degumming process developed by IICT, Hyderabad. The company has launched the branded Refined Rice Bran Oil for direct cooking purposes under the brand name "Ricela" without altering the fatty acid composition of the rice bran oil and a host of minor constituents with proven nutritional benefits such as gamma oryzanol, tocotrienols, tocopherol, phytosterols, steryl esters and squalene remained intact during the enzymatic degumming, along with its excellent oxidative stability which account for the tremendous importance of rice bran oil as edible oil.

Award for SSI Unit – 2009

The Selection Committee selected following two companies for the award in SSI category.

M/s Customised Technologies (P) Ltd., Bangalore, were selected for developing and commercializing a High Resolution Non-Contact Vision Inspection System with CMOS Digital Camera and Rapid CAD under the Brand name Rapid I. The machine measures part dimensions with utmost accuracy & repeatability and speeds up the inspection process combining the optical resolution and the sophistication of Rapid CAD to ease the measurement.

M/s Surabi Biomedical Instrumentation (India) Pvt. Ltd., Coimbatore (Tamilnadu), were selected for designing and developing an ultraportable Color Doppler Ultrasound Scanner in16 Channel architecture with 6 hours battery back up under the Brand name Ethiroli Tiny 16a. The product is introduced as industry's first low cost Color Doppler with Multi Document Interface window and installed more then 200 units of Color Doppler thereby saving Foreign exchange

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for selecting the award winners.

Presentation of the Awards

The Technology Day Function 2009 celebrated on 11th May 2009 was presided over by former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam as Chief Guest. The technology Day Lecture was delivered by Dr. M.K. Bhan, Secretary, Department of

के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और " ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकी " पर व्याख्यान दिया।

निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड ने वर्ष 2009 - 10 के लिए पुरस्कार समारोह को स्थगित कर दिया और पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पुरस्कार और एस एस आई यूनिट के लिए पुरस्कार - 2009 को अगले प्रौद्योगिकी दिवस अर्थात 11 मई, 2010 को प्रदान करने का निर्णय लिया।

उद्योगों के साथ पारस्परिक बैठकें

टी डी बी ने उद्योगों, संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं के साथ उद्योग संघों और आर एंड डी संगठनों इत्यादि के साथ बहुत सी बैठकें आयोजित की। टी डी बी ने विभिन्न प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

इन बहुविध प्लेटफार्मों के माध्यम से टी डी बी ने उद्योगों, आर एंड डी संगठनों, अकादमी संस्थानों, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संगठनों इत्यादि में विशेषकर देश में विकसित प्रौद्योगिकी के लिए उनके वाणिज्यीकरण प्रयासों के लिए आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता की उपलब्धता के बारे में जागरूकता फैलाती है।

इस प्रकार की बैठकें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत भारत और विदेशों में अहमदाबाद, बेंगलोर, बीजिंग (चीन), ब्रसल्स (बेल्जियम), भोपाल, भुवनेश्वर, बीकानेर, बुडापेस्ट (हंगरी), कैरो (इजीप्ट), चंडीगढ़, चैन्ने, चिदम्बरम, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली - देवणैरे, गुजरात, गुड़गांव, गुवाहाटी, ग्रेटर नोएडा, हैनोओवर (जर्मनी), हैदराबाद, हुबली, इम्फाल, इंदौर, इस्तमबुल (टर्की), जयपुर, जम्मू, जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका), कानपुर, केरल, कोच्ची, कोलकाता, लखनऊ, लुधियाना, मैट्रिड (स्पेन), मदुरै, मुम्बई, मैसूर, नोएडा, नागपुर, ऑक्सफोर्ड (यू. के.) पुणे, राजामुंदरी, राजापालायम, राजकोट, रूड़की, रूद्रपुर, साओ पोलो (ब्राजील), शिलांग, शिमला, तमिलनाडु, तिरूवनंतपुरम, तिरूचिरापल्ली, दरयपुर, वाणी, वेल्लोर और विजयवाड़ा में सितम्बर, 1996 से आयोजित की गई है।

टी डी बी द्वारा अब तक हस्ताक्षर किए गए राज्यवार वितरण का विश्लेषण यह दर्शाता है कि वाणिज्यिक उद्यमियों को देशीय प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है अब तक कवर नहीं किए गए अन्य राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में प्लांट लगाए जाने चाहिए।

टी डी बी ने देश भर में फैले चैम्बर्स ऑफ कामर्स, ट्रेड एसोशिएशन और संस्थानों के घनिष्ठ समन्वय में कार्यशालाएं आयोजित की और भागीदारी की। टी डी बी के अधिकारियों ने वर्ष 2009 - 10 के दौरान

Biotechnology. Shri Kiran Karnik graced the occasion as the Guest of Honor and delivered a Lecture on 'Technology for Rural Development'.

In view of guidelines from the Election Commission, the Board postponed the Award Ceremony for the year 2009-10 and decided to present the National Award & SSI awards for 2009 to the award winners on the next Technology Day i.e. 11th May, 2010.

Interactive Meetings with Industry

TDB organises a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations and R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the Industries, R&D Organisations, Academic Institutions, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialization efforts especially for indigenously developed technologies.

Such meetings have been held in India and abroad under the Ministry of Science & Technology at Ahmedabad, Bangalore, Beijing (China) Brushells (Belgium), Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Budapest (Hungary), Cairo (Egypt), Chandigarh, Chennai, Chidambaram, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Devangere, Gujarat, Gurgaon, Guwahati, Greater Noida, Hannover (Germany), Hyderabad, Hubli, Imphal, Indore, Istanbul (Turkey), Jaipur, Jhunjhunu, Jammu, Johannesburg (South Africa), Kanpur, Kerala, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madrid (Spain), Madurai, Mumbai, Mysore, New Delhi, Noida, Nagpur, Oxford (UK), Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Roorkee, Rudrapur, Sao Paulo (Brazil), Shillong, Shimla, Tamilnadu, Thessaloniki (Greece), Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vellore and Vijayawada since September 1996.

An analysis of the state-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

TDB has participated and organized workshops in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions spread all over the

प्रदर्शनियों में भाग लिया और उद्योगों और संस्थानों के साथ पारस्परिक बैठके आयोजित की। इनकी सूची निम्नलिखित हैं :-

30 मई, 2009

डॉ. महेन्द्र पाल ने एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अनुसंधानकर्ताओं एवं शुरूआतकर्ताओं के लिए परियोजना वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी परामर्श" पर नोएडा (उत्तर प्रदेश) में **30 मई, 2009** को आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला नवोन्मेषी विचारों की तकनीकी परामर्श आवश्यकताओं और परियोजना वित्त पोषण पर केन्द्रित थी। डॉ. पाल ने औद्योगिक संगठनों के लिए टी डी बी की वित्तीय सहायता पर प्रस्तुतीकरण दिया। लगभग 100 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. पाल ने शिष्टमंडलों के साथ विचार - विमर्श किया और नई कम्पनियों/ उद्यमियों के लिए टी डी बी की वित्तीय सहायता पर विचार का आदान - प्रदान किया।

18 - 20 जून, 2009

टी डी बी ने बंगलौर में **18 - 20 जून, 2009** के दौरान आयोजित नौवीं बंगलौर बायो - 2009 प्रदर्शनी में भाग लिया। इस प्रदर्शन का मुख्य विषय "सीमाओं से परे जैव प्रौद्योगिकी - भारत की संभावनाएं" था। इस प्रदर्शनी में 150 से अधिक संगठनों/ एजेंसियों ने भाग लिया। टी डी बी के स्टॉल पर विगत 12 वर्षों के दौरान टी डी बी द्वारा अर्जित उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। डॉ. प्रीति सहाय, परियोजना समन्वयक ने कार्यक्रम में भाग लिया और नई प्रौद्योगिकियों विशेषकर आई टी और बी टी क्षेत्रों के लिए वाणिज्यीकरण में टी डी बी की भूमिका के बारे में परिचित करवाया और उन्होंने लगभग 300 प्रतिनिधियों के साथ परस्पर विचार - विमर्श किया और उन्हें टी डी बी वित्तपोषण कार्यतंत्र के बार में जानकारी प्रदान की।

20 - 21 जून, 2009

टी डी बी ने **20 - 21 जून, 2009** को 7 वें इंफ्राएडुका, नई दिल्ली एक शिक्षा एवं उद्योग से संबंधित मेले में भाग लिया। विज्ञान और एवं प्रौद्योगिकी के लिए अवसर खोजने में भारत के कदमों पर बल देना इस मेले का मुख्य बल दिए जाने वाला विषय था। टी डी बी का इसमें भाग लेने का उद्देश्य टी डी बी के वित्तपोषण कार्यक्रम के बारे में जानकारी पैदा करना था। नई पीढ़ी के उद्यमियों ने टी डी बी से इसकी स्कीमों के लिए सम्पर्क किया।

4 - 5 जुलाई, 2009

टी डी बी ने **4 - 5 जुलाई, 2009** को चंडीगढ़ में 7 वें इंफ्रा एडुका - 2009 चंडीगढ़ में भाग लिया जिसमें शिक्षा उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस प्रदर्शनी में ग्रामीण क्षेत्र, प्रौद्योगिकीय

country. TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2009-10. These are listed below.

May 30, 2009

Dr. Mahendra Pal attended a Workshop held on **30th May 2009** at Noida (UP) on 'Project Funding and Technology Consulting for Researchers and Startup' organized by Amity University. The workshop was focused on Project Funding & Technical Consulting requirements of Innovative Ideas. Dr. Pal made a presentation on TDB's financial support to industrial concerns. About 100 participants attended the workshop. Dr Pal interacted with the delegates and exchanged views on TDB's financial assistance to the new companies / entrepreneurs.

June 18-20, 2009

TDB participated in the ninth Bangalore Bio 2009 exhibition held during **18th to 20th June, 2009** at Bangalore. The theme of the exhibition was "Biotechnology Beyond Boundaries-The Promise of India". More than 150 organizations / agencies participated in the exhibition. The achievements made by TDB during the last 12 years were displayed at the stall of TDB. Dr. Preeti Sahai, Project Coordinator, attended the event and briefed on the role of TDB in commercialization of new technologies especially in IT & BT sectors and interacted with about 300 delegates and apprised them about the TDB funding mechanism.

June 20-21, 2009

TDB participated in the 7th Infraeduca 2009, New Delhi, an education and industry fair on **20th – 21st June 2009** at Pragati Maidan, Delhi. The main thrust of the fair was to focus on India's strides in Science & Technology and exposure to Science & Technology. The participation of TDB was to create awareness about the TDB funding programme. New generation entrepreneurs approached TDB for its schemes.

July 4-5, 2009

TDB participated in the 7th Infraeduca 2009,Chandigarh, which had

उन्नति तथा निवेशकों के लिए अवसरों तथा अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने वाली और सार्वजनिक निजी भागीदारी विकसित करने वाली कम्पनियों में स्तरोन्नयन हेतु विभिन्न परियोजनाओं और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया। टी डी बी ने वित्त पोषण कार्यतंत्र का पूर्वालोकन प्रस्तुत किया बहुत से आगन्तुकों ने टी डी बी के कार्यकलापों में रूचि दिखाई।

6 - 8 अगस्त, 2009

डॉ. महेन्द्र पाल ने **06 - 08 अगस्त, 2009** के दौरान पी एस जी कॉलेज, कोयम्बटूर में व्यवसाय इन्क्यूबेशन पर चौथे एशिया प्रशान्त सम्मेलन में भाग लिया। डॉ. पाल ने औद्योगिक इकाइयों के लिए टी डी बी की वित्तीय सहायता/ सीड सहायता पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। डॉ. पाल ने सम्मेलन में भाग लेने वाले लगभग 100 प्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श किया और उन्हें टी डी बी के वित्त पोषण संबंधी दिशा निर्देशों तथा सीड सहायता स्कीम से अवगत कराया।

29 अगस्त, 2009

डॉ. महेन्द्र पाल ने हैदराबाद में एन एस टी ई डी बी (डी एस टी) द्वारा आयोजित "सीड सहायता निधि" पर **29 अगस्त, 2009** को हैदराबाद में सम्पन्न हुई। संगोष्ठी में भाग लिया। विगत 3 - 4 वर्षों के दौरान टी डी बी ने इन्क्यूबेटर्स में शुरूआत कर्ताओं के लिए अपनी सीड सहायता स्कीम के माध्यम से भारत में इन्क्यूबेशन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. पाल ने औद्योगिक संगठनों के लिए टी डी बी की वित्तीय सहायता/ सीड सहायता पर एक प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया। डॉ. पाल ने संगोष्ठी में भाग लेने वालों के साथ विचार - विमर्श किया और उन्हें टी डी बी के वित्त पोषण दिशा निर्देशों तथा सीड सहायता स्कीम के बारे में अवगत कराया।

5 - 13 सितम्बर, 2009

आई टी पी ओ नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी/ मेला थेसालोनिकी (ग्रीस) में **5 से 13 सितम्बर, 2009** को सम्पन्न हुआ जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वाधान में टी डी बी ने भाग लिया। यद्यपि टी डी बी ने उपरोक्त प्रदर्शनी के लिए कोई अधिकारी तैनात नहीं किया था लेकिन पोस्टरों के साथ टी डी बी की प्रदर्शन सामग्री को डी एस टी की ओर से भाग लेने वाले कार्मिकों द्वारा प्रस्तुत/ प्रदर्शित किया गया। इसमें भाग लेने का उद्देश्य पारम्परिक और आधुनिक भारत के बीच सन्तुलन के साथ विभिन्न क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों एवं क्षमताओं को प्रदर्शित करना और उन एन आर आई उद्यमियों को आकर्षित करना था जो भारत में उद्यम स्थापित करना चाहते हैं।

representation from the education industry on **4th – 5th July 2009** at Chandigarh. The expo highlighted various projects and technologies for upgradation in the Rural sector, technological advancements and opportunities for investors as well as companies showcasing their capabilities and developed public private partnerships. TDB presented an overview of the funding mechanisms and a number of visitors showed interest in the activities of TDB.

August 6-8, 2009

Dr. Mahendra Pal attended the 4th Asia Pacific Conference on Business Incubation (APIN) at PSG College, Coimbatore during **6-8 August 2009**. Dr Pal made a presentation on TDB financial support to industrial concern/ Seed Support. Dr. Pal interacted with about 100 delegates who attended the conference and apprised them about the funding guidelines of TDB and the Seed Support Scheme.

August 29, 2009

Dr. Mahendra Pal attended a Seminar held on **29th August 2009** at Hyderabad on 'Seed Support Fund' organized by NSTEDB (DST) at Hyderabad. TDB has played an important role in the development of Incubation in India through its Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators during the last 3-4 years. Dr Pal made a presentation on TDB financial support to industrial concern/ Seed Support. Dr. Pal interacted with the delegates who attended the Seminar and apprised them about the funding guidelines of TDB and the Seed Support Scheme.

September 5-13, 2009

An Exhibition/Fair was held at Thessaloniki (Greece) from **5th to 13th September, 2009** organized by ITPO, New Delhi in which TDB participated under the aegis of Department of Science & Technology. Though TDB did not depute an officer to the said exhibition, the exhibition material of TDB alongwith posters were presented / displayed by the officials participating on behalf of DST. The objective of participation was to project India's achievements and capability in different spheres with balance between traditional and modern India and to attract NRI entrepreneurs who may like to set up ventures in India.

10 - 12 अक्तूबर, 2009

टी डी बी ने देहरादून में **10 - 12 अक्तूबर, 2009** के दौरान आयोजित तीसरे डेस्टीनेशन उत्तराखंड - 2009 मेगा प्रदर्शनी में भाग लिया। इस प्रदर्शनी को संयुक्त उद्यमों प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, उप - संविदात्मक भागीदारी तथा डीलर नेटवर्क और तुरन्त होने वाली व्यवसाय सहमतियों को प्रोत्साहित करने के लिए अभिकल्पित किया गया था। टी डी बी ने पोस्टरों, पुस्तिकाओं और पाठ्य सामग्रियों के माध्यम से टी डी बी द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता और विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस प्रदर्शनी में भाग लिया।

29 - 30 अक्तूबर, 2009

टी डी बी ने देश में हरित व्यवसाय उद्यमों को सहायता करने के लिए मुम्बई में **29 - 30 अक्तूबर, 2009** के दौरान न्यू इंडिया वेंचर्स (हैदराबाद) द्वारा आयोजित 'इन्वेस्टर फोरम 2009' संगोष्ठी/ कार्यशाला में भाग लिया। उद्योग/ संस्थानों/ उद्यम पूंजी एजेसियों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। श्री शंशाक सिन्हा, परियोजना समन्वयक ; टी डी बी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और टी डी बी की वित्तपोषण स्कीमों पर प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया। इसमें भागीदारी करने से टी डी बी को बड़ी संख्या में उद्योगों से भाग लेने वालों तक सम्पर्क स्थापित करने और जागरूकता सृजन करने में सहायता मिली।

30 अक्तूबर, 2009

फिक्की और भारत उद्यम पूंजी एसोसिएशन (आई वी सी ए) के साथ संयुक्त रूप से राजस्थान उद्यम पूंजी निधि (आर वी सी आर), जयपुर द्वारा **30 अक्तूबर, 2009** को जयपुर में आयोजित "उद्यम पूंजी वित्त पोषण - नवोन्मेष एवं उद्यमिता को बढ़ावा (वी सीर एफ आई सी)" पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. पी. एस. राजू, वैज्ञानिक ने भाग लिया। डॉ. राजू ने "प्रौद्योगिकी बोर्ड द्वारा प्रौद्योगिकी वित्त पोषण" पर व्याख्यान दिया। इस सम्मेलन में एक दिवस तक चली कार्यवाहियों में उद्योग, प्रबंधन एवं वित्तीय संस्थानों, उद्यमियों, वी सी, निधि संचालकों तथा सरकारी एजेसियों से 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

3 - 7 जनवरी, 2010

टी डी बी ने **3 - 7 जनवरी, 2010** के दौरान तिरूवनंतपुरम, केरल में 97 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस प्रदर्शनी में भाग लिया। डॉ. मनमोहन सिंह, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने "21 वीं सदी की - विज्ञान और प्रौद्योगिकी चुनौतियां - राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य" के मुख्य विषय के साथ भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आई एस सी) का उद्घाटन किया। टी डी बी ने अपने कार्यकलापों को प्रदर्शित किया तथा

October 10-12, 2009

TDB participated in the 3rd Destination Uttarakhand-2009 Mega Exhibition held during **10-12th October, 2009** at Dehradun. The exhibition was designed to Promote Joint Venture, Technology-transfer, Sub-contracting Partnership and Dealer Network and on the spot Business deals. TDB participated in the exhibition to spread the awareness on the development and financial assistance provided by TDB through posters, brochures and literatures.

October 29-30, 2009

TDB participated in the seminar/ workshop 'Investor Forum 2009' organized by New India Ventures (Hyderabad) during **29th - 30th October 2009** at Mumbai for supporting Green Business Ventures in the country. More that 200 participants from industry/ institutes/ venture fund agencies attended the programme. Shri Shashank Sinha, Project Coordinator-TDB participated in the programme and made a presentation on TDB funding scheme. The participation helped TDB to reach out to a large number of participants from industry and create awareness.

October 30, 2009

Dr. PS Raju, Scientist, Participated in the 6th National Conference on "Venture Capital Finance-Fostering Innovations and Entrepreneurship (VCFIN-2009)" in Jaipur organized by Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), Jointly with FICCI and India Venture Capital Association (IVCA) at Jaipur on **30th October, 2009**. Dr. Raju delivered a lecture on "Technology Financing by Technology Development Board". The conference was attended by over 250 delegates from Industries, Management and Financial institutions, entrepreneurs, VCs, fund operators and Government agencies in the day long proceedings.

January 3-7, 2010

TDB participated in the 97th Indian Science Congress exhibition at Thiruvananthapuram, Kerala during **January 3-7, 2010**. The ISC with focal theme "Science and Technology Challenges of 21st Century-National Perspective" was inaugurated by Dr. Manmohan Singh, Hon'ble Prime Minister of India. TDB displayed about its activities and the visitors were

आगन्तुकों को टी डी बी की स्कीम के बारे में अवगत कराया गया। बड़ी संख्या में राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

12 - 14 फरवरी, 2010

टी डी बी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रमों से अर्जित ज्ञान के माध्यम से युवा वैज्ञानिक,छात्रों, युवाओं एवं आम लोगों के बीच जागरूकता एवं ज्ञान सृजित करने के लिए **12 - 14 फरवरी, 2010** के दौरान सम्पन्न विज्ञान एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी - 2010 में भाग लिया। भूमि, बायोमास और जल, कृषि, भागवानी, मृदा संरक्षण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रभावी प्रबंधन के लिए क्रिएटिव सेंटर फॉर रूरल डवलपमेंट (सी सी आर डी) द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्योग/ संस्थानों/ उद्यम पूंजी एजेंसियों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। टी डी बी ने वित्त पोषण स्कीमों पर एक प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया और बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने टी डी बी के स्टाल को देखा।

19 - 21 फरवरी, 2010

टी डी बी ने बिरला आडोटोरियम, जयपुर में 19 - 21 फरवरी, 2010 के दौरान सम्पन्न "दूसरी विज़न राजस्थान, 2010" प्रदर्शनी में भाग लिया। इस प्रदर्शनी मे ग्रामीण क्षेत्र, प्रौद्योगिकीय उन्नति तथा निवेशकों के लिए अवसरों तथा अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने वाली तथा सार्वजनिक निजी भागीदारी विकसित करने वाली कम्पनियों में स्तरोन्नयन हेतु विभिन्न परियोजनाओं और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया। उद्योग तथा नए उद्यमियों के प्रतिनिधियों ने टी डी बी के कार्यकलापों और इसके वित्त पोषण कार्यतंत्र के बारे में पूछताछ की।

वैब साइट

टी डी बी के लिए वैबसाइट निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है:

(i) www.tdb.gov.in

appraised about scheme of TDB. A large number of national and international delegates participated in the Science Congress.

February 12-14, 2010

TDB participated in the exhibition at the Science and Rural Technology Expo-2010 Jhunjhunu (Rajasthan) held during **12-14 February, 2010** to create awareness and knowledge amongst our young scientists, students, youth and the masses through learning achieved from such S&T Exhibitions. The programme was organized by The Creative Centre For Rural Development (CCRD) for the efficient management of Land, Biomass & Water, Agriculture, Horticulture, Soil conservation, health & Sanitation. More than 200 participants from industry/institutes/venture fund agencies attended the programme. TDB made a presentation on funding schemes and a number of participants visited the TDB stall.

February 19-21, 2010

TDB participated in the "2nd Vision Rajasthan, 2010" exhibition held during **19-21st February, 2010** at Birla Auditorium, Jaipur. The expo highlighted various projects and technologies for upgradation in the rural sector, technological advancements and opportunities for investors and companies showcasing their capabilities and developed public private partnerships. The representatives from industry and new entrepreneurs enquired about TDB's activities and its funding mechanism.

Web site

The web-site for TDB is available on the following address:

i) www.tdb.gov.in

अनुसंधान एवं विकास उपकर

अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम 1986 यथा संशोधित 1995 की प्रौद्योगिकी के आयात के लिए सभी भुगतान पर लेवी और उपकर के समाहरण करने के लिए बनाया गया है। उपकर की दर 5 प्रतिशत है। औद्योगिक इकाईयाँ जो कि ऐसे आयातों के लिए भुगतान करने अथवा भुगतान किए जाने से पूर्व प्रौद्योगिक आयात करती हैं, पर उपकर देय होता है। यह उपकर भारत के संचित निधि में जमा होता है। इसको देश में विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिकरण और विदेशी प्रौद्योगिकी को वृहत रूप से घरेलू प्रयोग के लिए अपनाए जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एकत्र किया जाता है।

भारत सरकार, उपकर समाहरण विनियोजन के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास और उसके प्रयोग के लिए फंड का भुगतान करती है जिसे देश में विकसित प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिकरण और आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह निधि प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के द्वारा प्रशासित की जाती है।

उपकर, समाहरण और भुगतान (1997 - 2010)

निम्नलिखित सारणी 1996 - 97 (जिस वर्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, भारत सरकार द्वारा गठित किया गया) के वर्षवार उपकर समाहरण, टी डी बी के आबंटन तथा टी डी बी के भुगतान को दर्शाती है।

अनुसंधान एवं विकास उपकर एकत्रण और वितरण

(करोड़ रू. में)

वर्ष	उपकर समाहरण (सी.जी.ए. के आंकड़े)	आवंटन ..... अनुमानित बजट	टी डी बी ..... संशोधित आकलन	सरकार द्वारा टी डी बी को भुगतान	टी डी बी द्वारा प्राप्त उपकर समाहरण प्रतिशत
1996:97	80-13	30-00	30-00	29-97	37-40
1997:98	81-42	70-00	49-93	49-93	61-33
1998:99	81-10	50-00	20-00	28-00	34-52

Research And Development Cess

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purpose of encouraging the commercial application of indigenously developed technologies and for adapting imported technologies for wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board.

Cess Collections and Payments (1997-10)

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government), allocations to TDB and payments to TDB.

Research and Development Cess Collections and Disbursements

(₹ in crore)

Year	Cess Collection (CGA's Figures)	Allocation to TDB		Payments to TDB by Govt.	Percentage (%) of Cess Collection Received by TDB
		Budget Estimate	Revised Estimate		
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97	37.40
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93	61.33
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00	34.52

1999:00	88-93	70-00	50-00	50-00	56-22
2000:01	98-91	70-00	63-00	62-79	63-48
2001:02	95-30	63-00	57-00	57-00	59-81
2002:03	99-47	58-00	56-00	56-00	56-30
2003:04	133-74	55-00	53-65	53-65	40-11
2004:05	156-99	54-00	48-10	48-10	30-64
2005:06	176-61	43-50	42-65	42-66	24-15
2006:07	186-56	33-50	4-90	4-32	2-31
2007:08	254-09	63-00	60-00	19-00	7-47
2008:09	310-33	20-80	4-67	:	:
2009:10	418-22	50-00	20-00	:	:
कुल	**2261-80**	**730-80**	**559-90**	**501-42**	**22-17**

वर्ष 1996 - 2010 के दौरान अनुसंधान एवं विकास उपकर समाहरण के कुल 2261.80 करोड़ रूपए में से सरकार ने 14 वर्षों (1996 - 2010) के दौरान टी डी बी को 501.42 करोड़ रू. की संचित राशि उपलब्ध कराई। यह 14 वर्षों में एकत्रित अनुसंधान एवं विकास उपकर का 22.17 % है।

दिनांक 11 मई, 2005 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा महासागर विभाग के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रबार) श्री कपिल सिब्बल ने अपने भाषण के दौरान यह कहा कि प्रौद्योगिकी के आयात पर लगाए गए उपकर टी डी बी को एक संसाधन के रूप में वृद्धि करेगा। टी डी बी की बढ़ती हुई जिम्मेदारियों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि टी डी बी की बजटीय सहायता में वृद्धि होनी चाहिए जो कि शोध एवं विकास के माध्यम से एकत्र धनराशि को पूर्ण रूप से टी डी बी को दिए जाने से ही हो सकेगी। श्री पी. चिदम्बरम, केन्द्रीय वित्त मत्री ने कहा कि चालू घाटे की अर्थव्यवस्था को आरंभ में आवंटन में वृद्धि करके टी डी बी को वित्तीय सहायता प्रदान करूंगा ताकि ये अपनी फंड की आवश्यकता को पूरा कर सके और देश में विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिकरण के उद्देश्य को प्राप्त कर सकें।

1999-00	88.93	70.00	50.00	50.00	56.22
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79	63.48
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00	59.81
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00	56.30
2003-04	133.74	55.00	53.65	53.65	40.11
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10	30.64
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66	24.15
2006-07	186.56	33.50	4.90	4.32	2.31
2007-08	254.09	63.00	60.00	19.00	7.47
2008-09	310.33	20.80	4.67	-	-
2009-10	418.22	50.00	20.00	-	-
Total	**2261.80**	**730.80**	**559.90**	**501.42**	**22.17**

Of the total of ₹ 2261.80 crore from R&D cess collection during the year 1996-2010, the Government has made available to TDB a cumulative sum of ₹ 501.42 crore over the period of 14 years (1996-2010). This works out to 22.17 % of the R&D cess collections made in 14 years.

While speaking on the Technology Day Awards function on 11th May 2005, Shri Kapil Sibal, Hon'ble Minister of State (Independent charge) for Science and Technology and Ocean Development, stated, that cess levied on import of technology is to flow back to the TDB as a resource. Considering increasing responsibilities, TDB requires enhancement in budgetary support which can be achieved by ensuring that the money collected through the R&D cess is fully committed to TDB. Shri P. Chidambaram, the Union Minister of Finance, stated that he would make good the shortfall in providing financial support to TDB by enhancing the allocation beginning the current fiscal to meet its requirement of fund and to achieve objective of commercialization of indigenously developed technologies.

प्रशासन

वार्षिक रिपोर्ट और परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के अध्याय 12 मे यह उल्लेख है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष की गतिविधियों का पूरा वर्णन किया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम के धारा 13 (4) के अनुसार बोर्ड केन्द्र सरकार को लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ अपनी लेखाओं की लेखा परीक्षित प्रति प्रस्तुत करेगा। टी डी बी की वर्ष 2008 - 09 की वार्षिक रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षित प्रति दिनांक 28 जुलाई, 2010 को लोक सभा के पटल और दिनांक 29 जुलाई, 2010 को राज्य सभा के पटल पर रखी गई थी।

टी डी बी सचिवालय

नई नियुक्तियां

(i) डॉ. पी. एस. राजू, तकनीकी अधिकारी, सेंटर फॉर सेल्यूलर एण्ड मॉलिक्यूलर बायोलोजी, हैदराबाद ने 15 जुलाई, 2009 से वैज्ञानिक 'ई' के रूप में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में कार्यबार ग्रहण किया है।

(ii) श्री विजय कुमार गुप्ता ने 30 दिसम्बर, 2009 से अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्यबार ग्रहण किया है।

(iii) श्री संजय चावरे, वरिष्ठ विकास अधिकारी, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय) नई दिल्ली ने 05 जनवरी, 2010 से टी डी बी में वैज्ञानिक 'ई' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

आयकर छूट

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी बी डी टी), नई दिल्ली ने टी डी बी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10/ 23सी (iv) के तहत आकलन वर्ष 2000 - 01 और आगे के लिए 18 मई, 2007 के एवं 21 मई, 2007 को जारी अधिसूचना सं. 173/ 2007 के तहत छूट प्रदान की है।

Administration

Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report. The Annual Report, including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2008-09 was laid on the Table of the Lok Sabha on 28th July, 2010 and on the Table of the Rajya Sabha on 29th July, 2010.

TDB Secretariat

New Incumbent

(i) Dr. P. S. Raju, Technical Officer from Centre for Cellular & Molecular Biology, Hyderabad has joined the Technology Development Board as Scientist 'E' with effect from 15th July, 2009.

(ii) Sh. Vijay Kumar Gupta, Joined as Section Officer w.e.f. 30th December, 2009.

(iii) Sh. Sanjay Chavre, Sr. Development officer from Department of Industrial Policy and Promotion (Ministry of Commerce & Industries), New Delhi has joined the TDB as Scientist 'E' on 5th January,2010.

Income Tax exemption

The Central Board of Direct Taxes (CBDT), New Delhi has granted exemption to TDB, - u/s 10[23C(iv)] of the Income Tax Act, 1961 for the further period i.e. Assessment Year 2000-01 and onwards vide notification no. 173/2007 dated 18th May, 2007 issued on 21st May 2007.

राजभाषा कार्यान्वयन

टी डी बी ने अपने गठन के समय से सरकार के राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रावधानों को कार्यान्वित किया है और अधिसूचनाएं, वार्षिक रिपोर्ट, परियोजना फंडिंग गाइडलाइन्स, ब्रोशर्स, वाउचर्स इत्यादि को द्विभाषी रूप में मुद्रित किया है। विभिन्न प्रदर्शनियों में दर्शाए जाने वाली प्रदर्शन संबंधी वस्तुओं/ पैनलों को हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार किया गया है।

Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to the official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, Brochures, Vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

प्रारंभिक जांच समिति के सदस्य

अभयंकर आर. आर.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
आचार्य पी एस	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
अस्थाना प्रवीर डॉ.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
बनर्जी सुजित	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
भास्कर इंदू	वैज्ञानिक - ई, डी एस आई आर
चावरे संजय	वैज्ञानिक - ई, टी डी बी
देशपांडे एस. के. डॉ.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर
गोयल एस. के. डॉ.	वैज्ञानिक - डी, टी डी बी
कमल के. डॉ.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
कोहली एस एस डॉ. (एस एस)	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी (एस ई आर सी)
कुलकर्णी एम आर	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
मुरलीमोहन के. आर. डॉ.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
प्रसाद लक्ष्मण डॉ.	वैज्ञानिक - जी, डी एस टी
प्रकाश चन्द्र	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
राव ए एस डॉ.	वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर
राजू पी एस डॉ.	वैज्ञानिक - ई, टी डी बी
सहाय प्रीति डॉ.	परियोजना समन्वयक, टी डी बी
समाथानम जी जे डॉ.	वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी
शर्मा एस एन	परियोजना समन्वयक, टी डी बी
सिन्हा शशांक	परियोजना समन्वयक, टी डी बी
तायल आर के	वैज्ञानिक - एफ, एस ई आर सी
वरूण विमल कुमार	वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर, डी एस टी

Members For The Initial Screening Committees

Abhyankar R.R.	Scientist-G, DSIR
Acharya P.S.	Scientist-F, DST
Asthana Praveer Dr.	Scientist-F, DST
Banerjee Sujit	Scientist-F, DST
Bhaskar Indu	Scientist-E, DSIR
Chavre Sanjay	Scientist-E, TDB
Deshpande S.K. Dr.	Scientist-F, DSIR
Goel S. K. Dr.	Scientist-D, TDB
Kamal K. Dr.	Scientist-G, DSIR
Kohli S.S. Dr.(S.S.)	Scientist-F- DST (SERC)
Kulkarni M. R.	Scientist-F, DST
Murlimohan K. R. Dr.	Scientist-F, DST
Prasad Laxman Dr.	Scientist-G, DST
Prakash Chander	Scientist-F, DST
Rao A.S. Dr.	Scientist-G, DSIR
Raju P.S. Dr.	Scientist-E, TDB
Sahai Preeti Dr.	Project Coordinator, TDB
Samathanam, G.J. Dr.	Scientist-F, DST
Sharma S.N.	Project Coordinator, TDB
Sinha Shashank	Project Coordinator, TDB
Tayal R.K.	Scientist-F, SERC
Varun Vimal Kumar	Scientist-F, DSIR,DST

परियोजना मूल्यांकन समितियों एवं परियोजना अनुवीक्षण समितियों के विशेषज्ञों के नाम

अदसुले पी. जी. डा.	निदेशक, नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर ग्रेप्स, पुणे
अग्रवाल आर. एम.	डी डी जी (एस ए) दूरसंचार इंजीनियरी केन्द्र, दिल्ली
आहुजा ए. सी.	भूतपूर्व, सी एम डी, आई वी सी एफ - नई दिल्ली
अमरनाथ सी. प्रो.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
अम्बरदार एस. के.	ग्रुप डायरेक्टर, टी एस एस जी, सेमी - कंडक्टर लेबोरेट्री, अन्तरिक्ष विभाग (भारत सरकार) एस ए एस नगर (पंजाब)
अंशुल कुमार डॉ.	प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
आर्य कवि प्रो.	कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बोम्बे
बंधोपाध्याय टी	भूतपूर्व - जी एम, आई ओ सी एल
भाटिया ए. के. डॉ.	भूतपूर्व सलाहकार, सी एस आई आर एवं एडवाइजर एफ ए ओ, नई दिल्ली

Experts For The Project Evaluation Committees and Project Monitoring Committees

Adsule P. G. Dr.	Director, National Research Centre For Grapes, Pune
Agarwal R.M.	DDG (SA), Telecommunication Engineering Centre, Delhi
Ahuja A.C.	Former CMD, IVCF- New Delhi
Amarnath C. Prof.	Indian Institute of Technology, Mumbai
Ambardar S. K.	Group Director, TSSG, Semi-Conductor Laboratory, Department of Space (GOI) S.A.S. Nagar (Punjab)
Anshul Kumar Dr.	Prof. Dept. of Computer Science & Engineering, IIT, Delhi
Arya Kavi Prof.	Computer Science & Engineering Department Indian Institute of Technology Bombay
Bandyopadhyay T.	Ex-GM, IOCL
Bhatia A. K. Dr.	Ex- Advisor CSIR & Consultant FAO, New Delhi

भट्टाचार्य एस. के. डॉ.	निदेशक, केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रूढ़की
भुवनेश्वर जी. एस. डॉ.	अध्यक्ष, जैव चिकित्सा विंग, श्री चित्रा तिरूनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, सेटलमोंड पैलेस, पूजाप्पुरा, तिरूवनंतपुरम, केरल
बिस्वास कंचन	एसोसिएट डायरेक्टर (एयरक्राफ्ट), सेंटर फॉर मिलट्री एयरवर्दीनेस एण्ड सर्टिफिकेशन (सी ई एम आई एल ए सी), बेंगलोर
चंदोरकर मुकुल डॉ.	वैद्युत इंजीनियरी विभाग, आई आई टी, बोम्बे, मुम्बई
चन्द्रा आलोक	वाइन इंडस्ट्री विशेषज्ञ 102 गोल्डन थ्रैशहोल्ड, 13 एलेक्सेन्ड्रिया स्ट्रीट, बेंगलोर
चन्द्रशेखर एम. प्रो.	डीन ऑफ रिसर्च एण्ड कंसल्टेंसी, एडमिनिसट्रेटिव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद
चन्द्रशेखर एम	निदेशक, सेंटर फॉर इनोवेशन एण्ड टेक्नोलोजी, एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद
चन्द्रशेखर वी. एस.	वैज्ञानिक जी, एयरोनोटिकल डवलपमेंट एसटेब्लिशमेंट, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, बेंगलोर
चौधरी एम. सी.	भूतपूर्व निदेशक (तकनीकी) टी सी आई एल, नई दिल्ली
चेकेर ए. के.	मुख्य उत्पादन सलाहकार, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डी आर डी एल), चांदीपुर, बालासोर, उड़ीसा

Bhattacharya S.K. Dr.	Director, Central Building Research InstituteRoorkee
Bhuvaneshwar G. S. Dr.	Head, Biomedical Technology Wing, Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences & Technology Sattlemond Palace,Poojappura, Thiruvananthapuram, Kerala
Biswas Kanchan	Associate Director (Aircraft) Center for Military Airworthiness & Certification (CEMILAC), Bangalore
Chandorkar Mukul Dr.	Department of Electrical Engineering, IIT-Bombay, Mumbai
Chandra Alok	Expert on Wine Industry,102 Golden Threshold, 13, Alexandria Shreet, Bangalore
Chandrasekhar M. Prof.	Dean of Research & Consultancy, Administrative Staff College of India, Hyderabad
Chandrasekhar M.	Director, Center for innovation & Technology, Administrative Staff College of India, Hyderabad
Chandrashekhar V.S.	Scientist 'G', Aeronautical Development Establishment, Defence Research Development Organization, Bangalore
Chaudhary M.C.	Former Director (Technical)TCIL, New Delhi
Checker A.K.	Chief Consultant Production, Brahmos Aerospace, Defence Research & Development Laboratory (DRDL), Chandipur, Balasor, Orissa

देसाई योगेश एम. डा.	प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, सिविल इंजीनियरी विभाग आई आई टी, बोम्बे
धुस्सा ए. के.	निदेशक, नई एवं नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय, नई दिल्ली
गोयल वी. के.	भूतपूर्व तकनीकी सलाहकार, डी आई पी पी, फरीदाबाद
गोपालन एस	पूर्व कार्यकारी निदेशक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, चेन्नई
गुप्ता एस. के. प्रो.	पूर्व निदेशक, न्यूरोलॉजीकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, लखनऊ
जैन के. के. डॉ.	अध्यक्ष, फिजिको - मकेनिकल स्टैंड्र्डस, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, (एन पी एल), नई दिल्ली
जयारमन एन प्रो.	एसोसिएट प्रोफेसर, जैविक रसायन विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर
कांडपाल एच. सी. डा.	वैज्ञानिक जी राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, नई दिल्ली
कोहली ए. के. डॉ.	मुख्य कार्यकारी, बोर्ड ऑफ रेडिएशन एण्ड आइसोटॉप टेक्नोलोजी, नवी मुम्बई
कोंदय्या पी प्रो.	प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलोर
कृष्णन आर	उपाध्यक्ष, इंजीनियरिंग टेक्नोलोजी लाइजनिंग, बेंगलोर
कृष्णन एस. भी.	भूतपूर्व सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली

Desai Yogesh M. Dr.	Professor & Head, Department of Civil Engineering, IIT Bombay
Dhussa A.K.	Director, Ministry of New & Renewable Energy, Delhi
Goel V. K.	Former Technical Advisor DIPP, Faridabad
Gopalan S.	Former Executive Director, Industrial Development Bank of India, Chennai
Gupta S.K. Prof.	Former Director, Neurological Society of India, Lucknow
Jain K.K. Dr.	Head, Physico-Mechanical Standards, National Physical Laboratory (NPL), New Delhi
Jayaraman N. Prof.	Associate Professor, Department of Organic Chemistry , Indian Institute of Science, Bangalore
Kandpal H. C. Dr.	Scientist 'G',National Physical Laboratory, New Delhi
Kohli A. K. Dr.	Chief Executive, Board of Radiation & Isotope Technology, Navi Mumbai
Kondaiah P. Prof.	Professor, Indian Institute of Science, Bangalore
Krishnan R.	Vice President, Engg. Technology Liasoning, Bangalore
Krishnan S.B.	Former Secretary, Technology Development Board, Deptt. of Science & Technology, Delhi

कुमार पी. श्रीनिवास प्रो.	प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई
मैती एस एन प्रो.	प्रोफेसर, बहुलक विज्ञान और इंजीनियरिंग केन्द्र
मैया वाई. एस.	सी एम डी, इलैक्ट्रोनिक्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद
मार्या राकेश	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड, एन बी सी सी प्लेस, भीष्म पितामह मार्ग, प्रगति विहार, नई दिल्ली
मैनन ए. एस.	पूर्व उपाध्यक्ष (दक्षिणी क्षेत्र) विदेश संचार निगम लिमिटेड, कोचिन
मित्तल एम. एल. डॉ.	वैज्ञानिक 'जी' दूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र (सी आर एस ए), नई दिल्ली
मित्तर आर. आर.	डी डी जी (एन जी एन) दूरसंचार अभियांत्रिक केन्द्र, नई दिल्ली
मुरलीधरन आर डॉ.	निदेशक, सोलिड स्टेट फिजिक्स लेबोरेट्री (डी आर डी ओ) लखनऊ रोड, तिमारपुर, नई दिल्ली
मूर्ति वी एस आर	ग्रुप डायरेक्टर, सुजाना ग्रुप ऑफ कम्पनीज़, हैदराबाद
मुत्थू एम. वी.	पूर्व कार्यपालक निदेशक, आई एफ सी आई वेंचर फंड लिमिटेड, बंगलौर
मूर्ति एस एस डॉ.	प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
नेरकर डी. पी. डॉ.	अनुसंधान, निदेशक, पूना कॉलेज ऑफ फार्मेसी, पुणे

Kumar P. Sreenivasa Prof.	Professor, Indian Institute of Technology, Chennai
Maiti S. N. Prof.	Professor,Centre for Polymer Science & Engineering
Maiya Y.S.	CMD, Electronics Corporation of India Limited, Hyderabad
Marya Rakesh	Executive Director National Building Construction Corp. LtdNBCC Place, Bhishma Pitamah MargPragati Vihar, New Delhi
Menon A.S.	Former Vice President (Southern Region)-Videsh Sanchar Nigam Limited, Cochin
Mittal M.L. Dr.Mittar R.R.	Scientist 'G', Centre for Remote Sensing Applications (CRSA), New Delhi.DDG (NGN)Telecom Engineering Centre, New Delhi
Muralidharan R. Dr.	Director, Solid State Physics Laboratory (DRDO), Lucknow Road, Timarpur, New Delhi
Murthy V.S.R.	Group Director, Sujana Group of Companies, Hyderabad
Muthu M.V.	Former Executive Director, IFCI Venture Fund Ltd., BangaloreProfessor, Dept. of Electrical Engineering
Murthy S.S. Dr.	IIT Delhi
Nerkar D. P. Dr.	Director Research, Poona College of Pharmacy, Pune

पीताम्भरम सी. के. प्रो.	अनुसंधान निदेशक (सेवानिवृत्त) केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम
प्रहलाद डॉ.	प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक आर एण्ड डी (एस आई) डी आर डी ओ, नई दिल्ली
काजी जी एन डॉ.	कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली
रामा राव पी. डॉ.	निदेशक, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पंजाब
रामकृष्णन के. आर. प्रो.	विद्युत इंजीनियरिंग प्रभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
रामकृष्णन डॉ.	महानिदेशक, सेंटर फॉर डवलपमेंट आफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी - डी ए सी), पुणे
रामटेके ए भी	ज्वाइंट ड्रग्स कंट्रोलर, डी सी जी आई कार्यालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली
रंगानाथन वी टी डॉ.	प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
रे डी.	पूर्व मुख्य अभियंता सेंट्रल प्रोडक्शन केन्द्र (सी पी सी) दूरदर्शन, ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)
रेड्डी पी. कृष्णा प्रो.	प्रोफेसर, अन्तरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई आई टी) हैदराबाद
सलुंके संदीप	निदेशक, सुरक्षा, पार्लियामेंट हाऊस, दिल्ली
सत्यनारायण वी	अध्यक्ष, इलैक्ट्रोनिक्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद

Peethambaram C.K. Prof.	Director of Research (Retd), Kerala Agricultural University, Trivandrum
Prahlada Dr.	Distinguished Scientist & Chief Controller R&D (SI), DRDO, New Delhi
Qazi G.N. Dr.	Vice Chancellor, Jamia Hamdard, New Delhi
Rama Rao P. Dr.	Director, National Institute of Pharmaceutical Education, Punjab
Ramakrishnan K. R. Prof.	Dept. of Electrical Engg, Indian Institute of Science, Bangalore
Ramkrishnan Dr.	Director General, Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC), Pune
Ramteke A. B.	Joint Drugs Controller, Office of DCGI, Nirman Bhavan, New Delhi
Ranganathan V.T. Dr.	Professor, Indian Institute of Science, Bangalore
Ray D. Reddy	Former Chief Engineer Central Production Centre(CPC), Doordarshan, Greater Noida (UP)
P. Krishna Prof.	Professor, International Institute of Information Technology (IIIT), Hyderabad
Salunke Sandeep	Director-Security, Parliament House, Delhi
Satyanarayana V.	Head, Electronics Corporation of India Ltd., Hyderabad
Shrinet. V	Dy. Director Electrical Research & Development Association (ERDA), Vadodara

श्रीनेत वी	उप निदेशक, इलैक्ट्रिकल रिसर्च एण्ड डवलपमेंट एसोसिएशन (ई आर डी ए), वडोदरा
सिन्हा एस. के. प्रो.	सेंटर फॉर इलैक्ट्रोनिक्स डिजाइन एण्ड टेक्नोलोजी भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
सिंह, रविन्द्र मेजर जनरल	सेवानिवृत्त, चीफ सिग्नल ऑफिसर, उत्तरी कमांड, उधमपुर
वरधराजुलू ए. डा.	वरिष्ठ वैज्ञानिक, पावर सिस्टम डिवीजन, प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर
वर्मा वासुदेवा प्रो.	एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद
वर्मा राहुल डॉ.	वैज्ञानिक, सेंट्रल इलैक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सी ई ई आर आई), पिलानी
वाघमारे प्रशान्त	नगर अभियन्ता, पुणे नगर निगम, शिवाजी नगर, पुणे
यादव जी. डी.	प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिकल टेक्नोलोजी, मुम्बई

Sinha S. K. Prof.	Centre for Electronics Design & TechnologyIndian Institute of Science, Bangalore
Singh. Ravindra Maj. Gen	Retd. Chief Signal Officer Northern Command, Udhampur
Varadharajulu A. Dr.	Senior Scientist, Power Systems Division, Institute of Plasma Research, Gandhinagar
Varma Vasudeva Prof.	Associate Professor, Indian Institute of Information Technology (IIIT), Hyderabad
Verma Rahul Dr.	Scientist, Central Electronics Engineering Research Institute (CEERI), Pilani
Waghmare Prashant	City Engineer, Pune Municipal Corporation, Shivaji Nagar, Pune
Yadav G.D.	Professor, University Institute of Chemical Technology, Mumbai

वर्ष 2009 - 10 के लिए
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की लेखाओं का
लेखा परीक्षित वार्षिक विवरण

Annual Statement of Accounts of the Technology Development Board for the Year 2009-2010

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 की स्थितिनुसार तुलन–पत्र

राशि रूपए में

कॉरपस/कैपिटल फंड और दायित्व	योजना	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
कॉरपस/कैपिटल फंड	1	6,627,303,474	6,624,296,353
रिजर्व और सरपलस	2	–	–
निर्धारित/इनडॉवमेंड फंड	3	1,818,380,675	1,558,215,541
सुरक्षित ऋण और लेनदारी	4	–	–
असुरक्षित ऋण और लेनदारी	5	–	–
आस्थगित क्रेडिट दायित्व	6	–	–
वर्तमान दायित्व और प्रावधान	7	3,966,470	808,523
कुल		**8,449,650,619**	**8,183,320,426**
परिसम्पत्तियाँ			
निर्धारित परिसम्पत्तियाँ	8	7,356,446	7,528,032
निर्धारित/इंडोवमेंट फंड से निवेश	9	1,818,380,675	1,558,215,541
निवेश–अन्य	10	1,234,843,141	1,263,478,615
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	11	5,389,070,357	5,254,098,238
विविध खर्चे (छूट न दिए जाने अथवा समायोजित न किए जाने की सीमा तक)		–	–
कुल		**8,449,650,619**	**8,183,320,426**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24	–	–
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	25	–	–

(उमेश कुमार)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

Balance Sheet As On 31st March 2010

Amount in ₹

Corpus/ Capital Fund and Liabilities	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund	1	6,627,303,474	6,624,296,353
Reserves And Surplus	2	-	-
Earmarked/endowment Funds	3	1,818,380,675	1,558,215,541
Secured Loans And Borrowings	4	-	-
Unsecured Loans And Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liablities	6	-	-
Current Liabilities And Provisions	7	3,966,470	808,532
TOTAL		**8,449,650,619**	**8,183,320,426**
ASSETS			
Fixed Assets	8	7,356,446	7,528,032
Investments- From Earmarked/endowment Funds	9	1,818,380,675	1,558,215,541
Investments- Others	10	1,234,843,141	1,263,478,615
Current Assets, Loans, Advances Etc.	11	5,389,070,357	5,354,098,238
Miscellaneous Expenditure (to the extent not written off or adjusted)		-	-
TOTAL		**8,449,650,619**	**8,183,320,426**
Significant Accounting Policies	24	-	-
Contingent Liablities And Notes On Accounts	25	-	-

(UMESH KUMAR)
DIRECTOR
Technology Development Board

(DINESH SHARMA)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे

राशि रूपए में

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
बिक्री/सेवाओं से आय	12	–	–
अनुदान/सब्सिडी	13	–	–
फीस/अंशदान	14	–	–
विदेश(निवेश पर आय,निर्धारित इनडोव) से आय	15	–	–
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	2,050,552	10,038,375
अर्जित ब्याज	17	205,207,890	328,456,031
अन्य आय	18	14,784,913	227,566,063
पूर्ण हो चुकी और चल रही मदों में वृद्धि/गिरावट	19		
कुल (क)		**222,043,355**	**566,060,469**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	18,584,879	12,158,085
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	101,616,959	45,963,694
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि पर व्यय	22	98,000,000	100,000,000
ब्याज	23		
मूल्यह्रास (अनुसूची 8 के तदनुसार वर्ष के अंत तक सकल योग)		834,396	936,804
कुल (ख)		**219,036,234**	**159,058,583**

Technology Development Board

Income and Expenditure Accounts
For The Year Ended 31st March 2010

Amount in ₹

	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Income from Sales/ Services	12	-	-
Grants / Subsidies	13	-	-
Fees/ Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Invest. from earmarked/endow.	15	-	-
Income from Royalty, Publication etc.	16	2,050,552	10,038,375
Interest Earned	17	205,207,890	328,456,031
Other Income	18	14,784,913	227,566,063
Increase / (decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19		
TOTAL (A)		**222,043,355**	**566,060,469**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	18,584,879	12,158,085
Other Administrative Expenses etc.	21	101,616,959	45,963,694
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	98,000,000	100,000,000
Interest	23		
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedue -8)		834,396	936,804
TOTAL (B)		**219,036,234**	**159,058,583**

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
व्यय पर आय की अधिकता (क–ख)		**3,007,121**	**407,001,886**
जनरल रिजर्व में स्थानांतरण			
कॉरपस फंड में दिया गया अतिरिक्त शेष		**3,007,121**	**407,001,886**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियां	25		

(उमेश कुमार)	(दिनेश शर्मा)	(डॉ. टी. रामासामी)
निदेशक	सचिव	अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

	Schedule	Current Year	Previous Year
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		3,007,121	407,001,886
Transfer to General Reserve		-	-
BALANCE BEING SURPLUS CARRIED TO CORPUS FUND		**3,007,121**	**407,001,886**
SINGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	**24**		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	**25**		

(UMESH KUMAR)
DIRECTOR
Technology Development Board

(DINESH SHARMA)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ और भुगतान के लेखे

राशि रुपए में

प्राप्तियाँ		वर्तमान वर्ष (रू.)	पिछला वर्ष (रू.)
अथ शेष			
	लघु अवधि जमा में निवेश	958,700,000	1,063,988,492
	सुलभ नकद	35,799	23,613
	बैंक में नकद	28,229,678	105,212,745
	फ्लैक्सी अकाउंट	5,938,583	34,178,153
प्रौद्योगिकी विकास और आवेदन के लिए फंड			
i)	टी डी फंड	–	–
ii)	लघु अवधि जमा पर ब्याज	120,761,392	65,984,285
iii)	ऋण पर ब्याज	68,004,792	65,856,337
iv)	रॉयल्टी पर ब्याज	534,293	41,012
v)	अनुदान पर ब्याज	3,958,267	–
vi)	ऋण की अदायगी	411,687,966	292,575,649
vii)	रॉयल्टी	2,050,552	10,038,375
viii)	अनुदान	–	50,000
ix)	आईडीबीआई के वीसीएफ का स्थानांतरण	–	–
x)	विविध प्राप्तियां	102,047	81,952
xi)	सिक्यूरिटी/अग्रिम का रिफंड	78,619	51,000
xii)	स्त्रोत पर आयकर कटौती की वसूली	2,311,160	2,132,179

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year Ending 31st March 2010

Amount in ₹

RECEIPT		Current Year	Previous Year
Opening Balance :			
	Investment in short term deposits	958,700,000	1,063,988,492
	Cash in hand	35,799	23,613
	Cash at bank	28,229,678	105,212,745
	Flexi Account	5,938,583	34,178,153
Fund for Technology Development & Application			
i)	TD Fund	-	-
ii)	Interest on short term deposits	120,761,392	65,984,285
iii)	Interest on loans	68,004,792	65,856,337
iv)	Interest on royalty	534,293	41,012
v)	Interest on grants	3,958,267	-
vi)	Repayment of loans	411,687,966	292,575,649
vii)	Royalty	2,050,552	10,038,375
viii)	Donations	-	50,000
ix)	Transfer from VCF of IDBI	-	-
x)	Miscellaneous receipts	102,047	81,952
xi)	Refund of Security/ Advance	78,619	51,000
xii)	Recoveries towards Income Tax deducted at source	2,311,160	2,132,179

प्राप्तियाँ		वर्तमान वर्ष (रू.)	पिछला वर्ष (रू.)
xiii)	वेतन से वसूली	1,067,884	748,736
xiv)	आईटीवीयू (यू टी आई)		
xv)	यू टी आई एसेन्ट इंडियन फंड	66,535,474	
xvi)	अन्य प्राप्तियाँ	14,682,867	227,434,111
	कुल	**1,684,679,373**	**1,868,396,639**

(उमेश कुमार)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

RECEIPT		Current Year	Previous Year
xiii)	Recoveries from salaries	1,067,884	748,736
xiv)	ITVUS(UTI)		
xv)	UTI_Ascent Indian Fund	66,535,474	
xvi)	Other receipts	14,682,867	227,434,111
	TOTAL	**1,684,679,373**	**1,868,396,639**

(UMESH KUMAR)
DIRECTOR
Technology Development Board

(DINESH SHARMA)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ और भुगतान

राशि रुपए में

भुगतान		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापना व्यय			
i)	वेतन	14,773,159	10,671,458
ii)	मज़दूरी	–	–
iii)	यात्रा व्यय (घरेलू)	4,138,155	5,971,990
iv)	यात्रा व्यय (विदेश)	45,562	981,701
v)	पारिश्रमिक	152,000	191,600
vi)	समयोपरि सत्ता	40,511	41,267
vii)	चिकित्सा व्यय	556,885	607,230
viii)	प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अनुदान	646,532	370,919
ix)	वर्दी एवं लिवरीज़		
कार्यालय व्यय			
i)	टेलीफोन/टेलेक्स	571,401	589,517
ii)	डाक टिकट	95,499	12,767
iii)	पेट्रोल, तेल, लुब्रीकेंटस	157,899	161,832
iv)	मरम्मत एवं रख–रखाव	732,222	626,778
v)	उपभोज्य स्टोर एवं प्रिन्टिंग	2,182,547	2,714,754
vi)	न्यूज पेपर एवं मैगज़ीन	21,455	22,087
vii)	मनोरंजन एवं अतिथि सत्कार	263,943	208,032
viii)	परिवहन	–	6,900
ix)	विज्ञापन और प्रचार	9,485,045	13,345,430
x)	किराया (कार्यालय)	–	–
xi)	विविध व्यय	558,576	849,357

Technology Development Board

Receipts and Payments Account for the Year Ending 31st March 2010

Amount in ₹

PAYMENTS		Current Year	Previous Year
ESTABLISHMENT EXPENSES			
i)	Salaries	14,773,159	10,671,458
ii)	Wages	-	-
iii)	Travel Expenses (Domestic)	4,138,155	5,971,990
iv)	Travel Expenses (Abroad)	45,562	981,701
v)	Honorarium	152,000	191,600
vi)	Over Time Allowance	40,511	41,267
vii)	Medical Expenses	556,885	607,230
viii)	Pension Contribution for Deputationists	646,532	370,919
xviii)	Liveries & Uniform	-	-
OFFICE EXPENSES			
i)	Telephone / Telex	571,401	589,517
ii)	Postage stamps	95,499	12,767
iii)	Petrol, Oil, Lubricants	157,899	161,832
iv)	Repairs & Maintenance	732,222	626,778
v)	Consumable Stores & Printing	2,182,547	2,714,754
vi)	Newspapers & Magazines	21,455	22,087
vii)	Entertainment & Hospitality	263,943	208,032
viii)	Conveyance	-	6,900
ix)	Advertisement & Publicity	9,485,045	13,345,430
x)	Rent (Office)	-	
xi)	Miscellaneous Expenses	558,576	849,357

xii)	सिक्यूरिटी जमा	–	–
xiii)	राष्ट्रीय पुरस्कार	–	1,400,000
xiv)	पुस्तकालय किताबें एवं जनरल	825	600
xv)	पेशगी जमा राशि का पुनः भुगतान	–	–
xvi)	विधि प्रभार	2,722,346	1,509,885
xvii)	परिसम्पत्ति प्रबंधन प्रभार	14,810,824	14,091,341
xviii)	कोर्ट शुल्क	–	–
xix)	लेखा परीक्षा शुल्क	–	–
xx)	स्टाफ सदस्यों को अग्रिम	–	87,719
xxi)	वसूल की गई राशि	20	5,694
xxii)	वापस की एयी सिक्यूरिटी	2000	–

बोर्ड व्यय			
i)	सदस्यों का टी.ए/डी.ए.	10,000	252,825
ii)	व्यावसायिक शुल्क / पारिश्रमिक	692,800	558,900
iii)	बैठक व्यय	9,338	9,840
iv)	विशेषज्ञों के लिए टीए/डीए	571,647	859,482
पूंजीगत व्यय			
i)	उपस्कर/उपकरण/मशीनरी	289,877	262,506
ii)	फर्नीचर और फिक्सचर	372,932	41,743
iii)	वाहन	–	–
	स्रोत से आयकर कटोती का प्रेषण	1,607,015	2,311,160
	अन्य विभागों की रिकवरी का प्रेषण	1,067,884	748,736
टी डी एफ से वितरण			
i)	ऋण	414,500,000	534,500,000
ii)	अनुदान	98,000,000	100,000,000
	ख) अन्य एजेंसियां	–	–
iii)	इक्विटी	–	–
iv)	आई आई वी यू एस (यू टी आई)	–	–
v)	एसेन्ट इंडिया फंड (यू टी आई वी एफ एम)	–	–

xii)	Security Deposits	-	-
xiii)	National Award	-	1,400,000
xiv)	Library Books & Journals	825	600
xv)	Refund of earnest money Deposit	-	-
xvi)	Legal Charges	2,722,346	1,509,885
xvii)	Asset Management Charges	14,810,824	14,091,341
xviii)	Court fee	-	-
xix)	Audit Fee	-	-
xx)	Advance to staff members	-	87,719
xxi)	Amount recoverable	20	5,694
xxii)	Security refunded	2000	

BOARD EXPENSES			
i)	TA / DA to Members	10,000	252,825
ii)	Honorarium Experts	692,800	558,900
iii)	Board Meeting Expenses	9,338	9,840
iv)	TA / DA to Experts	571,647	859,482
Capital Expenditure			
i)	Equipment / Apparatus / Machinery	289,877	262,506
ii)	Furniture & Fixtures	372,932	41,743
iii)	Vehicle	-	-
	Remittance of Income Tax deducted at source	1,607,015	2,311,160
	Remittance of recoveries to other deptts.	1,067,884	748,736
DISBURSEMENTS FROM TDF			
i)	Loans	414,500,000	534,500,000
ii)	Grants	98,000,000	100,000,000
	(b) Other Agenices	-	-
iii)	Equity	-	-
iv)	ITVUS (UTI)	-	-
v)	Ascent India Fund(UTI VFM)	-	-

vi)	एपीआईडीसी वेंचर कैपिटल फंड	–	71,978,529
vii)	वेंचर ईस्ट टीनेट फंड II	15,400,000	–
viii)	जीवीएफएल वेंचर फंड	22,500,000	60,000,000
ix)	आर वी सी एफ	–	49,500,000
अंतशेष			
i)	सुलभ नकद	76,877	35,799
ii)	बैंक में लघु अवधि जमा	1,036,000,000	958,700,000
iii)	बचत खाता में	35,270,239	28,229,678
iv)	फ्लेक्सी खाता में	6,353,358	5,938,583
	कुल	**1,684,679,373**	**1,868,396,639**

(उमेश कुमार)
निदेशक
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डॉ. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

vi	APIDC Venture Capital Fund		71,978,529
vii)	Venture East TeNet Fund II	15,400,000	-
viii)	GVFL Venture Fund	22,500,000	60,000,000
xi)	RVCF	-	49,500,000
CLOSING BALANCE			
i)	Cash in hand	76,877	35,799
ii)	Short term deposits with banks	1,036,000,000	958,700,000
iii)	In Saving Account	35,270,239	28,229,678
iv)	In Flexi Account	6,353,358	5,938,583
	TOTAL	**1,684,679,373**	**1,868,396,639**

(UMESH KUMAR)
DIRECTOR
Technology Development Board

(DINESH SHARMA)
SECRETARY
Technology Development Board

(DR. T. RAMASAMI)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को तुलन–पत्र के साथ संलग्न अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–1–कॉरपस/कैपिटल फंड,				
वर्ष के प्रारंभ में शेष	6,624,296,353		6,217,294,467	
जमाः कॉरपस/कैपिटल फंड में अनुदान	–		–	
जमाः आय और व्यय लेखे से स्थानांतरिक सकल आय का शेष	3,007,121		407,001,886	
		6,627,303,474		6,624,296,353
वर्ष के अंत तक शेष		**6,627,303,474**		**6,624,296,353**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–2 रिजर्व और आपूर्ति				
1. कैपिटल रिजर्वः				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटाः वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व :				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
3. विशेष रिजर्व :				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
4. सामान्य रिजर्व :				
पिछले एकाउंट के अनुसार	–	–	–	–
वर्ष के दौरान जमा	–	–	–	–
घटा : वर्ष के दौरान कटौती	–	–	–	–
कुल योग				

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 1- CORPUS/CAPITAL FUND :				
Balance as at the beginning of the year	6,624,296,353	-	6,217,294,467	-
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	-	-	-	-
Add : Balance of net income transferred from the Income and Expenditure Account	3,007,121	-	407,001,886	-
		6,627,303,474	-	6,624,296,353
BALANCE AS AT THE YEAR- END		**6,627,303,474**	**-**	**6,624,296,353**

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 2- RESERVES AND SURPLUS:				
1. Capital Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addtion during the year	-	-	-	-
Less: Deductions during the year	-	-	-	-
2. Revaluation Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
3. Special Reserves:				
As per last Account	-	-	-	-
Additon during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
4. General Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
TOTAL	**-**	**-**	**-**	**-**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को तुलन–पत्र के साथ संलग्न अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–3 निर्धारित/इनडोवमेंट फंड				
आई डी बी आई का वीसीएफ				
दायित्व				
भारत सरकार से आई डी बी आई द्वारा प्राप्त अंशदान		278,400,000		278,400,000
निवेश से आय				
क) ब्याज	130852144		130852144	
ख) रॉयल्टी	55197900		55197900	
ग) लाभांश	7986794		7787794	
घ) उपार्जित आय	1673269391		1406327373	
ड) लम्बित प्राप्तियाँ	21018231		20968231	
	1888324460		**1621133442**	
घटा : टी डी बी को दी गयी राशि	212500000		212500000	
	1675824460		**1408633442**	
घटाः वसूली गई अत्यधिक रॉयल्टी पूर्व में समायोजित	11250000		11250000	
	1664574460		**1397383442**	
घटाः माफ किया गया ऋण	32349981		32349981	
घटाः निवेश को बिक्री से घाटा	3226250		3226250	
	1628998229		**1361807211**	
घटाः प्रबंधन शुल्क	87580000		80620000	
घटाः ऑडिट शुल्क और अन्य व्यय	1437554		1371670	
	1,539,980,675	**1,539,980,675**	**1,279,815,541**	**1,279,815,541**
कुल		**1,818,380,675**		**1,558,215,541**

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 3- EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS				
VCF of IDBI				
Liabilities				
Contribution received by IDBI from Government of India		278,400,000		278,400,000
Income from Investment				
a. Interest	130852144		130852144	
b. Royalty	55197900		55197900	
c. Dividend	7986794		7787794	
d. Accrued income Less waivers	1673269391		1406327373	
e. Receipt pending appropriation	21018231		20968231	
	1888324460		**1621133442**	
Less : Amount paid to TDB	212500000		212500000	
	1675824460		**1408633442**	
Less: Excess Royalty recd. earlier adjusted towards principal	11250000		11250000	
	1664574460		**1397383442**	
Less : Loans written off	32349981		32349981	
Less : Loss on sale of Investment	3226250		3226250	
	1628998229		**1361807211**	
Less : Paid to IDBI towards Management fees	87580000		80620000	
Less: Audit Fees & other Expenses	1437554		1371670	
	1539980675	**1,539,980,675**	**1279815541**	**1,279,815,541**
TOTAL		**1,818,380,675**		**1,558,215,541**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 4– प्रतिभूत ऋण एवं उधार				
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (विशिष्ट)	-	-	-	-
3. वित्तिय संस्थाएं				
क) आवधिक ऋण				
ख) प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण				
– प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (विशिष्ट)				
– प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंन्चर्स एवं बॉन्डस	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

टिप्पणी: वर्ष के भीतर देय राषि

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 4- SECURED LAONS AND BORROWINGS:				
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specifty)	-	-	-	-
3. Financial Institutions				
a) Term Loans	-	-	-	-
b) Interest accured and due	-	-	-	-
4. Banks: -				
a) Term Loans	-	-	-	-
- Interest accrued and due	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
- Interest accrued and due	-	-	-	-
5. Other Instituitons and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
TOTAL	**-**	**-**	**-**	**-**

Note : Amounts due within one year

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची–5– अप्रतिभूत ऋण एवं उधार				
1. केन्द्र सरकार	–	–	–	–
2. राज्य सरकार (विशिष्ट)	–	–	–	–
3. वित्तिय संस्थाएं	–	–	–	–
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण	–	–	–	–
ख) अन्य ऋण	–	–	–	–
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	–	–	–	–
6. डिबेंन्चर्स एवं बॉन्डस	–	–	–	–
7. अचल जमा	–	–	–	–
8. अन्य (विशिष्ट)	–	–	–	–
कुल	–	–	–	–

टिप्पणी: वर्ष के भीतर देय राषि

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 6– आस्थगित ऋण देयताएं				
क. कैपिटल उपस्करों और अन्य परिसंपत्तियों के ऋण भार द्वारा सुरक्षित सहमति	–	–	–	–
ख. अन्य	–	–	–	–
कुल	–	–	–	–

टिप्पणी: वर्ष के भीतर देय राशि

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 5- UNSECURED LOANS AND BORROWINGS				
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specifty)	-	-	-	-
3. Financial Institutions	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
5. Other Instituitons and Agencies	-	-	-	-
6. Debendtures and Bonds	-	-	-	-
7. Fixed Deposits	-	-	-	-
8. Others (Specify)	-	-	-	-
TOTAL	-	-	-	-

Note : Amounts due within one year

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 6- DEFERRED CREDIT LIABILITIES				
a. Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b. Others -	-	-	-	
TOTAL				

Note : Amounts due within one year

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
अनुसूची 7– चालू देयताएं और प्रावधान				
क. चालू देयताएं				
1. सहमति				
2. विविध लेनदार				
क) माल के लिए				
ख) अन्य				
3. प्राप्त प्रतिभूत	–	–	2,000	2,000
4. ब्याज प्राप्ति लेकिन देय नहीं				
क) प्रतिभूत ऋण / उधार				
ख) अप्रतिभूत ऋण/ उधार				
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय				
ख) अन्य	704,146	704,146		
6. अन्य चालू देयताएं				
क) प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	2,602,251		646,532	
ख) लेखा परीक्षा शुल्क	200,000	2,802,251	160,000	806,532
कुल (क)		**3,506,397**		**808,532**
ख. प्रावधान				
1. टैक्स के लिए				
2. ग्रेच्यूटी		460,073		
3. अधिवर्षिता/ पेंशन				
4. एकत्र अवकाश7ा नकदीकरण				
5. ट्रेड वारंटीज/ दावे				
6. अन्य (विशिष्ट)				
कुल (ख)				
कुल (क़ख)		**3,966,470**		**808,532**

Amount in ₹

			Current Year		Previous Year	
SCHEDULE 7- CURRENT LAIBILITIES AND PROVISIONS						
A.	**CURRENT LIABILITIES**					
	1.	Acceptances	-	-	-	-
	2.	Sundry Creditors				
		a) For Goods				
		b) Others				
	3.	Security Received	-	-	2,000	2,000
	4.	Interest accured but not due on :				
		a) Secured Loans /borrowings				
		b) Unsecured Loans/borrowings	-	-	-	-
	5.	Statutory Liabilities				
		a) Overdue	-	-	-	-
		b) Others	704,146	704,146	-	-
	6.	Other current Liabilities				
		a) Pension contribution for deputationts	2.602,251		646,532	
		b) Audit fee payable	200,000	2,802,251	160,000	806,532
		TOTAL (A)		**3,506,397**		**808,532**
B.	**PROVISIONS**					
	1.	For Taxation				
	2.	Gratuity		460,073		
	3.	Superannuation/Pension				
	4.	Accumulated Leave Encashment				
	5.	Trade Warranties/Claims				
	6.	Others (Specify)				
		TOTAL (B)				
		TOTAL (A+B)		**3,966,470**	**-**	**808,532**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गये	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
अनुसूची 8– स्थायी परिसंपत्ति										
क. स्थायी परिसंपत्ति :										
1. जमीन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
क) फ्रीहोल्ड	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2. बिल्डिंग	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
क) फ्रीहोल्ड जमीन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ख) लीज़होल्ड जमीन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ग) स्वामित्वधारी फ्लैट/ परिसर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
घ) जमीन पर अधिरचना अस्तित्व से संबद्ध नहीं	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3. प्लांट मशीनरी एवं उपस्कर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4. वाहन	380,081	–	–	380,081	128,468	25,161	–	153,629	226,452	251,613
5. फर्नीचर/ फिक्सर	3,140,216	372,932	–	3,513,148	933,098	302,305	–	1,235,403	2,277,745	2,207,118

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balance Sheet As On 31st March 2010

Amount in ₹

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additons during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year-end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year -end	As at the Current year- end	As at the Previous year-end
SCHEDULE 8- FIXED ASSETS										
A. FIXED ASSETS:										
1. LAND:										
a) Freeehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. BUILDING:										
a) On Freehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
b) On Leasehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
c) Ownership Flats/ Premises	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
d) Superstructures on Land not belonging to the entity	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. PLANT MACHINERY & EQUIPMENT										
4. VEHICLES	380,081	-	-	380,081	128,468	25,161	-	153,629	226,452	251,613
5. FURNITURE, FIXTURES	3,140,216	372,932	-	3,513,148	933,098	302,305	-	1,235,403	2,277,745	2,207,118

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गये	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
6. कार्यालय उपस्कर	4,238,075	96,503	–	4,334,578	1,033,597	320,448	–	1,354,045	2,980,533	3,204,478
7. कंप्यूटर/ पैरीफिरलरस	2,225,883	193,375	–	2,419,258	361,060	186,482	–	547,542	1,871,716	1,864,823
8. इलैक्ट्रिक अधिष्ठापन	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
9. पुस्तकालय की किताबें	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
10. ट्यूबवैल और वाटर सप्लाई	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
11. अन्य अचल परिसंपत्तियां	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
चालू वर्ष का कुल	**9,984,255**	**662,810**	–	**10,647,065**	**2,456,223**	**834,396**	–	**3,290,619**	**7,356,446**	**7,528,032**
पिछला वर्ष	**13,117,357**	**304,249**	**3,437,351**	**9,984,255**	**3,205,394**	**396,804**	**1,685,975**	**2,456,223**	**7,528,032**	**9,911,963**
ख. कैपिटल चल रहा कार्य	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
कुल	**9,984,255**	**662,810**	–	**10,647,065**	**2,456,223**	**834,396**	–	**3,290,619**	**7,356,446**	**7,528,032**

उपर्युक्त को शामिल करते हुए किराए पर लिए गए परिसंपत्तियों की लागत पर दी जाने वाली टिप्पणियां

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additons during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year-end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year -end	As at the Current year- end	As at the Previous year-end
6. OFFICE EQUIPMENT	4,238,075	96,503	-	4,334,578	1,033,597	320,448	-	1,354,045	2,980,533	3,204,478
7. COMPUTER/ PERIPHERALS	2,225,883	193,375	-	2,419,258	361,060	186,482	-	547,542	1,871,716	1,864,823
8. ELECTRIC INSTALLATIONS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. LIBRARY BOOKS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. TUBEWELLS & W. SUPPLY	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. OTHER FIXED ASSETS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
TOTAL OF CURRENT YEAR	9,984,255	662,810	-	10,647,065	2,456,223	834,396	-	3,290,619	7,356,446	7,528,032
PREVIOUS YEAR	13,117,357	304,249	3,437,351	9,984,255	3,205,394	396,804	1,685,975	2,456,223	7,528,032	9,911,963
B.CAPITAL WORK-IN-PROGRESS	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
TOTAL	9,984,255	662,810	-	10,647,065	2,456,223	834,396	-	3,290,619	7,356,446	7,528,032

(Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above)

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 9– निर्धारित/इनडोवमेंट फंडों से निवेश			
1. सरकारी प्रतिभूतियों में			
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ			
3. शेयर			
4. डिबेंन्चर्स और बॉन्डस			
5. सब्सिडिज और संयुक्त उद्यम			
6. आई डी बी आई परिसंपत्ति का वीसीएफ			
निवेश			
(1) ऋण	115,325,204		117,463,061
(2) इक्विटी	10,725,000		10,725,000
		126,050,204	
वसूली योग्य			
(1) निवेश	307,434,476		289,165,333
(2) अन्य	1,365,834,915		1,117,162,040
		1,673,269,391	
आई डी बी आई के साथ नकद	19,061,080		23,700,107
		19,061,080	
कुल		**1,818,380,675**	**1,558,215,541**

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 9 - INVESTMETNS FROM EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			
1. In Government Securities	-		-
2. Other approved Securitites	-		-
3. Shares	-		-
4. Debentures and Bonds	-		-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-		-
6. VCF of IDBI (Assets)	-		-
Investment			
(I) Loan	115,325,204		117,463,061
(ii) Equity	10,725,000		10,725,000
		126,050,204	
Receivables			
(I) Interest	307,434,476		289,165,333
(ii) Others	1,365,834,915		1,117,162,040
		1,673,269,391	
Cash with IDBI	19,061,080		23,700,107
		19,061,080	
TOTAL		**1,818,380,675**	**1,558,215,541**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

			वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 10– निवेश–अन्य					
1.	सरकारी प्रतिभूति में				
2.	अन्य अनुमोदित प्रतिभूति				
3.	शेयर– इक्विटी भागीदारी		259,218,000	259,218,000	259,218,000
4.	डिबेंन्चर्स एवं बॉड्स				
5.	सब्सिडियरीज एवं संयुक्त उद्यम				
6.	वेन्चर फंड				
	क) आई टी वी यू एस यू टी आई	2,500,000			
	घटाः पूर्व अदायगी	0	2,500,000		2,500,000
	ख) एसेंट इंडिया फंड (यूटीआई वीएफएम)	527,260,615			
	घटाः पूर्व अदायगी	(66,535,474)	460,725,141		527,260,615
	ग) ए पी आई डी सी वेन्चर फंड		300,000,000		300,000,000
	घ) वेन्चर ईस्ट टीनेट फंड		65,400,000		50,000,000
	ङ) जी वी एफ एल		97,500,000		75,000,000
	च) आर वी सी एफ		49,500,000	975,625,141	49,500,000
	कुल			**1,234,843,141**	**1,263,478,615**

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet
As On 31st March 2010

Amount in ₹

			Current Year		Previous Year
SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS					
1.	In Government Securities		-	-	-
2.	Other approved Securitites		-	-	-
3.	Shares-Equity participation		259,218,000	259,218,000	259,218,000
4.	Debentures and Bonds		-	-	-
5.	Subsidiaries and Joint Ventures				
6.	Venture Funds				
	a)	UTI ITVUS 2,500,000			
		Less: Redemption 0	2,500,000		2,500,000
	b)	UTI Ascent India Fund 527,260,615			
		Less : Redemption (66,535,474)	460,725,141		527,260,615
	c)	APIDC Venture Funds	300,000,000		300,000,000
	d)	Venture East TeNet Fund	65,400,000		50,000,000
	e)	GVFL	97,500,000		75,000,000
	f)	RVCF	49,500,000	975,625,141	49,500,000
		TOTAL		**1,234,843,141**	**1,263,478,615**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 11– चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम इत्यादि			
क. चालू परिसंपत्ति			
1. **सामान सूची**			
क) स्टोर्स एंड स्पेयर्स			
ख) लूज टूल			
ग) स्टॉक इन ट्रेड			
i) समाप्त माल			
ii) चल रहा कार्य			
iii) कच्ची सामग्री			
2. **विविध देनदार**			
क) छः महीनों से अधिक अवधि की लंबित			
ख) अन्य			
3. **हाथ में नकद शेष** (चैक/ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	76,877	76,877	35,799
4. **बैंक शेष**			
क) **अनुसूची बैंक सहित**			
– चालू खाते पर			
– जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	1,036,000,000		958,700,000
– बचत खातों पर	35,270,239		28,229,678
– फ्लैक्सी खातों पर	6,353,358	1,077,623,597	5,938,583
ख) **गैर अनुसूचित बैंक** :			
– चालू खाते पर			
– जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)			
– बचत खातों पर			
5. **डाक घर– बचत खाता**			
कुल (क)		**1,077,700,474**	**992,904,060**

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Balacne Sheet As On 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.			
A. CURRENT ASSETS:			
1. Inventories:			
a) Stores and Spares			
b) Loose Tools			
c) Stock-in- trade			
i) Finished Goods			
ii) Work-in-progress			
iii) Raw Material			
2. Sundry Debtors			
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months			
b) Others			
3. Cash balance in hand (including cheques/ drafts and imprest)	76,877	76,877	35,799
4. Bank Balances:			
a) With Schedules Banks:			
- On Current Accounts			
- On Deposit Accounts (includes margin money)	1,036,000,000		958,700,000
- On Savings Accounts	35,270,239		28,229,678
- On Flexi Account	6,353,358	1,077,623,597	5,938,583
b) With non- Scheduled Banks:			
- On Current Accounts			
- On Deposit Accounts			
- On Savings Accounts			
5. Post Office- Savings Accounts			
TOTAL (A)		**1,077,700,474**	**992,904,060**

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 11– चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि (जारी)			
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां			
1. ऋणः			
क) स्टॉफ			
ख) अन्य सत्ताएं जो उनसे मिलती जुलती सत्ताओं की गतिविधियों/उद्देश्यों में सम्मिलित			
ग) ऋणः शुरू हुए औद्योगिक ईकाइ को सहायता	3,339,987,325		3,098,062,974
जमाः वर्ष के दौरान	414,500,000		534,500,000
घटाः ऋण की अदायगी	411,687,966		292,575,649
घटाः ऋण माफी			
		3,342,799,359	
2. नकद, अग्रिम एवं अन्य राशि की अथवा वस्तु अथवा उसकी कीमत में वसूली			
क) स्टॉफ सदस्यों को अग्रिम	84,100		87,719
ख) अन्य सरकारी विभागों से वसूली	15,918,288		15,918,288
ग) अन्य– प्रतिभूति जमा	1,364,270		1,439,270
घ) अन्य	5,714		5,694
		17,372,372	
3. प्राप्त आय			
क) निर्धारित/इनडोवमेंट फंड से निवेश पर			
ख) निवेश– अन्य पर	10,108,909		45,454,909
ग) ऋण और अग्रिम पर	941,089,243		958,300,973
घटाः ऋण माफी			
घटाः इक्विटी में परिवर्तित			
(गैर वसूली देय से आय सहित .....रुपए)		**951,198,152**	
4. वसूलीयोग्य दावा			
कुल (ख)		**4,311,369,883**	**4,361,194,178**
कुल (क+ख)		**5,389,070,357**	**5,354,098,238**

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC. (Contd.)			
B. LOANS,ADVANCES AND OTHER ASSETS:			
1. Loans:			
a) Staff			
b) Other Entities engaged in activities/objectives similar to that of the entitiy	-	-	-
c) Loan : Assistance to industrial concerns Opening	3,339,987,325		3,098,062,974
Add: During the year	414,500,000		534,500,000
Less: Repayment of loan	411,687,966		292,575,649
Less: Written Off	-		-
		3,342,799,359	
2. Advnances and other amounts recoverable in cash or in kind or of value to be received			
a) Advance to staff members	84,100		87,719
b) Recov.from Other Govt.deptts	15,918,288		15,918,288
c) Others - Security Deposit	1,364,270		1,439,270
d) Others	5,714		5,694
		17,372,372	
3. Income Accrued:			
a) On Investments from Earmarked/Endow.Funds			
b) On Investments - Others	10,108,909		45,454,909
c) On Loans and Advances	941,089,243		958,300,973
Less: written off	-	-	-
Less: Converted into equity			
(includes income due unrealised - Rs.....)			951,198,152
4. Claims Receivable			
TOTAL (B)		**4,311,369,883**	**4,361,194,178**
TOTAL (A +B)		**5,389,070,357**	**5,354,098,238**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 12– बिक्री/सेवाओं से आय			
1. बिक्री से आय			
क) तैयार माल की बिक्री			
ख) कच्चे सामग्री की बिक्री			
ग) कबाड़ की बिक्री			
2. सेवाओं से आय			
क) श्रम एवं संसाधित प्रभार			
ख) व्यावसायिक /परामर्शी सेवाएं			
ग) एजेंसी कमीशन और दलाली			
घ) रखरखाव सेवाएं (उपस्कर/संपत्ति)			
ङ) अन्य (विशिष्ट)			
कुल			

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 13– अनुदान/ सब्सिडी (गैर वसूलीयोग्य अनुदान एवं वसूली गई सब्सिडी)			
1) केन्द्र सरकार	–		–
2) राज्य सरकार (रों)			
3) सरकारी एजेंसियां			
4) संस्थान/ कल्याण बोर्ड			
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन			
6) अन्य (विशिष्ट)			
कुल			

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES/SERVICES			
1. Income from Sales			
a) Sales of Finished Goods	-	-	-
b) Sale of Raw Material	-	-	-
c) Sale of Scraps	-	-	-
2. Income from Services			
a) Labour and Processing Charges	-	-	-
b) Professional/Consultancy Services	-	-	-
c) Agency Commission and Brokerage	-	-	-
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	-	-	-
e) Others (Specify)			
TOTAL	-	-	-

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 13 - GRANTS/SUBSIDIES (Irrevocable Grants & Subsidies Received)			
1) Central Government		-	-
2) State Government(s)			
3) Government Agencies			
4) Institutions/Welfare Bodies			
5) International Organisation			
6) Others (Specify)			
TOTAL		-	-

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 14– शुल्क/ अंशदान			
1) प्रवेश शुल्क			
2) वार्षिक शुल्क/ अंशदान			
3) सेमिनार/ कार्यक्रम शुल्क			
4) परामर्शी शुल्क			
5) दान			
कुल			

टिप्पणी: प्रत्येक मद की बताई जाने वाली लेखा नीतियों का निर्धारित फंड से निवेष

	निर्धारित फंड से निवेश		निवेश–अन्य
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 15– निवेश से आय (फंड में हस्तांतरित किया गया निर्धारित/इनडोवमेंट फंड से निवेश पर आय)			
1. ब्याज			
क) सरकारी प्रतिभूति पर			
ख) अन्य बॉडस/डिबेन्चर			
2. लाभांश			
क) शेयर पर			
ख) म्यूचल फंड प्रतिभूति पर			
3. किराए			
4. अन्य (विशिष्ट)			
कुल			
निर्धारित/ इनडोवमेंट फंड को स्थानांतरित			

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 14 - FEES/SUBSCRIPTINS			
1) Entrance Fees	-	-	-
2) Annual Fees/Subscriptions	-	-	-
3) Seminar/Program Fees	-	-	-
4) Consultancy Fees			
TOTAL	-	-	-

Note - Accounting Policies towards each item are to be disclosed

	Fund	Investment Others	
	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS (Income on Invest. From Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)			
1) Interest			
a) On Govt. Securitites			
b) Other Bonds/Debentures			
2) Dividends			
a) On Shares			
b) On Mutual Fund Securities			
3) Rents			
4) Other (Specify)			
TOTAL			
TRANSFERRED TO EARMARKED/ ENDOWMENT FUNDS			

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 16– रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय			
1) रॉयल्टी से आय		2,050,552	10,038,375
2) प्रकाशन से आय			
3) अन्य (विशिष्ट)			
कुल		**2,050,552**	**10,038,375**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 17– अर्जित ब्याज			
1) आवधिक जमा पर :			
क) अनुसूची बैंकों के साथ	82,966,034		93,900,492
ख) गैर अनुसूची बैंक के साथ			
ग) संस्थाओं के साथ			
घ) अन्य		82,966,034	
2) बचत खातों पर :			
क) अनुसूची बैंकों के साथ	2,449,358		5,001,067
ख) गैर अनुसूची बैंक के साथ,			
ग) डाक घर बचत खाता			
घ) अन्य		2,449,358	
3) ऋण पर:			
क) कर्मचारी / स्टॉफ			
ख) औद्योगिक इकाई को ऋण सहायता	155,299,938		229,513,460
4) रॉयल्टी पर ब्याज	534,293		41,012
5) अनुदान पर ब्याज	3,958,267		
कुल		**205,207,890**	**328,456,031**

टिप्पणी: स्रोत पर कर कटौती को दर्शाया गया है।

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.			
1) Income from Royalty		2,050,552	10,038,375
2) Income from Publications			
3) Others (Specify)			
TOTAL		**2,050,552**	**10,038,375**

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 17- INTEREST EARNED			
1) On Term Deposits:			
a) With Scheduled Banks	82,966,034		93,900,492
b) With Non- Scheduled Banks	-		-
c) With Institutions	-		-
d) Others	-	82,966,034	-
2) On Savings Accounts:			
a) With Scheduled Banks	2,449,358		5,001,067
b) With Non- Scheduled Banks			
c) Post Office Savings Accounts			
d) Others	-	2,449,358	
3) On Loans:			
a) Employees/Staff			
b) Loans assistance to industrial concerns		155,229,938	229,513,460
4) Interest on royalty		534,293	41,012
5) Interest on grant		3,958,267	-
TOTAL		**205,207,890**	**328,456,031**

Note - Tax Deducted at source to be indicated

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 18– अन्य आय			
1. संपत्तियों की बिक्री/ निपटान से लाभ			
क) प्राप्त संपत्ति– यूटीआई की यूनिटें			
ख) अनुदान से प्राप्त संपत्ति, अथवा निःशुल्क प्राप्त			
2. यूटीआई–आईटीवीयूएस से लाभांश		14,682,866	227,434,111
3. विविध सेवाओं का शुल्क			
4. विविध आय		102,047	81,952
5. दान			50,000
कुल		**14,784,913**	**227,566,063**

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 19– तैयार माल और चल रहे कार्य की वृद्धि/ घटाव			
क) बंद स्टॉक			
– तैयार माल			
– चल रहा कार्य			
ख) घटाः ओपनिंग स्टॉक			
– तैयार माल			
– चल रहा कार्य			
निवल वृद्धि/(घटाव) (क–ख)			

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 18 - OTHER INCOME			
1) Profit on Sale/disposal of Assets:			
a) Owned assets - UTI	-		-
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	-		-
2) Profits on redemption of units of UTI-AIF		14,682,866	227,434,111
3) Dividend	-		-
4) Miscellaneous Income		102,047	81,952
5) Fees for Miscellaneous Services	-		-
6) Donations	-		50,000
TOTAL		**14,784,913**	**227,566,063**

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 19 - INCREASE/(DECREASE) STOCK OF FINISHED GOODS &WORK IN PROGRESS			
a) Closing Stock:			
- Finished Goods			
- Work-in-progress			
b) Less: Opening Stock			
- Finished Goods			
- Work-in-progress			
NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]			

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
अनुसूची 20–स्थापना व्यय			
क) वेतन और मजदूरी	13,705,275		9,922,722
ख) भत्ते और बोनस	40,511		41,267
ग) भविष्य निधि में अंशदान	1,067,884		748,736
घ) अन्य फंड में अंशदान			
ङ) कर्मचारी कल्याण खर्च	152,000		191,600
च) कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभों पर व्यय	2,602,251		646,530
छ) चिकित्सा प्रभारों की प्रतिपूर्ति	556,885		607,230
ज) ग्रेच्यूटी	460,073		–
कुल		**18,584,879**	**12,158,085**

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 21–अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि		
क) राष्ट्रीय पुरस्कार		1,400,000
ख) विधि प्रभार	2,722,346	1,509,884
ग) संपत्ति प्रबंधन शुल्क	14,810,824	14,091,341
घ) बिजली और पावर		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) टूट फूट और रख–रखाव	732,222	626,778
ज) डाक एवं टिकट	95,499	12,767
झ) किराया, दर और कर		
ण) वाहन और रखरखाव	157,899	161,832
ट) टेलीफोन और संचार प्रभार	571,401	589,517

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year		Previous Year
SCHEDULE 20 - ESTABLISHMENT EXPRENSES			
a) Salaries and Wages	13,705,275		9,922,722
b) Allowances and Bonus	40,511		41,267
c) Contribution to Provident Fund	1,067,884		748,736
d) Contribution to Other Fund			
e) Staff Welfare Expenses	152,000		191,600
f) Expenses on Employees' Retir. and terminal Benefits	2,602,251		646,530
g) Reimbursement of medical charges	556,885		607,230
h) Gratuity	460,073		-
TOTAL		**18,584,879**	**12,158,085**

	Current Year	Previous Year
SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.		
a) National Award	-	1,400,000
b) Legal charges	2,722,346	1,509,884
c) Assets Management Fees	14,810,824	14,091,341
d) Electricity and power	-	-
e) Water charges	-	-
f) Insurance	-	-
g) Repairs and maintenance	732,222	626,778
h) Postage & stamps	95,499	12,767
i) Rent, Rates and Taxes	-	-
j) Vehicles Running and Maintenance	157,899	161,832
k) Telephone and Communication Charges	571,401	589,517

			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ठ) प्रिंटिंग,स्टेशनरी एवं उपभोज्य			2,182,547	2,714,754
ड) यात्रा और वाहन भत्ता	क) घरेलू	4,138,155		
	ख) विदेशी	45,562		
	ग) विषेशज्ञ	571,647	4,755,364	7,820,073
त) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय				
थ) पुस्तकालय की किताबें एवं आवधिक			825	600
द) बोर्ड सदस्यों का टीए / डी ए			10,000	252,825
ध) लेखा परीक्षा शुल्क			40,000	40,000
न) आवभगत व्यय			263,943	208,032
प) व्यवसायिक प्रभार			692,800	558,900
फ) क) ब्याज की माफी			64,506,875	
ख) ऋण की माफी				
भ) राशि की माफी				1,749,677
म) घटाः वसूली				
य) विविध व्यय			558,576	849,357
य) अखबार एवं पत्रिका			21,455	22,087
र) विज्ञापन एवं प्रचार			9,485,045	13,345,430
ल) घटाः अन्य सरकारी विभागों से वसूली योग्य				
व) बोर्ड के खर्चे			9,338	9,840
कुल			**101,616,959**	**45,963,694**

			Current Year	Previous Year
l) Printing , Stationary & Consumables			2,182,547	2,714,754
m) Travelling and Conveyance Expenses	a) Domestic	4,138,155	-	-
	b) Abroad	45,562	-	-
	c) Experts	571,647	4,755,364	7,820,073
n) Expenses on Seminar/ Workshops			-	-
o) Library books & periodical			825	600
p) TA/DA /fee to Board members			10,000	252,825
q) Auditors Remuneration			40,000	40,000
r) Hospitality Expenses			263,943	208,032
s) Professional Charges			692,800	558,900
t) a) Interest written off			64,506,875	-
b) Loan written off			-	-
u) Aseets Written-off			-	1,749,677
Less: Recovery			-	-
w) Mise. Expenses			558,576	849,357
x) Newspaper & Magazine			21,455	22,087
y) Advertisement and Publicity			9,485,045	13,345,430
Less: Recoverable from other govt. deptts.				
z) Board Expenses			9,338	9,840
TOTAL			**101,616,959**	**45,963,694**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2010 को समाप्त आय और व्यय के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

राशि रुपए में

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 22– अनुदान पर व्यय		
क) संस्थाओं / संगठनों को दिया गया दान		
1) इन्क्यूबेटर्स		
2) अन्य एजेंसियां	98,000,000	100,000,000
ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी		
कुल	**98,000,000**	**100,000,000**

टिप्पणी: सत्ताओं का नाम, अनुदान की राशि सहित उनकी गतिविधियाँ को बताया जाना है।

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 23–ब्याज		
क) अचल ऋण		
ख) अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (विशिष्ट)		
कुल		

Technology Development Board

Schedules Forming Part of Income And Expenditure For The Year Ended 31st March 2010

Amount in ₹

	Current Year	Previous Year
SCHEDULE 22- Expenditure on Grants		
a) Grants given to Institutions/ Organisations		
(i) Incubators		
(ii) Other agencies	98,000,000	100,000,000
b) Subsidies given to Instituions / Organisations		
TOTAL	**98,000,000**	**100,000,000**

Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/ Subsidies are to be disclosed

	Current Year	Previous Year
SCHEDULE 23 - INTEREST		
a) On Fixed Loans	-	-
b) On Other Loans (including Bank Charges)	-	-
c) Others (Specify)	-	-
TOTAL	**-**	**-**

अनुसूची - 24

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां और लेखाओं पर टिप्पण - 2009 - 10

क. लेखा संबंधी नीतियां

1. पावतियों एवं भुगतानों से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत नकद लेन - देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवतियों और भुगतानों का रिकार्ड रखा जाता है।

2. आय एवं व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का सारांश है। यह नकद तथा उपार्जन दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का रिकार्ड रखता है। संवितरित ऋण राशि पर उपार्जित ब्याज का लेखा, जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की जाती है, के लिए रखा जाता है तथापि ब्याज को वास्तव में तब प्राप्त किया जा सकता है जब परियोजना संबंधित ऋण करारों की शर्तों एवं निभंधनों के अनुसार पूरी कर ली गई हो।

3. अवमूल्यन को डिमिनिशिंग (ह्रासमान) बैलेंस प्रणाली पर वित्तीय वर्ष के समय निर्धारित परिसंपत्तियों (फिक्स्ड एसेट्स) के आरंभिक जमा (ओपनिंग बैलेंस) पर 10 प्रतिशत की दर से निर्धारित किया जाता है। केवल कार्यालय परिसर में, यहां पर टूट - फूट को 25 प्रतिशत लागत मूल्य पर प्रदान किया गया है, के आंतरिक कार्य को छोड़कर वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त/ बेची गई/ स्थानांतरिक/ अलग की गई निर्धारित परिसंपत्तियों (फिक्स्ड एसेट्स) पर कोई अवमूल्यन उपलब्ध नहीं किया जाता है। निर्धारित परिसंपत्तियों को अधिप्रापण की लागत पर लिया जाता है।

4. रायल्टी संबंधी भुगतान आवती एवं भुगतान लेखा और तुलन पत्र (बैलेंस शीट) में प्राप्ति के आधार पर लिए जाते है।

5. सरकारी अनुदानों को आवती आधार पर मान्यता दी जाती है। व्यय नहीं की गई राशि को भारत सरकार को वापस नहीं किया जाता क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9 (1) (क) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि में जमा कर दिया जाता है और इस प्रकार किसी प्रकार की वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः भारत सरकार को वापस करने हेतु कोई राशि बकाया नहीं है।

Schedule – 24

Technology Development Board

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2009-10

A. Significant Accounting Policies

1. Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.

2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan instalment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements.

3. Depreciation is quantified at the rate of 10 per cent on the opening balance of Fixed Assets as on the beginning of the financial year on diminishing balance method except the interior work undertaken in the office premises wherein the deprecation has been provided at the rate of 25% on the cost prize. No depreciation is provided on the fixed Assets acquired/sold/transferred/discarded during the financial year. Fixed Assets are taken at the cost of acquisition

4. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

5. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.

6. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा (1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग हेतु निधि द्वारा प्रदत्त राशियों की अधिवसूली, ऋणों पर ब्याज की प्राप्तियों, रायल्टी, अनुदानों और किसी अन्य स्त्रोत से प्राप्त राशि को इस निधि में जमा कर दिया जाता है। इस प्रावधान को ध्यान में रखकर तुलन पत्र (बैलेंस शीट) तैयार किया गया है।

7. आई डी बी आई द्वारा अनुरक्षित निर्धारित/ स्थायी निधियों (उद्यम पूंजी निधि) के तुलन - पत्र ने निम्नलिखित को दर्शाया है:-

   (क) रॉयल्टी, प्रबंधन शुल्क और उस पर पेनल ब्याज के संबंध में आय/ परिव्यय जिन्हें वास्तविक प्राप्तियों/ भुगतान के रूप में माना गया है को छोड़कर तुलन पत्र को प्रोदभवन आधार पर तैयार किया गया है।

   (ख) तुलन - पत्र में नकद और बैंक बैलेंस आई डी बी आई के पास रखी अप्रयुक्त निधियों, जो लेखा समाधान के अध्यधीन हैं, को दर्शाते हैं।

8. निधि की राशियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पावधि जमा योजना में रखा जाता है अल्पावधि जमा पर ब्याज को आवतियों एवं भुगतानों से संभधित लेखों और तुलन पत्र में दर्शाया गया है।

9. कंपनियों में किए गए निवेश लागत मूल्य में वर्णित किए गए है।

10. स्टॉक का सत्यापन (वेरिफिकेशन) वार्षिक आधार पर किया जाता है।

11. आंकड़ों को निकटतम रूपए में पूर्वांकित (राउंडेड ऑफ) किया जाता है।

6. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.

7. The balance sheet of Earmarked/ Endowment funds (Venture Capital Funds) maintained by IDBI has indicated the following:-

   a) The balance sheet is prepared on accrual basis except for income/ expenditure in respect royalty, management fee and penal interest thereon, which are recognized on actual receipt/ payment.

   b) Cash and bank balance in the balance sheet represents unutilized funds lying with IDBI which is subject to reconciliation.

8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

9. The investments in companies are stated at cost price.

10. Stock verification is done on annual basis.

11. Figures are rounded off to the nearest rupee.

अनुसूची - 25

लेखाओं पर टिप्पणी

1. वित्तीय वर्ष 2009 - 10 के दौरान टी डी बी को अनुदान के रूप में कोई राशि प्राप्त नहीं हुई।

2. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की 31 मार्च, 2010 तक 8215.44 लाख (8200.69 लाख) रू. तक की अतिदेय ऋण भुगतान राशि (राशि जो देय है पर प्राप्त नहीं हुई) है। इसके अतिरिक्त, 2022.70 लाख (रूपये 2016.67 लाख) का साधारण ब्याज, रू. 4498.53 लाख (रू. 3299.69 लाख) के बराबर ऋण पर अतिरिक्त ब्याज और साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज के रूप में रू. 799.05 लाख (रू. 654.13 लाख) भी देय हैं।

3. (i) यू टी आई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी लिमिटेड, (यू टी आई वी एफ), बंगलौर द्वारा प्रशासित भारत प्रौद्योगिकी उद्यम यूनिट स्कीम (आई टी वी यू एस) में बकाया निवेश 31 मार्च, 2010 तक रू. 0.25 है। निधि का लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2010 तक 100/- रू. की 2687.72 प्रति यूनिट था।

(ii) यू टी आई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (यू टी आई वी एफ), बेंगलौर द्वारा प्रशासित ऐसेंट इंडिया फंड (ए आई एफ) में बकाया निवेश 31.03.2010 तक 46.07 करोड़ रू. है। यू टी आई - एसेंट इंडिया फंड की यूनिटों के विमोचन से रू. 6.65 करोड़ रू. की राशि प्राप्त हुई और निधि से लाभ वितरण से रू. 1.47 करोड़ रू. प्राप्त हुए जिससे कुल राशि 8.12 करोड़ रू. हो गई। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2010 तक 100 रू. के 125.52/- रू. प्रति यूनिट थी।

(iii) वेंचर ईस्ट फंड एडवाइज़र प्रा. लि., चेन्नई द्वारा संचालित वेंचरेस्ट टीनेट फंड II, चेन्नई में बकाया निवेश 31.3.2010 तक रू. 6.54 करोड़ है। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2010 को रू. 436/- प्रति यूनिट की आंशिक भुगतान की गई पूंजी के रू. 317 प्रति यूनिट की (1000/- प्रति यूनिट की अंकित मूल्य)

(iv) टी डी बी ने दिनांक 16.08.2004 के सह - निवेश अनुबंध के अनुसार ए पी आई डी सी वेंचर कैपिटल लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा प्रशासित एवं प्रभंधित ए पी आई डी सी के साथ "टी

Schedule – 25

Notes on Accounts

1. TDB received nil as grant during the financial year 2009-10.

2. Technology Development Board has an overdue loan repayment (amount due but not received) amounting to ₹ 8215.44 lakhs (₹ 8200.69 lakhs) as on 31st March, 2010. In addition, simple interest of ₹ 2022.70 lakhs (₹ 2016.67 lakhs), additional interest on loan amounting to ₹ 4498.53 lakhs (₹ 3299.69 lakhs) and ₹ 799.05 lakhs (₹ 654.13 lakhs) as additional interest on simple interest, were also due.

3. (i) The outstanding investment in the India Technology Venture Unit Scheme (ITVUS) administered by the UTI Venture Funds Management Company Limited, (UTIVF) Bangalore is ₹ 0.25 crores as on 31st March 2010. The audited NAV of the fund was ₹ 2687.72 per unit of ₹ 100/- on 31st March 2010.

   (ii) The outstanding investment in the Ascent India Fund (AIF) administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore is ₹ 46.07 crores as on 31.03.2010. An amount of ₹ 6.65 crores has been received towards redemption of units of UTI-Ascent India Fund and ₹ 1.47 crores towards profit distribution from the fund aggregating to ₹ 8.12 crores. The audited NAV of the fund was ₹ 125.52/- per unit of ₹ 100/- on 31st March 2010.

   (iii) The outstanding investment in the Ventureast Tenet Fund II, Chennai operated by Venture East Fund Advisors Pvt. Ltd., Chennai is ₹ 6.54 crores up to 31.3.2010. The audited NAV of the fund was ₹ 317 per unit of the partially paid up capital of ₹ 436/- per unit (face value of ₹ 1000/- per unit) on 31st March 2010.

   (iv) TDB has invested in ₹ 30 crore (3000 fully paid units of Face ₹ 1,00,000/- per units) up to 31.3.2010 in "TDB trust" (Co-Investment

डी बी ट्रस्ट" (जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि के साथ सह - निवेश स्कीम) में दिनांक 31.03.2010 तक 30 करोड़ रू. (1,00,000/- प्रति यूनिट मूल्य की पूर्व रूप से भुगतान की गई 3000 यूनिटे) निवेश किए हैं।

(v) मैसर्स गुजरात वेंचर फाइनेंस लिमिटेड (जी वी एफ एल), अहमदाबाद एस एम ई प्रौद्योगिकी उद्यम निधि में 31.03.2010 तक 9.75 करोड़ रू. का बकाया निवेश है। निधि की लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2010 तक 65000 की आंशिक रूप से भुगतान की गई यूनिट (अंकित मूल्य 100000) का 61,575/- रू. था।

(vi) मैसर्स राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड (आर वी सी एफ), जयपुर "एस एम ई प्रौद्योगिकी उद्यम निधि में दिनांक 31.03.2010 तक रू. 4.95 करोड़ रू. बकाया निवेश है। निधि की गैर लेखा परीक्षित एन ए वी 31 मार्च, 2010 को 100/- रू. की रू. 97.12 प्रति यूनिट थी।

4. मैसर्स नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेट्रीज के मामले में ब्याज एवं अतिरिक्त ब्याज की 6,45,06,875 रू. की राशि को बट्टे खाते में डाल दिया गया है।

5. सुरक्षा प्रणालियों के लिए मैसर्स सेंट्रल इलैक्ट्रोनिक्स लिमिटेड, साहिबाबाद को 600.00 लाख रू. की राशि प्रदान की गई। इसके अलावा, मैसर्स, जे एस एस ए टी ई, नोएडा को अनुदान के रूप में 60,00 लाख की राशि जारी की गई, मैसर्स टी आर ई सी, आई आई एम अहमदाबार त्रिची, मैसर्स वी आई टी वेल्लोर और मैसर्स एस आई आई सी - आई आई टी कानपुर प्रत्येक को 30,00 लाख रू. की अनुदान राशि जारी की गई। मैसर्स एमिटी इनोवेशन इन्क्यूबेटर, मैसर्स अमृता - टी बी आई, मैसर्स नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलोजी, सुरथकल, मैसर्स आई आई टी एम एस - आर टी बी आई, चैन्नई और मैसर्स उद्यमिता विकास केन्द्र, पुणे को अनुदान के रूप में प्रत्येक को सीड सहायता स्कीम के अधीन 40.00 लाख रू. की राशि जारी की गई।

6. भारत सरकार द्वारा अनुदानों से संबंधित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) लेन - देन के मद के भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आई डी बी आई) के दस्तावेजों के बकायें राशियों की प्राप्तियों और देनदारियों को प्रौद्योगिकी विकास के अधिनियम, 1995 की धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर, 1996 के अनुसार बोर्ड को हस्तांतरित करने की आवश्यकता है। 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के साथ निहित आई डी बी आई की उद्यम पूंजी निधि का तुलन - पत्र (बैलेंस सीट) इस वर्ष के तुलन - पत्र में शामिल किया गया है। तुलन - पत्र में आई डी बी आई के वी सी एफ से संबंधित पिछले वर्ष के आंकड़ों को भी दर्शाया गया है।

Scheme with Biotechnology Venture fund) with APIDC administered and managed by APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad as per co-investment agreement dated 16.08.2004.

(v) The outstanding investment in M/s Gujarat Venture Finance Limited (GVFL), Ahmedabad SME Technology Venture Fund is ₹ 9.75 crores up to 31st March 2010. The audited NAV of the fund was ₹ 61,575/- of partially paid up unit of ₹ 65000 (fare value ₹ 100000) on 31st March 2010.

(vi) The outstanding investment in M/s Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), Jaipur "SME Technology Venture Fund" is ₹ 4.95 crores as on 31.03.2010. The unaudited NAV of fund was ₹ 97.12 per unit of ₹ 100/- on 31st March 2010.

4. An amount of ₹ 6, 45, 06,875 is written off towards the interest and additional interest in the case of M/s National Aerospace Laboratories.

5. An amount of ₹ 600.00 lakhs has given to M/s Central Electronics Limited, Sahibabad for security system. Further an amount of ₹ 60.00 lakhs has been released as grant to M/s JSSATE Noida, ₹ 30.00 lakhs each has been released as grant to M/s IIM, Ahmedabad, M/s TREC, Trichi, M/s VIT, Vellore & M/s SIIC-IIT Kanpur. An amount of ₹ 40.00 lakhs each has been released as grant to M/s Amity Innovation Incubator, M/s Amrita- TBI, M/s National Institute of Technology, Suratkhal, M/s IITMs- RTBI Chennai & M/s Entrepreneurship Development Centre, Pune under Seed support scheme.

6. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2010 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDBI.

7. आई डी बी आई द्वारा अनुरक्षित विनिर्धारित/ स्थायी निधियों के तुलन पत्र वित्तीय वर्ष 2009 - 10 के दौरान 1.99 लाख रूपये के लाभांश की प्राप्ति दर्शाते हैं।

8. आई डी बी आई द्वारा अनुरक्षित विनिर्धारित/ स्थायी निधियों के तुलन पत्र वित्तीय वर्ष 2009 - 10 के दौरान इक्विटी के विक्रय पर शुन्य लाभ तथा मूल धन/ ब्याज/एफ आई एल डी की शून्य छुट दर्शाते हैं।

(उमेश कुमार)	(दिनेश शर्मा)	(डॉ. टी. रामासामी)
निदेशक	सचिव	अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

7. The balance sheet of Earmarked/ Endowment funds maintained by IDBI has indicated dividend receipt of ₹ 1.99 lakhs during the financial year 2009-10.

8. The balance sheet of Earmarked/ Endowment funds maintained by IDBI has indicated NIL profit on sale of equity and NIL wavier of Principal / Interest / FILD during the financial year 2009-10.

(UMESH KUMAR)	**(DINESH SHARMA)**	**(DR. T. RAMASAMI)**
DIRECTOR	SECRETARY	CHAIRPERSON
Technology Development Board	Technology Development Board	Technology Development Board

टी डी बी, नई दिल्ली के 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लेखों पर भारत के महालेखा नियंत्रण की पृथक आडिट रिपोर्ट

1. हमारे भारत के महालेखा नियंत्रण सेवा अधिकार और सेवा शर्तें अधिनियम 1971 के धारा 19 (2) के पाठ पठित प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 (1995 की सं. 44) के तहत टी डी बी (बोर्ड) नई दिल्ली की 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के संलग्न तुलन पत्र का उस तारीख को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखों/ प्राप्तियों एवं भुगतान लेखों का आडिट किया। यह वित्तीय विवरण बोर्ड प्रबंधन का दायित्व है। हमारा दायित्व ऑडिट पर आधारित अपने विचार प्रकट करना है।

2. इस पृथक ऑडिट रिपोर्ट में भारत के महालेखा नियंत्रण (सी एंड एजी) की वर्गीकरण, उत्तम लेखा नीतियों के सदृश लेखा मानक, प्रकटीकरण मानदंड इत्यादि से संबंधित लेखा प्रतिपादनों पर टिप्पणी शामिल है। वित्तीय लेनदेनों पर विधि अनुपालन सहित ऑडिट टिप्पणियाँ, नियम एवं विनियम (प्रोपराइटी और रेग्यूलेटरी) और दक्षता - सह निष्पादन पहलू इत्यादि यदि कोई है तो इसे निरीक्षण रिपोर्ट/ सी ए जी की ऑडिज रिपोर्ट के माध्यम से रिपोर्ट किया गया।

3. हमने यह ऑडिट, भारत में सामान्यता अपनाए गए मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित होता है कि हम ऑडिट को इस तरह योजनागत और निष्पादन करें कि इस बात का उचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके कि वित्तीय विवरण सामग्री, गलत विवरणों से मुक्त हो। ऑडिट में जांच के आधार पर वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई राशियों के समर्थन में प्रमाणों और प्रकटीकरण की जांच शामिल है। ऑडिट में, प्रयोग किए गए लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा महत्वपूर्ण आकलनों का मूल्यांकन शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा ऑडिट विचारों को एक औचित्यपूर्ण आधार प्रदान करेगा।

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Technology Development Board, New Delhi for the year ended 31st March 2010

1. We have audited the attached Balance Sheet of Technology Development Board (TDB), New Delhi as at 31st March 2010 and the Income & Expenditure Account/ Receipts & Payment Account for the year ended on that date under Section 19 (2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Power & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(2) of the Technology Development Board Act, 1995 (No. 44 of 1995). These financial statement are the responsibility of the Board's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial based on our audit.

2. This separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects etc., if any, are reported through Inspections Reports/CAG's Audit Report Separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statement are free from materials misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर हम यह रिपोर्ट देते हैं कि:

(i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी जानकारी और विश्वास में ऑडिट के उद्देश्य के लिए अनिवार्य है।

(ii) इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन - पत्र और आय एवं व्यय लेखा/ प्राप्तियाँ एक भुगतान लेखे को टी डी बी अधिनियम 1995 की धारा 13 एम के तहत वित्त मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रोफार्मा में दिया गया है।

(iii) हमारे विचार से प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 की धारा 13 (1) में अपेक्षित लेखों की समुचित बहियों और अन्य संभधित रिकार्डों को अनुरक्षित किया गया है जैसा कि यह हमारे ऐसी बहियों की जांच से पता चलता है।

(iv) हमने यह भी रिपोर्ट किया कि:

(क) तुलन - पत्र

1. दायित्व

1.1 दायित्वों की न्यूनोक्ति - मौजूदा दायित्व (अनुसूची - 7)

टी डी बी द्वारा दिनांक 30 अप्रैल, 2010 को आई डी बी आई को वर्ष 2009 - 10 के लिए परिसंपत्ति प्रबंधन शुल्क के लिए 69.60 लाख रू. की राशि का भुगतान किया गया था जिसे बोर्ड की लेखाओं में उल्लिखित नहीं किया गया था। इसके परिणामस्वरूप मौजूदा दायित्वों की न्यूनोक्ति हुई और 69.60 लाख रू. तक का परिवेय पर आय की अधिकता प्रदर्शित हुई।

(ख) सामान्य

मौजूदा परिसम्पतियां, ऋण, अग्रिम आदि (अनुसूची - 11)

ऋण और अग्रिमों पर अर्जित आय 94.11 करोड़ रू.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

(ii) The Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipt & payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Ministry of Finance.

(iii) In our opinion proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Technology Development Board, New Delhi as required under Section 13(1) of the TDB Act, 1995, in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that:

(A) Balance Sheet

1. Liabilities

1.1 Understatement of Liabilities – Current Liabilities (Schedule 7)

A Sum of ₹ 69.60 lakh on account of Asset Management fee for the year 2009-10 was paid by TDB to IDBI on 30th April, 2010 which was not provided for in the Accounts of the Board. This had resulted in understatement of current liabilities and overstatement of excess of Income over expenditure to the extent of ₹ 69.60 lakh.

(B) General

Current Assets, Loans, Advances etc. (Schedule-11)

Income accrued on Loans and Advances ₹ 94.11 crore

इसे वर्ष के दौरान 6.45 करोड़ रू. के ब्याज को बटे खाते डालकर निबल रूप से प्राप्त किया गया है। बटे खाते डाले गए ब्याज को समुचित कालम में - अनुसूची में बटे खाते के रूप में पृथक रूप से दर्शाने की आवश्यकता थी।

(ग) सहायता अनुदान

वर्ष 2009 - 10 के दौरान भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड को कोई अनुदान अनुमोदित/ जारी नहीं किया गया है।

(घ) प्रबंधन पत्रः

पाई गई कमियॉ जिन्हें ऑडिट रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया उनकी उपचारात्क/ संशोधन कार्यवाही के लिए प्रबंधन पत्र के माध्यम से टी डी बी की जानकारी में लाया गया है।

(v) पूर्व पैराग्राफ में हमारी टिप्पिणियों के संबंध में हमने यह रिपोर्ट किया है कि रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र और लेखों/ प्राप्तियाँ और भुगतान लेखों बही के अनुसार हैं।

(vi) हमारे विचार से और हमारी जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त विवरण लेखा नीतियों और टिप्पणियों सहित पठित और उपरोक्त महत्वपूर्ण मामलों से संबंधित और इस ऑडिट रिपोर्ट में दिए गए अन्य मामले भारत में सामान्यतया अपनाए गए लेखा सिद्धांतों के अनुरूप वास्तविक और उचित विचार प्रस्तुत करते हैं।

क. जहां तक यह टी डी बी की 31 मार्च, 2010 तक की गतिविधियां की तुलन पत्र से संबंधित हैः और

ख. जहां तक यह वर्ष के अंत में उस तारीख पर सरपल्स की आय और व्यय लेखे से संबंधित है।

ह/.
प्रधान लेखा परीक्षा निदेशक
वैज्ञानिक विभाग

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 25.11.2010

This has been arrived at after netting off of ₹ 6.45 crore being interest written-off during the year. The interest written –off was required to be disclosed distinctly under proper column -" Less written-off" in the schedule.

(C)Grants-in-aid

No grant was sanctioned/ disbursed to Technology Development Board by the Govt of India during 2009-10.

(D) Management letter:

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the TDB through a management letter issued separately for remedial/ corrective action.

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income & Expenditure Account/ Receipt & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

a. In so far as it relates to the Balance Sheet of the State of affairs of the TDB as at 31st March 2010: and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

लेखा परीक्षा रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक

आंतरिक लेखा परीक्षा/ नियंत्रण प्रणाली

1. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

क. आंतरिक नियंत्रण कार्यतंत्र की कमी

(i) कुछ मामलों में बिलों की फोटोकॉपी के आधार पर परिव्यय को अनुमोदित किया जा रहा था।

(ii) टी डी बी में अपने वित्त प्रभाग से परिव्यय की वित्तीय मंजूरी प्राप्त करने का चलन नहीं पाया गया है।

2. निर्धारित परिसंपत्तियों/ माल सूची की वास्तविक जांच की प्रणाली

(क) परिसंपत्ति रजिस्टर का रखरखाव नहीं होना

जी एफ आर के अनुसार टी डी बी को निर्धारित प्रोफार्मा में पृथक परिसंपत्ति रजिस्टर (ए ए आर) बनाना चाहिए था। ए ए आर का उत्तरोत्तर योग, वार्षिक लेखे में तुलन पत्र के अनुसूची - 8 निर्धारित परिसंपत्ति के दर्शाए गए ऑकड़ों से मिलना चाहिए था। टी डी बी, नई दिल्ली के विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत 31 मार्च, 2010 तक निर्धारित परिसंपत्ति के तहत 106.47 लाख रूपए थे। परिसंपत्तियों की अवस्थिति, मूल्यह्रास आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी वाले परिसंपत्ति रजिस्टर का रख रखाव नहीं किया गया।

(ख) भंडारगृहों और परिसंपत्तियों की वास्तविक जांच

माल सूची/ परिसंपत्तियों की वास्तविक जांच से संभधित सामान्य वित्तीय नियमावली 2005 के नियम 192 (1 से 3) के तहत प्रावधानों का सख्ती से पालन नहीं किया गया। इसको सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यद्यपि, टी डी बी नई दिल्ली ने वास्तविक जांच संचालित की थी लेकिन इन्हें जी एफ आर एस के अनुसार परिसंपत्तियों/ गैर उपभोज्य एवं उपभोज्य के स्टॉक/ परिसंपत्ति रजिस्टर में दर्ज नहीं पाया गया। उपरोक्त की अनुपस्थिति में अचल परिसंपत्तियों, गैर उपभोज्य और किसी खराब/ अप्रचलनीय वस्तु की मौजूदगी को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, उपभोज्य और गैर उपभोज्य वस्तुओ के लिए किसी पृथक रजिस्टर का रखरखाव नहीं किया गया है।

ह/.
निदेशक (निरीक्षण - II)

Annexure to Audit Report

Internal Audit/ Control System

1. Adequacy of Internal Control System

(A) Deficient Internal control mechanism

(i) In certain cases expenditure was being sanctioned on the basis of photo copies of bills.

(ii) TDB did not have the practice of obtaining financial concurrence of expenditure from its finance Division.

2. System of Physical verifications of fixed assets

(a) Non maintenance of Assets Register

As per GFRs, TDB was required to maintain Abstract Assets Register (AAR) in the prescribed format. The progressive Totals of the AAR have to be tallied with the figures reflected in Schedule- 8 "Fixed Assets" of the Balance Sheet in the Annual Accounts. As per the Annual Accounts, TDB, New Delhi held the fixed assets of ₹ 106.47 lakh as on 31st March 2010 under various heads. Assets Register containing detailed information regarding location of Assets deprication etc was not maintained.

(b) Physical Verification of Stores & Assets

Provisions contained under Rule 192 (1 to 3) of the General Financial Rules 2005 regarding physical verification of inventory/ assets were not followed strictly. This needs to be ensured. Although, TDB, New Delhi had conducted the physical verification, the same was not found recorded in the stock/ asset register of the assets/ non-consumables &consumables as per GFRS. In the absence of the above, the existence of fixed asset non- consumable and any unserviceable/ obsolete items could not be ensured . Further, no separate register for consumable and non-consumables were maintained.

लेखा परीक्षा रिपोर्ट के लिए अनुलग्नव

आंतरिक लेखा परीक्षा/ नियंत्रण प्रणाली

लेखाओं पर लेखा परीक्षा टिप्पणी	टी डी बी का प्रत्युत्तर
1 आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता	
(क) आंतरिक नियंत्रण कार्यतंत्र की कमी	
(i) कुछ मामलों में बिलों की फोटोकॉपी के आधार पर परिव्यय को अनुमोदित किया जा रहा था।	(i) एक मामले में परिव्यय की प्रतिपूर्ति हेतु संस्थान को बिलों की फोटोकॉपी के आधार पर परिव्यय का अनुमोदन किया गया था जिसे संस्थान द्वारा वास्तविक रूप से खर्च किया गया था और उन्होंने अपने लेखा परीक्षा के उद्देश्य से मूल बिलों को अपने पास रख लिया था।
(ii) टी डी बी में अपने वित्त प्रभाग से परिव्यय की वित्तीय मंजूरी प्राप्त करने का चलन नहीं पाया गया है।	(ii) बिलों तथा विभिन्न परिव्ययों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाता है। टी डी बी में इस दिशा में आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।
2 अचल परिसंपत्तियों/ माल सूची की वास्तविक जांच की प्रणाली	
(क) परिसंपत्ति रजिस्टर का रखरखाव नहीं होना जी एफ आर के अनुसार टी डी बी को निर्धारित प्रोफार्मा में पृथक परिसंपत्ति रजिस्टर (ए ए आर) बनाना चाहिए था। ए ए आर का उत्तरोत्तर योग, वार्षिक लेखे में तुलन पत्र के अनुसूची - 8 निर्धारित परिसंपत्ति के दर्शाए गए ऑकड़ों से मिलना चाहिए था। टी डी बी, नई दिल्ली के विभिन्न	**(क)** टी डी बी में प्रचलन के अनुसार स्टॉक और परिसंपत्ति रजिस्टर का रखरखाव किया जा रहा है। लेखा परीक्षा के सुझाव अनुसार परिसंपत्तियों की अवस्थिति और मूल्य ह्रास आदि के संबंध में विस्तृत सूचना रखने वाले परिसंपत्ति रजिस्टर को पृथक रूप से बनाया गया है और इसे अद्यतन किया गया है।

Internal Audit/ Control System

Audited Comments on Accounts	TDB Replies
1. Adequacy of Internal Control System	
(A) Deficient Internal control mechanism	
(i) In certain cases expenditure was being sanctioned on the basis of photo copies of bills.	(i) In one of the case, the expenditure was sanctioned on the basis of photocopies of the bills to an Institution for reimbursement of the expenditure which has actually incurred by them and retained the original bills for their audit purpose.
(ii) TDB did not have the practice of obtaining financial concurrence of expenditure from its finance Division.	(ii) The bills and various expenditures are approved by the competent authority. Necessary instructions on the same have been issued in TDB.
2. System of Physical verifications of fixed assets	
(a) Non maintenance of Assets Register As per GFRs, TDB was required to maintain Abstract Assets Register (AAR) in the prescribed format. The progressive Totals of the AAR have to be tallied with the figures reflected in Schedule-	(a) As per practice in vogue in TDB, the stock register was being maintained for stock as well as asset register. As per the suggestion of Audit, the Asset Register containing detailed information regarding location of Assets depreciation etc. has been

लेखाओं पर लेखा परीक्षा टिप्पणी	टी डी बी का प्रत्युत्तर
शीर्षों के अंतर्गत 31 मार्च, 2010 तक निर्धारित परिसंपत्ति के तहत 106.47 लाख रूपए थे। परिसंपत्तियों की अवस्थिति, मूल्यह्रास आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी वाले परिसंपत्ति रजिस्टर का रख रखाव नहीं किया गया।	
(ख) भंडारगृहों और परिसंपत्तियों की वास्तविक जांच माल सूची/ परिसंपत्तियों की वास्तविक जांच से संभधित सामान्य वित्तीय नियमावली 2005 के नियम 192 (1 से 3) के तहत प्रावधानों का सख्ती से पालन नहीं किया गया। इसको सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यद्यपि, टी डी बी नई दिल्ली ने वास्तविक जांच संचालित की थी लेकिन इन्हें जी एफ आर एस के अनुसार परिसंपत्तियों/ गैर उपभोज्य एवं उपभोज्य के स्टॉक/ परिसंपत्ति रजिस्टर में दर्ज नहीं पाया गया। उपरोक्त की अनुपस्थिति में अचल परिसंपत्तियों, गैर उपभोज्य और किसी खराब/ अप्रचलनीय वस्तु की मौजूदगी को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, उपभोज्य और गैर उपभोज्य वस्तुओ के लिए किसी पृथक रजिस्टर का रखरखाव नहीं किया गया है।	**(ख)** टी डी बी अपनी माल सूची की वास्तविक जांच करता है और इससे संबंधित जानकारी एक पृथक फाईल में रखी जाती है। इसके अलावा टी डी बी अचल संपत्तियों और उपभोज्य स्टॉक रजिस्टर का भी रखरखाव करता है तथापि लेखा परीक्षा के सुझाव अनुसार, स्टॉक/ परिसंपत्ति रजिस्टर में वास्तविक जांच प्रमाणन को नोट कर लिया गया है जिसे अचल परिसंपत्तियों और उपभोज्यों के लिए पृथक रूप से बनाया गया है।

Audited Comments on Accounts	TDB Replies
8 "Fixed Assets" of the Balance Sheet in the Annual Accounts. As per the Annual Accounts, TDB, New Delhi held the fixed assets of ₹ 106.47 lakh as on 31st March 2010 under various heads. Assets Register containing detailed information regarding location of Assets depreciation etc was not maintained.	maintained separately and updated.
(b) Physical Verification of Stores & Assets Provisions contained under Rule 192 (1 to 3) of the General Financial Rules 2005 regarding physical verification of inventory/ assets were not followed strictly. This needs to be ensured. Although, TDB, New Delhi had conducted the physical verification, the same was not found recorded in the stock/ asset register of the assets/ non-consumables &consumables as per GFRS. In the absence of the above, the existence of fixed asset non- consumable and any unserviceable/ obsolete items could not be ensured . Further, no separate register for consumable and non- consumables were maintained.	(b) TDB conducts the physical verification of its inventory and the report on the same is maintained in the file separately. Further, TDB also maintains fixed assets and consumables stock register. However, as per the suggestion of Audit, the Physical Verification Certification has been noted in the stock/asset register which is maintained separately for fixed assets and consumables.

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Technology Development Board